नई दिल्ली । रविवार, 05 जुलाई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :180/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल फीफा वर्ल्ड कपः कोलंबिया ने शान से कटाया राउंड... | @ साहित्य केसरी मौन स्वीकृति... | @ व्यापार सोना इस हफ्ते 6 हजार रूपए से अधिक महंगा हुआ...

वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रचा, इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

एजेंसी ■ मैनचेस्टर

महज 15 साल 99 दिन की उम्र में वैभव सूर्यवंशी ने इतिहास रच दिया है। वैभव इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टॉस से पहले तिलक वर्मा ने वैभव को कैप सौंपी। वैभव सूर्यवंशी को संजू सैमसन के स्थान पर प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया है।

इसी के साथ बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने शेफाली वर्मा के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 15 साल और 239 दिन की उम्र में भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था। वहीं, पुरुषों में सचिन तेंदुलकर ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया था।

वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 16 मुकाबलों में 48.50 की औसत के साथ 776 रन बनाए थे।

अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंदों में 15 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ वैभव ने 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। वह न सिर्फ फाइनल में 'प्लेयर ऑफ द मैच' रहे, बल्कि उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' भी चुना गया था। हाल ही में श्रीलंका-ए के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में वैभव ने महज 11 गेंदों में 'लिस्ट-ए' क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था।

शनिवार को मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, 'हम फिर से पहले बल्लेबाजी करेंगे। टीम में एक बदलाव है। संजू की जगह वैभव आए हैं। आपने पिछले कुछ महीनों में देखा होगा कि वह कैसी बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वह पूरी तरह से टीम में जगह पाने के हकदार हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो बिल्कुल भी दबाव नहीं लेते। उनका स्वभाव बहुत शांत और स्थिर है। उन्हें अच्छी तरह पता

है कि आगामी मुकाबलों में क्या होने वाला है। नेट्स में जिस तरह से वह बैटिंग करते हैं और गेंदबाजों का सामना करते हैं, उससे पता चलता है कि वह किस तरह के खिलाड़ी हैं। आप कॉम्पिटिशन देखिए, हर मैच के साथ... भारत में जिस तरह का टैलेंट सामने आ रहा है, उसे देखकर अच्छा लगता है। इससे हम हमेशा सतर्क रहते हैं। मुझे लगता है कि दबाव महसूस करना एक सौभाग्य की बात है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती के साथ यह मैच खेल रही है।वहीं, इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवन में फिलिप साल्ट, जोस बटलर (विकेटकीपर), हैरी ब्रूक (कप्तान), जैकब बेथेल, टॉम बैंटन, सैम कुरेन, विल जैक्स, लियाम डॉसन, आदिल राशिद, जोफ्रा आर्चर और जोश टंग मौजूद हैं।

सोशल मीडिया पर अब खैर नहीं, चुनाव आयोग ने तैयार की नई डिजिटल रणनीति!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स आयोग, नई दिल्ली द्वारा स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन इन्वेस्टमेंट (आईआई डॉक्युमेंट्रीएम) में मीडिया एवं संचार अधिकारियों के लिए दूसरे दिव्य राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।3 जुलाई 2026 को आयोजित इस महामंथन में सोशल मीडिया पर वीडियो वाली डीवीडी और डीपफेक जैसी फिल्मों की झलक के लिए नए सिरे से विस्तृत चर्चा हुई।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के सभी 33 लॉटरी जिले के नामांकन अधिकारी (पीआरओ), सहायक मुख्य पोर्टफोलियो और राष्ट्रीय विभाग के अपर उपाध्यक्ष शामिल हुए। डिजिटल युग में लॉन्च न्यूज और क्रिएटिव डिजिटल सामग्री ग्राउंड लेवल पर इंजीनियर्स को प्रभावित किया जाता है, जिसके लिए अब प्रदेश के स्थानीय अधिकारी हाईटेक ट्रेनिंग से शुरू हो गए हैं। समूहसंदर्भ मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त ने निम्नलिखित पैराग्राफ निर्देश दिए।

कॉन्फ़्रेंस को खुलासा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली तस्वीरें और फर्जी डकैती के प्रति अधिकारियों को हर समय प्रतिबंधित रहने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ किया कि तथ्यपरक जानकारी का तेजी से प्रसार करके ही गलत दस्तावेजों पर रोक लगाई जा सकती है।

उन्होंने हाल ही में चुनावी सभा में चुनावी मैदान में जनता के व्यापक विश्वास का प्रतीक बनकर रिकॉर्ड मतदान किया। वहीं, चुनाव आयुक्त डॉ. विवेक जोशी ने डिजिटल युग में कृत्रिम उत्कृष्टता (एआई) और डीपफेक से उत्पन्न होने वाले उद्यम को विकसित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे आयोग के निर्देश-निर्देशों के ढांचे को प्रभावी ढंग से मुकाबला करने में सक्षम बनाते हैं और मजबूत इरादों वाली टीम क्लबों के माध्यम से युवा आयोग को इलेक्ट्रॉनिक्स प्रक्रिया से जोड़ते हैं। तकनीकी सत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में 16 राज्यों के केंद्र और 260 से अधिक संयुक्त राज्य अमेरिका के उद्यमों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान डेमोक्रेट मैनेजमेंट सूची, मतदान एवं तृतीय प्रक्रिया, ई सिनेट , डक्टिक एंटरप्राइज़, प्रेस एंकर आलेख और सोशल मीडिया प्रबंधन पर टेक्निकल सत्र आयोजित किए गए।

सेमीकंडक्टर क्रांति से विकसित भारत को मिलेगी नई रफ्तारः पीएम मोदी

'डिजाइन इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' के विजन के साथ देश आगे बढ़ रहा

एजेंसी ■ साणंद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में सीजी सेमी की आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसैट) सुविधा का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि पांच वर्ष पहले देश ने वैश्विक सेमीकंडक्टर हब बनने का संकल्प लिया था और आज उस दिशा में तेजी से परिणाम दिखाई दे रहे हैं। भारत अब केवल इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीकों का निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

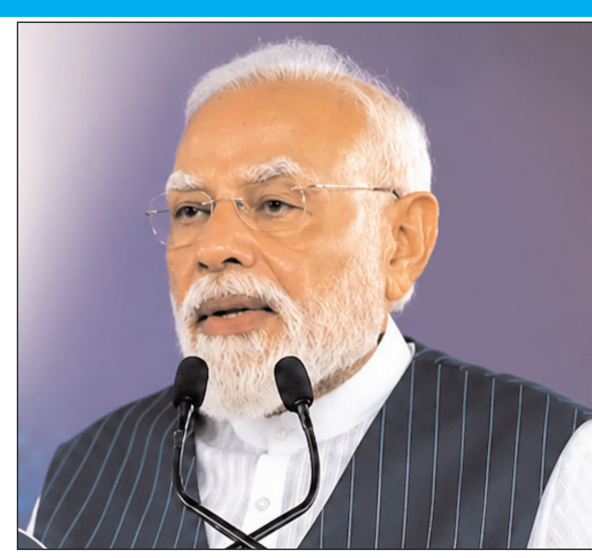

अपने संबोधन की शुरुआत गुजराती अंदाज में करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि भारत जो ठान लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है। उन्होंने कहा कि 'डिजाइन इन इंडिया' और 'मेक इन इंडिया' के विजन के साथ देश लगातार आगे बढ़ा है और अब देश के तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट में व्यावसायिक चिप पैकेजिंग का उत्पादन शुरू हो चुका है।

प्रधानमंत्री ने बताया, 'वर्ष 2024 में उन्हें इस परियोजना का शिलान्यास करने का अवसर मिला था। अगस्त 2025 में यहां टेस्टिंग चिप्स का काम शुरू हुआ और अब इसका औपचारिक उद्घाटन हो गया है। शिलान्यास से उत्पादन तक का यह सफर हजारों लोगों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और उद्योग जगत की प्रतिबद्धता का परिणाम है।

उन्होंने कहा, 'सीजी सेमी का यह संयंत्र भारत, जापान और थाईलैंड के औद्योगिक साझेदारों के सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह केवल एक व्यावसायिक परियोजना नहीं, बल्कि तकनीक, विश्वास और वैश्विक साझेदारी का ऐसा मॉडल है जो भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई गति देगा। वर्तमान में इस संयंत्र से हर वर्ष लगभग 20 करोड़ चिप्स का उत्पादन होगा और भविष्य में इसे बढ़ाकर 500 करोड़ चिप्स प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य रखा गया है। कंपनी यह लक्ष्य भी शीघ्र प्राप्त करेगी।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विकास अचानक नहीं हुआ है। यह पिछले एक दशक में आई इलेक्ट्रॉनिक्स क्रांति का अगला चरण है। कभी भारत अधिकांश मोबाइल फोन विदेशों से आयात करता था, लेकिन आज देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता और निर्यातक बन चुका है। वर्ष 2014 की तुलना में मोबाइल फोन उत्पादन 33 गुना और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन लगभग सात गुना बढ़ा है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी करीब 11 गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

बिहार में अपराध नियंत्रण को लेकर बड़ा कदम, 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएगी सरकार

पटना । बिहार में अपराध से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। सरकार जल्द ही 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की तैयारी में है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के उद्देश्य से 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सीएम सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट में कहा कि अपराध से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण एवं नियंत्रण के उद्देश्य से 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जाएगी।

बद्रीनाथ धाम में कथित चोरी का मामलाः दोषी कर्मचारी पर निलंबन कार्रवाई की मांग

एजेंसी ■ ऋषिकेश

भैरव सेना के संस्थापक अध्यक्ष संदीप खत्री ने श्री बद्रीनाथ धाम में कथित चोरी की घटना को गंभीर बताते हुए दोषी कर्मचारी के तत्काल निलंबन और विभागीय कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह घटना अयोध्या के श्रीराम मंदिर में सामने आए घटनाक्रम की तरह ही बेहद चिंताजनक है और इससे श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंची है।

संदीप खत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें सूचना मिली है कि श्री बद्रीनाथ धाम में कार्यरत एक कार्मिक चोरी करते हुए पकड़ा गया है।

इस सूचना के बाद भैरव सेना की कोर कमेटी की बैठक बुलाई गई, जिसमें मामले पर चर्चा के बाद कार्रवाई का निर्णय लिया गया। संगठन की ओर से बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के सीईओ सोहन सिंह रांगड़ को एक पत्र भेजा गया है। इस पत्र में दो प्रमुख मांगें रखी गई हैं। पहली, जिस कर्मचारी का नाम इस मामले में सामने आया है उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए और दूसरी, संबंधित व्यक्ति के खिलाफ विभागीय एवं प्रशासनिक स्तर पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने उत्तराखंड में धार्मिक व्यवस्थाओं को लेकर भी चिंता व्यक्त की। उनका आरोप था कि जब से देवभूमि उत्तराखंड में धर्मस्व विभाग को समाप्त कर पर्यटन को बढ़ावा दिया गया है और तीर्थाटन की भावना कमजोर हुई है, तब से श्रद्धालुओं की आस्था के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है। भैरव सेना इस तरह की घटनाओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी।

ई20 फ्यूल को साइंटिफिक टेस्टिंग और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के आधार पर लाया गया : इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स ने शनिवार को कहा कि ई20 फ्यूल को साइंटिफिक टेस्टिंग और ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के आधार पर पेश किया गया है और इससे गाड़ी के पार्ट्स को नुकसान पहुंचने का कोई सबूत नहीं मिला है; उन्होंने इक्का-दुक्का शिकायतों की वजह फ्यूल में खराबी या मिलावट को बताया, साथ ही यह भी कहा कि गाड़ी के मॉडल के हिसाब से माइलेज में 3-5 प्रतिशत की कमी आ सकती है, लेकिन ई10 गाड़ियों की वारंटी पर इसका कोई

असर नहीं पड़ेगा।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (कॉरपोरेट अफेयर्स) राहुल भारती ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ दिनों में एथेनॉल के उपयोग को लेकर कई तरह की शंकाएं और सवाल सामने आए हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में 2023 से ई20 ईंधन के अनुरूप वाहन तैयार करना अनिवार्य किया गया है। इससे पहले ई10 (10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) लागू था। इसलिए 2023 के बाद से बाजार में आने वाले वाहन और उपलब्ध ईंधन दोनों ई20 मानकों के अनुसार हैं।

अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने दी बधाई

भारत-अमेरिका की दोस्ती वैश्विक भलाई की ताकत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और वहां के नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, '1.4 अरब भारतीयों की ओर से मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका के लोगों को आपके ऐतिहासिक 250वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने भारत और अमेरिका के संबंधों पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच केवल रणनीतिक साझेदारी ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र, कानून के शासन और लोगों की असीम क्षमता में साझा विश्वास भी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यही मूल्य भारत-अमेरिका की मित्रता को वैश्विक भलाई की एक मजबूत शक्ति बनाते हैं। उन्होंने अमेरिका के लिए आने वाले 250 वर्षों में और अधिक समृद्धि, शांति और प्रगति की कामना करते हुए भारत-अमेरिका साझेदारी के नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की उम्मीद जताई।

अयोध्या के साधु-संत चंपत राय के समर्थन में आए, राम मंदिर ट्रस्ट से इस्तीफा नामंजूर करने की अपील

एजेंसी ■ अयोध्या

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर जारी विवाद के बीच शनिवार को संत समाज उनके समर्थन में उतर आया। संतों ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अपील की कि वह चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार न करे।

अयोध्या में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए संतों ने चंपत राय की ईमानदारी, सच्चाई और निष्ठा पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं और उनका मकसद उनकी सार्वजनिक छवि को खराब करना है। चंपत राय दशकों से राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण से गहराई से जुड़े रहे हैं और उनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शिता और

समर्पण से भरा रहा है। उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोपों का कोई ठोस आधार नहीं है और यह उन्हें बदनाम करने की एक अनावश्यक कोशिश है।

उन्होंने कहा कि इस विवाद के दौरान चंपत राय का व्यवहार पूरी तरह पारदर्शी रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने खुद इस मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाने की मांग की थी, जिससे यह साबित होता है कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है और उन्हें पूरी जांच से कोई आपत्ति नहीं है। एसआईटी बनाने के सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए संतों ने कहा कि जांच से सारे तथ्य सामने आ जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विवाद के बावजूद चंपत राय ने संयम बरता और सार्वजनिक बयान देने से बचे। उनके प्रति एकजुटता दिखाते हुए उन्होंने कहा कि अयोध्या के संत मजबूती से उनके साथ खड़े हैं और उन्हें अपना पूरा समर्थन और आशीर्वाद दे रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संतों ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी के सामने कई सवाल भी उठाए। उन्होंने मंदिर के फंड की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों पर सवाल उठाए और जानना चाहा कि पर्याप्त सावधानी क्यों नहीं बरती गई।

रक्षा उत्पादन और निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड, 'मेक इन इंडिया' पर दुनिया का बढ़ा भरोसा : राजनाथ सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में सर्वकालिक उच्च स्तर 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। वहीं, रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 के 686 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 57 गुना की वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' प्लेटफॉर्म पर दुनिया के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है।

एक मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कमी से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से 'विकसित भारत' की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की नीति के जरिए विकसित भारत की मजबूत नींव रख रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार के चौथे कार्यकाल तक दुनिया एक 'विकसित भारत' का उदय देखेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब 2014 में 'मेक इन इंडिया' अभियान शुरू किया गया था, तब कई लोगों ने इसे असफल बताया था। लेकिन समय के साथ इस पहल ने सफलता के नए मानक स्थापित किए हैं और आज भी लगातार नए कीर्तिमान बना रही है।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा में बड़ा बदलाव आया है। पहले दुनिया भारत की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती थी, लेकिन आज अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की राय को गंभीरता से सुना जाता है।

राजनाथ सिंह ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2021 में इसकी शुरुआत के समय भी कई लोगों ने संदेह जताया था। लेकिन अब भारत ने सेमीकंडक्टर पार्कों और 'प्लग-एंड-प्ले' इंफ्रास्ट्रक्चर मॉडल के जरिए पिछले वर्ष अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप तैयार कर लिया।

उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' के तहत देश में मोबाइल फोन निर्माण, ऑटोमोबाइल निर्यात, स्वदेशी लोकोमोटिव निर्माण और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे भारत विनिर्माण और तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने भारत की डिजिटल क्रांति का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि अप्रैल में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से 22.35 अरब ट्रांजैक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29 लाख करोड़ रुपए रहा। उन्होंने कहा कि अब यूपीआई की पहुंच लगातार दूसरे देशों तक भी बढ़ रही है।

उन्होंने यह भी बताया कि देश भर में 'मेक इन इंडिया' 5जी तकनीक का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और साथ ही 6जी तकनीक के विकास पर भी काम जारी है। राजनाथ सिंह ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की सफलता का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में इसे लेकर कई तरह की आशंकाएं थीं, लेकिन आज यह केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सहकारी संघवाद का एक सफल मॉडल बन चुका है।

कर्नाटक सरकार ने सूखे की तैयारी नहीं की, किसानों से कोई बैठक नहीं की: भाजपा

विश्व केसरी

मांड्या। कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शनिवार को मांड्या स्थित केआरएस जलाशय का दौरा किया। इस दौरान भाजपा ने राज्य सरकार पर सूखे की तैयारी न करने और किसानों से कोई बैठक न करने का आरोप लगाया।

अपने दौरे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अशोक ने आरोप लगाया कि सरकार किसानों को वैकल्पिक फसलें उगाने की सलाह तो देती है, लेकिन खुद कोई कदम नहीं उठाती। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को किसानों के नुकसान के लिए मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए थी, और याद दिलाया कि भाजपा सरकार के दौरान इससे दोगुना मुआवजा दिया गया था।

अशोक ने मांग की कि सरकार अब प्रभावित किसानों को प्रति एकड़ 50,000 रुपए का मुआवजा दे। अशोक ने कहा कि बारिश की कमी के कारण केआरएस जलाशय में जलस्तर गिरने के बावजूद मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने प्रति एकड़ 50,000 रुपए के तत्काल मुआवजे की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने दावा किया कि डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने के एक महीने के भीतर ही राज्य के सभी जलाशय सूख गए हैं। उन्होंने बताया कि केआरएस में केवल 6 टीएमसी पानी बचा है, जिसमें 900 क्यूसेक की दर से पानी आ रहा है, लेकिन उन्होंने आशंका जताई कि इससे अधिक पानी बाहर छोड़ा जा रहा है।

अशोक ने कहा कि आवश्यकता प्रति माह 3 टीएमसी पानी की है, जिसका उपयोग पीने के पानी के लिए किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि किसानों ने 1 लाख एकड़ से अधिक भूमि पर फसलें बोई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने फसलें न उगाने का आह्वान किया है। उन्होंने आगे टिप्पणी की कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल संरक्षण की अपील की थी, तब कांग्रेस ने इसकी कड़ी आलोचना की थी, लेकिन अब वही सलाह किसानों को दे रही है। अशोक ने फटकार लगाते हुए कहा कि अगर उनमें हिम्मत होती, तो वे तमिलनाडु के किसानों से फसल न उगाने के लिए कह देते।

अधिकारियों के अनुसार, केवल 5 प्रतिशत बुवाई हुई है। अशोक ने बताया कि इस समय मुख्यमंत्री शिवकुमार को किसान नेताओं की बैठक बुलाकर फसल संबंधी चर्चा करनी चाहिए थी, लेकिन इसके बजाय वे कचरा निपटान और सुरंग सड़कों जैसी परियोजनाओं के लिए निविदाएं आमंत्रित करने में जल्दबाजी कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिहार में अपराध नियंत्रण को लेकर बड़ा कदम, 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएगी सरकार

विश्व केसरी

पटना। बिहार में अपराध से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाने की तैयारी की है। सरकार जल्द ही 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि राज्य में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण और आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे के उद्देश्य से 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सीएम सम्राट चौधरी ने अपने पोस्ट में कहा कि अपराध से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण एवं नियंत्रण के उद्देश्य से 100 फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से लंबित आपराधिक मामलों की सुनवाई में तेजी आएगी और दोषियों को समयबद्ध तरीके से सजा दिलाने में मदद मिलेगी। सरकार का मानना है ।

डबल-इंजन' सरकार के बिना राज्य को खुशहाल पंजाब' बनाना मुमकिन नहीं: ढिल्लों

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा चीफ केवल सिंह ढिल्लों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार के बिना पंजाब को 'खुशहाल पंजाब' बनाना मुमकिन नहीं है।

केवल सिंह ढिल्लों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पार्टी कार्यकर्ता न सोते हैं, न सोने देते हैं। ढिल्लों ने पंजाब में भाजपा की पहली सरकार बनने की स्थिति में पार्टी का रोडमैप बताते हुए कहा, 'हम सभी 'पंजाब मिशन' के लिए काम कर रहे हैं, जिसका मकसद हमारे उद्योगों को फिर से खड़ा करना है जो बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। खेती को मजबूत करना है और ड्रग्स की तस्करी व नशीले पदार्थों के सिंडिकेट को खत्म करना है।' उन्होंने कहा कि पार्टी अपने सबसे पुराने सहयोगी अकाली दल के साथ चुनाव से पहले या बाद में कोई गठबंधन नहीं करेगी; अकाली दल ने 1967 में जनसंघ के साथ हाथ मिलाया था।

1997 के विधानसभा चुनावों से लेकर 2019 के संसदीय चुनावों तक, अकाली दल का भाजपा के साथ चुनाव से पहले गठबंधन रहा था। 1967 से 1980 के बीच भाजपा चार बार अकाली दल के नेतृत्व वाली सरकारों के साथ चुनाव के बाद के गठबंधन का हिस्सा रही थी।

जम्मू-कश्मीर : उपराज्यपाल ने अमरनाथ यात्रा के प्रबंधन की समीक्षा की, वैध पंजीकरण के बाद ही यात्रा करने की अपील

विश्व केसरी

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमरनाथ यात्रा के समग्र प्रबंधन और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए शनिवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्?होंने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे वैध पंजीकरण प्राप्त करने के बाद ही यात्रा शुरू करें।

उपराज्यपाल ने यात्रा के सुचारू और सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तीर्थयात्रियों की आवाजाही, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, आवास, पंजीकरण स्थिति और अन्य तार्किक पहलुओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान यह बताया गया कि असामान्य रूप से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री वैध पंजीकरण के बिना आ रहे हैं, जिससे तीर्थयात्रियों को यात्रा करने के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। उपराज्यपाल ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में, यात्रा ट्रैक पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही की निर्धारित सीमा के अनुसार यात्रा का संचालन किया जा रहा है। इसलिए, सभी तीर्थयात्रियों की सुरक्षा, सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पंजीकरण अनुसूची का पालन अनिवार्य है। यह दोहराया गया कि केवल निर्दिष्ट तिथि के लिए वैध पंजीकरण रखने वाले तीर्थयात्रियों को पवित्र गुफा मंदिर की ओर जाने वाले ट्रैक पर आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। उपराज्यपाल ने इच्छुक अपंजीकृत तीर्थयात्रियों से जम्मू कश्मीर पहुंचने पर किसी भी असुविधा से बचने के लिए अगले कुछ दिनों के लिए अपनी यात्रा स्थगित करने की अपील की।

प्रशासन ने सभी इच्छुक तीर्थयात्रियों को जम्मू कश्मीर की यात्रा शुरू करने से पहले अनिवार्य पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने और आवंटित तिथि के लिए वैध यात्रा पंजीकरण परमिट प्राप्त करने के लिए कहा है।

सीबीआई का 231 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी पर बड़ा एक्शन, महाराष्ट्र-गुजरात में कई ठिकानों पर छापेमारी

विश्व केसरी

मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को बेंगलुरु में दर्ज दो बैंक धोखाधड़ी मामलों के संबंध में महाराष्ट्र और गुजरात में कई जगहों पर समन्वित तलाशी अभियान चलाया।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक, मुंबई की शिकायत के आधार पर आर एल ज्वेल्स लिमिटेड, इसके निदेशकों और अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ एक दर्ज मामले के आधार पर की, जिसमें आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, संपत्ति का दुरुपयोग और जालसाजी का आरोप लगाया गया था, जिससे भारतीय स्टेट बैंक को 103.58 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

एफआईआर में यह आरोप लगाया गया है कि आरोपी धन के दुरुपयोग और आपराधिक विश्वासघात, अन्य बैंकों के चालू खातों के माध्यम से धन की हेराफेरी, पुस्तकों/इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड में बदलाव और हेराफेरी में शामिल थे। दूसरा मामला आशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड, उसके निदेशकों और अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों के खिलाफ केनरा बैंक की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड और उसके निदेशक केनरा बैंक के नेतृत्व वाले बैंकों के एक संघ को धोखा देने की आपराधिक साजिश में शामिल थे, जिससे 128.23 करोड़ रुपए का भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

आरोपियों ने अपने कपड़ा व्यापार परिचालन के लिए बैंक क्रेडिट सुविधाओं को गैर-उद्योग लेनदेन में बदल दिया और स्टील, एल्यूमीनियम और कोयले में काम करने वाली संस्थाओं के साथ उच्च मूल्य के व्यापार में संलग्न कर दिया।

इसी को लेकर शनिवार को महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों में कई स्थानों पर तलाशी ली गई। कवर किए गए परिसर में आरोपी कंपनी के निदेशकों से जुड़ी आवासीय संपत्तियां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान और आरएल ज्वेल्स लिमिटेड और आशापुरा गारमेंट्स लिमिटेड के कार्यालय परिसर शामिल हैं।

दिल्ली सरकार ने फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में किया फेरबदल, 52 अधिकारियों का तबादला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शनिवार को अपने फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया, जिसका मकसद शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को मजबूत करना था।

ट्रांसफर और पोस्टिंग पॉलिसी के तहत 52 अधिकारियों का तुरंत प्रभाव से तबादला कर दिया गया, जो एक ही पोस्टिंग पर पांच साल या उससे अधिक समय से काम कर रहे थे। इन तबादलों में 23 डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स और 29 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर शामिल हैं। इसके अलावा, 19 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर को डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स के पद पर प्रमोट किया गया है।

दिल्ली सरकार ने कहा कि यह कदम मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पारदर्शी और जवाबदेह शासन की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

इस फेरबदल का मकसद प्रशासनिक दक्षता में सुधार करना, वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना और दिल्ली में फाइनेंस और अकाउंट्स डिपार्टमेंट के कामकाज में अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रियता लाना है।

नई व्यवस्था के तहत प्रमोट किए गए 19 सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स के तौर पर बढ़ी हुई जिम्मेदारियां संभालेंगे।

दिल्ली सरकार के अनुसार, ये तबादले और पोस्टिंग पूरी तरह से प्रशासनिक जरूरतों के आधार पर किए गए हैं ।

ग्रेटर नोएडा में ड्रग्स तस्करी का बड़ा खुलासा, विदेशी मास्टरमाइंड समेत तीन गिरफ्तार

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा । गौतमबुद्धनगर पुलिस ने ड्रग्स तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बीटा-2 पुलिस और एसओजी (ग्रेटर नोएडा) की संयुक्त टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को सेक्टर चाई-4 स्थित जनता फ्लैट सर्विस रोड से गिरफ्तार किया।

पुलिस ने उनके कब्जे से 143 ग्राम एमडीएमए (एमडीएमए) ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपए बताई जा रही है, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू, एक स्कूटी और 17,500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरुण कसाना निवासी गाजियाबाद, अतुल सिंह निवासी सम्पूर्णम सोसाइटी, ग्रेटर नोएडा तथा नाइजीरियाई नागरिक चिडुबेम स्टेनली के रूप में हुई है। विदेशी आरोपी वर्तमान में दिल्ली के उत्तम नगर में रह रहा था, जबकि उसका स्थायी पता लागोस, नाइजीरिया का है।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से संगठित तरीके से ड्रग्स तस्करी में लिप्त थे। गिरोह सस्ते दामों पर एमडीएमए खरीदकर उसे छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक करता था और फिर दिल्ली-एनसीआर, नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सोसाइटियों में ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था।

2035 तक उत्तराखंड को 'विकसित राज्य' बनाकर रहेंगे : सीएम पुष्कर धामी

विश्व केसरी

ऋषिकेश (उत्तराखंड)। ऋषिकेश में सेवा, सुशासन और समर्पण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का नाम 'हर घर में, हर व्यक्ति के लिए जन सरकार' रखा गया था।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित एक वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न मुद्दों पर सरकार की उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। इसी कारण कई ऐसे कार्य संभव हो सके हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। उन्होंने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से राज्य लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि 219 करोड़ रुपये की लागत वाली 241 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। उनका कहना था कि ये सभी परियोजनाएं आने वाले समय में उत्तराखंड के विकास को और गति देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले पांच वर्षों में बिना रुके लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कभी दिन और महीने नहीं गिने। उन्होंने कहा कि मैं कई बार किसी अधिकारी को फोन कर यह पूछता था कि वह कार्यालय में है या नहीं, लेकिन काम में व्यस्त रहने के कारण रविवार और अवकाश का भी ध्यान नहीं रहता था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालते समय उनके मन में केवल एक ही लक्ष्य था कि प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक कैसे पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद उनके लिए सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। सरकार का उद्देश्य केवल अपना कार्यकाल पूरा करना नहीं, बल्कि उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2035 तक उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार काम कर रही है। साथ ही, सभी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

संविधान समानता पर जोर देता है, लेकिन इसकी वास्तविक स्थिति का आकलन जरूरी: जी. परमेश्वर

विश्व केसरी

तुमकुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना समानता पर जोर देती है, लेकिन इस बात का गंभीरता से आकलन करने की जरूरत है कि समाज और कानूनी व्यवस्था में समानता किस हद तक हासिल की गई है।

वे तुमकुरु के शेट्टिहल्ली में एक लॉ कॉलेज में ग्रेजुएशन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

आजादी के बाद से भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश की साक्षरता दर आजादी के समय लगभग 12 प्रतिशत से बढ़कर आज लगभग 80 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने लॉ ग्रेजुएट से आग्रह किया कि वे अपने पेशे को सिर्फ एक करियर के तौर पर न देखें, बल्कि कानून के शासन को बनाए रखने और न्याय दिलाने की जिम्मेदारी के तौर पर देखें।

संविधान के महत्व पर जोर देते हुए परमेश्वर ने कहा कि डॉ. बीआर अंबेडकर ने भारत को एक मजबूत संवैधानिक ढांचा दिया है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है।

उन्होंने कहा, 'अगर संविधान कमजोर होता है तो लोकतंत्र भी कमजोर हो जाएगा। संविधान में निहित मूल्यों की रक्षा करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।'

उन्होंने आगे कहा कि संविधान का अनुच्छेद 51ए नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को रेखांकित करता है, जबकि अनुच्छेद 12 से 35 मौलिक अधिकारों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र तभी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है जब नागरिक अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों दोनों को स्पष्ट रूप से समझें।

नोटिस से बढ़ी हलचल, एनआरडीए ने जारी किया स्पष्टीकरण

विश्व केसरी■ संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ग्राम नकटी में शासन की कारवाई के बाद सियासी घमाशान के बीच ग्राम तुता के निवासियों को नोटिस दे दी गई थी किन्तु अब इसमें नया मोड़ ले लिया है और शासन बैकफुट पर नजर आ रहा है वही एनआरडीए ने अपने स्थिति को स्पष्ट करते हुए स्पष्टीकरण जारी कर दिया है। जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि बुलडोजर की कारवाई नही की जाएगी।

नकटी गांव के बाद अब एनआरडीए की कार्रवाई नवा रायपुर में तूता गांव के सतनामी पारा तक पहुंच गई है। बीते 2 जुलाई को एनआरडीए ने यहां के 35 घरों पर नोटिस चस्पा कर 6 जुलाई तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस के बाद पूरे मोहल्ले में भय और असमंजस का माहौल है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिन परिवारों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिला, जिनके घरों में बिजली के वैध कनेक्शन हैं, जो नियमित रूप से कर (टैक्स) जमा करते हैं और वर्षों से मतदान कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं, उन्हीं परिवारों को अब अपने घरों पर नोटिस मिलने से बेघर होने की आशंका सता रही है।

तूता के सतनामी पारा में रहने वाले अधिकांश परिवारों का कहना है कि वे कई पीढ़ियों से यहां निवास कर रहे हैं।

समय के साथ उनके मकान पक्के हुए, शासन की योजनाओं के तहत कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला। घरों में बिजली विभाग ने नियमित मीटर लगाए, संपत्ति कर और अन्य स्थानीय करों का भुगतान किया जाता रहा,

तुता में नही चलेगा बुलडोजर - एनआरडीए

ग्राम तुता में अतिक्रमण हटाने को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही खबरों के बीच नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) ने स्थिति स्पष्ट की है। प्राधिकरण के अनुसार प्राप्त शिकायतों के निराकरण के तहत विधिवत निरीक्षण कर नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। एनआरडीए ने बताया कि ग्रामवासियों और समाज प्रमुखों से चर्चा में सहमति बनी है कि सभी पक्षों की बैठक आयोजित कर आम सहमति के आधार पर समाधान तलाशा जाएगा। इसके बाद प्राधिकरण के अधिकारियों से चर्चा कर लोकहित में उचित निर्णय लिया जाएगा। एनआरडीए ने स्पष्ट किया कि सभी कार्रवाई नियमों के अनुरूप और पूरी संवेदनशीलता के साथ की जाएगी।

राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, आधार और अन्य सरकारी दस्तावेज भी इसी पते पर बने हैं। ऐसे में अचानक घरों पर नोटिस चस्पा होने से लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

गाँव की बुजुर्ग महिला निर्मला कोशले ने कहा कि सरकार ने हमें प्रधानमंत्री आवास दिया, बिजली का मीटर लगाया, हर चुनाव में हम यहीं से वोट डालते हैं।

अगर हमारा यहां रहने का अधिकार नहीं था तो फिर ये सारी सुविधाएं कैसे दी गईं? अब अचानक नोटिस लगने से पूरा परिवार डरा हुआ है।

गाँव के ही रेशम लाल कोशले ने कहा, हम टैक्स भी भरते हैं, बिजली का बिल भी जमा करते हैं और हर सरकारी प्रक्रिया में हमारा यही पता दर्ज है। अब अचानक कहा जा रहा है कि जवाब दो। इससे पूरे मोहल्ले में डर का माहौल है। प्रशासन को पहले हमारी बात सुननी चाहिए।

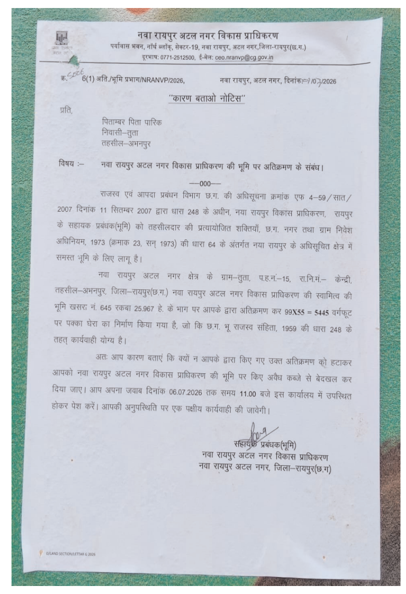

एक बुजुर्ग ने भावुक होकर कहा कि हमारे पिता और दादा भी यहीं रहे। हमने पूरी जिंदगी यहीं गुजार दी। सरकार ने योजनाओं का लाभ भी यहीं दिया। अब बुढ़ापे में घर पर नोटिस देखकर समझ नहीं आ रहा कि आखिर हमारी गलती क्या है। नोटिस मिलने के बाद गांव में सामान्य जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। लोग अपने रोजमर्रा के काम छोड़कर पुराने दस्तावेज, जमीन से जुड़े रिकॉर्ड और सरकारी कागजात जुटाने में लगे हैं। महिलाओं में भविष्य की चिंता है, बुजुर्ग अपने जीवनभर की कमाई से बने आशियाने को लेकर परेशान हैं और बच्चों के सामने भी अनिश्चितता का माहौल है।

नकटी के ग्रामीणों को उसी गांव में पुनर्वास करे सरकार – आम आदमी पार्टी

रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा अंतर्गत नकटी-सम्मानपुर में हुई बुलडोजर कार्रवाई पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सूरज उपाध्याय, प्रदेश प्रवक्ता जयदीप खनूजा, प्रदेश अध्यक्ष कर्मचारी विंग विजय कुमार झा, प्रदेश मीडिया प्रभारी मिहिर कुर्मी, रायपुर लोकसभा अध्यक्ष अज़ीम खान और प्रदेश सचिव आर टी आई विंग संजय गुप्ता आदि नेताओं ने बताया कि जब 29 जून 2026 को जब आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधि मंडल नकटी गांव ग्रामीणों से मिलने पहुंचा, तो वहां गरीबों के घरों का ढहाया गया मलबा देख कर हतप्रभ रह गया। आप नेताओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ के इतिहास की सबसे अमानवीय और मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाओं में से एक बताते हुए कहा कि बुलडोजर ने केवल गरीबों के मकान ही नहीं, बल्कि उनके सपनों, सम्मान और जीवन की उम्मीदों को भी मलबे में बदल दिया। कार्यवाही में लगभग 35 एकड़ जमीन पर बने 85 घरों को ध्वस्त किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि जिन लोगों के पास नोटिस नहीं आया ऐसे भी कुछ लोगों का घर उजाड़ दिया गया?

29 जून तड़के लगभग 4 बजे भारी पुलिस बल की मौजूदगी में गरीब एवं मजदूर परिवारों के मकानों को ध्वस्त कर दिया गया, जिससे महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए।

उनका कहना है कि किसी गरीब का घर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं होता, बल्कि उसकी वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीदें और बच्चों के भविष्य का आधार होता है।

नकटी गाँव का सच उन लोगों के लिए जिन्हें ये या तो दिख नहीं रहा है या फिर वे जन बूझकर उसे देखना ही नहीं चाहते।सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले के बाद खुद छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार ने सभी कमिश्नर और कलेक्टर्स को उस फैसले का संदर्भ देते हुए ये आदेश जारी किया गया था।

अब सवाल ये उठता है कि जब पहले ऐसी सार्वजनिक उपयोग हेतु सुरक्षित जमीन को किसी अन्य प्रयोजन के आबंटन के लिए प्रस्तावित नहीं किया जाएगा,तो फिर अब ऐसी क्या जरूरत आन पड़ी है।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा रायपुर मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान

रायपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा रायपुर स्थित मेडिकल कॉलेज मेकाहारा के वरिष्ठ चिकित्सकों का सम्मान किया गया। यह सम्मान समारोह रायपुर मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. विवेक चौधरी, डायरेक्टर ऑफ मेडिकल एजुकेशन डॉ. यू.एस. पैकरा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. संतोष सोनकर तथा हड्डी रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रविकांत दास का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. देवेन्द्र कश्यप ने कहा, 'डॉक्टर समाज का वह सशक्त स्तंभ हैं, जो निस्वार्थ भाव से मानव जीवन की रक्षा के लिए दिन-रात समर्पित रहते हैं। विशेषकर संकट की घड़ी में उनकी भूमिका किसी देवदूत से कम नहीं होती। ऐसे कर्मयोगी चिकित्सकों का सम्मान करना पूरे समाज के लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

कार्यक्रम में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. देवेन्द्र कश्यप, प्रदेश सह-संयोजक डॉ. सिद्धांत गोस्वामी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशुतोष द्विवेदी, प्रदेश कार्यालय प्रभारी डॉ. यशपाल बावरिया, जिला सह-संयोजक डॉ. कृष्णा दास मानिकपुरी, चिकित्सा प्रकोष्ठ कार्यकारिणी सदस्य अभिषेक शर्मा, अमित पांडेय, निखिल शुक्ला सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश मीडिया प्रभारी आशुतोष द्विवेदी द्वारा दी।

सोलर पैनल लगाते वक्त करंट की चपेट में आए दो मजदूर, मौत

विश्व केसरी■

रायपुर। राजधानी के प्रोफेसर कॉलोनी में शनिवार को सोलर पैनल लगाने के दौरान हुए इस दर्दनाक हादसे में दो मजदूरों की मौके पर ही जान चली गई। हाईटेंशन बिजली की चपेट में आने से ये हादसा हुआ। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग दौड़कर छत पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

कैसे हुआ ये हादसा?

प्रोफेसर कॉलोनी में एक मकान की छत पर सोलर पैनल लगाने का काम चल रहा था। तीन मजदूर वहां काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि पैनल को ऊपर ले जाते समय या उसे फिट करते वक्त वह पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के टच में आ गया।

करंट इतना जोरदार था कि दो मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। प्रमोद चंद्राकर (25) और आशीष चंद्राकर (19) की मौके पर ही मौत हो गई। गनीमत रही कि तीसरा मजदूर बाल-बाल बच गया, वरना यह हादसा और भी बड़ा हो सकता था। सूचना मिलते ही पुरानी बस्ती थाना पुलिस की टीम फौरन मौके पर पहुंची।

छात्रावास की छत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त, विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल की आवश्यक कार्रवाई

विश्व केसरी■

रायपुर। विगत 02 जुलाई 2026 की रात्रि लगभग 11:30 बजे लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के शिवम् छात्रावास के एक कक्ष की छत का एक हिस्सा अचानक क्षतिग्रस्त होकर गिर गया। इस घटना में छात्र नीरज कुमार के सिर पर हल्की चोट आई।

घटना की सूचना मिलते ही छात्रावास के विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायल छात्र को छात्रावास के समीप स्थित लक्ष्मीकांत अस्पताल में भर्ती कराया। विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमोले ने स्वयं छात्र के उपचार एवं आवश्यक चिकित्सकीय जांचों की सतत निगरानी एवं समन्वय किया। चिकित्सकों के अनुसार छात्र की सभी जांचें सामान्य हैं तथा वह पूर्णतः स्वस्थ एवं सुरक्षित है।

एहतियातन छात्र नीरज कुमार एवं उसके कक्ष में रहने वाले अन्य विद्यार्थियों को छात्रावास के सुरक्षित कमरों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

घटना को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल ने तत्काल कुलसचिव, अधिष्ठाता, प्रभारी (निर्माण एवं अनुरक्षण) तथा छात्रावास अधीक्षकों की आपात बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कुलपति ने विद्यार्थियों के उपचार एवं चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं के लिए तत्काल बजट स्वीकृत किया।

कुलपति ने प्रभारी (निर्माण एवं अनुरक्षण) को शिवम् छात्रावास सहित अन्य भवनों की तत्काल मरम्मत एवं संरचनात्मक सुरक्षा परीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही कुलसचिव को निर्देशित किया है कि जिन कमरों में मरम्मत कार्य किया जाना है, वहां निवासरत विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय अतिथि गृह अथवा अन्य सुरक्षित स्थानों पर वैकल्पिक आवास की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई एवं दैनिक गतिविधियां प्रभावित न हों।

घटना के पश्चात कुलपति ने विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों के साथ सत्यम छात्रावास का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

विश्वविद्यालय प्रशासन के निर्देशानुसार सभी छात्रावास अधीक्षक नियमित रूप से छात्रावासों का निरीक्षण कर रहे हैं तथा भवनों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं विद्यार्थियों की आवश्यक सुविधाओं की सतत निगरानी की जा रही है। वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी छात्रावासों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सत्यम छात्रावास विश्वविद्यालय के सर्वाधिक पुराने छात्रावासों में से एक है, जिसका निर्माण वर्ष 1960 के दशक में किया गया था। विश्वविद्यालय प्रशासन समय-समय पर भवनों के रखरखाव एवं मरम्मत का कार्य कराता रहा है।

नकटी में हुई कार्रवाई क्रूर- देवजी भाई पटेल

सीएम साय को लिखा पत्र

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसींवा विधानसभा क्षेत्र के नकटी गांव में हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर अब भाजपा के अंदर से ही बगावती सुर उठने लगे हैं। धरसींवा से तीन बार के पूर्व विधायक और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवजी भाई पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक पत्र लिखकर प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं और इसे 'अमानवीय' करार दिया है। बता दें कि नवा रायपुर के पास नकटी गांव में हाल ही में प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ मिलकर कई घरों को जमींदोज कर दिया था। इस कार्रवाई से करीब 80 परिवार बेघर हो गए हैं। इस बड़ी कार्रवाई के खिलाफ अब भाजपा के कद्दावर नेता देवजी भाई पटेल मैदान में उतर आए हैं।

मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वालों पर सरकार की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी■

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार आम नागरिकों को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और जवाबदेह स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है। इसी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए गोरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में गंभीर चिकित्सीय लापरवाही के आरोपों की जांच के बाद जिला प्रशासन ने डी.डी. अस्पताल, सेमरा के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए उसके ऑपरेशन थियेटर एवं आईसीयू वार्ड को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है। साथ ही अस्पताल का पंजीयन (लाइसेंस) अस्थायी एवं सशर्त रूप से निरस्त कर दिया गया है।

कलेक्टर एवं पर्यवेक्षी प्राधिकारी डॉ. संतोष कुमार देवांगन द्वारा नर्सिंग होम एक्ट तथा छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह एवं रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम, 2020 के प्रावधानों के तहत यह कार्रवाई की गई है। राज्य सरकार की स्पष्ट नीति है कि मरीजों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह कार्रवाई 22 जून 2026 को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल से सिम्स बिलासपुर रेफर की गई प्रसूता ज्योति सोनवानी के उपचार से जुड़े मामले की जांच के बाद की गई।

वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद प्रधान आयकर विभाग के विशेष लोक अभियोजक नियुक्त

विश्व केसरी■

रायपुर (संजय कुमार देवांगन) भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन प्रत्यक्ष करों के केंद्रीय बोर्ड द्वारा रायपुर क्षेत्र के सेशन न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में आयकर विभाग की ओर से अभियोजन प्रकरणों के संचालन हेतु वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद प्रधान को मुख्य पैनल में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है।

इसी आदेश के अंतर्गत राजेंद्र जैन को भी मुख्य पैनल तथा शशिकांत अग्रवाल को एक्सटेंडेड पैनल में विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है।

विशेष लोक अभियोजक के रूप में विनोद प्रधान रायपुर क्षेत्र के सेशन न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों के समक्ष आयकर विभाग की ओर से अभियोजन प्रकरणों में प्रभावी पैरवी करेंगे। उनकी नियुक्ति को उनके दीर्घ विधिक अनुभव, कराधान संबंधी मामलों में विशेषज्ञता तथा न्यायिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान का सम्मान माना जा रहा है।

विधि जगत के अनेक अधिवक्ताओं एवं शुभचिंतकों ने श्री विनोद प्रधान को इस महत्वपूर्ण दायित्व के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मंत्रियों का दो दिवसीय चिंतन शिविर शुरू, सुशासन और पारदर्शी प्रशासन पर होगा मंथन

विश्व केसरी■

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन एवं अभिसरण विभाग तथा आईआईएम रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंत्रिपरिषद के सदस्यों के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है। यह चिंतन शिविर लगातार तीसरे वर्ष आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सुशासन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी तथा जनोन्मुख बनाना है।

शिविर में देशभर के प्रख्यात शिक्षाविद, प्रशासनिक विशेषज्ञ एवं विभिन्न क्षेत्रों के विद्वान मंत्रियों को संबोधित करेंगे। वे सुशासन, गुड गवर्नेंस, पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन व्यवस्था, नीति निर्माण, प्रभावी प्रशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार एवं अनुभव साझा करेंगे।

राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे चिंतन शिविर नीति निर्माण और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पिछले दो वर्षों में आयोजित चिंतन शिविरों से प्राप्त सुझावों और अनुभवों का लाभ प्रदेश के प्रशासनिक कार्यों एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में देखने को मिला है।

जनसंचार शिक्षा व शोध में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना

विश्व केसरी■

रायपुर। जनसंचार शिक्षा व शोध के क्षेत्र में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में होगी। कुलपति प्रोफेसर मनोज दयाल ने इसकी विस्तृत कार्य योजना पर अमल करने गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार का विशेष दौरा किया।

कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने गुजविप्रौवि के कुलपति प्रोफेसर नरसी राम बिश्नोई से हिसार में एक महत्वपूर्ण बैठक कर उच्च शिक्षा, जनसंचार और शोध को नई दिशा देने के लिए, जनसंचार विभाग में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर सहमति बनी है। कटीय, रायपुर (छत्तीसगढ़) और गुजविप्रौवि, हिसार (हरियाणा) के दोनों अग्रणी विश्वविद्यालयों के मध्य अकादमिक सहयोग और शैक्षणिक उन्नयन पर विस्तृत मंथन किया गया।

जनसंचार में नया रोडमैप हेतु प्रो. दयाल ने समग्र विकास पर गहन चर्चा की। इसमें अकादमिक, रिसर्च और रणनीतिक बिंदुओं पर सहमति बनी। जनसंचार के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की स्थापना पर जोर दिया गया। वैश्विक परिदृश्य और शिक्षण की अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विभाग का उन्नयन होगा।

कांग्रेस को गरीबों की नहीं, अपने करीबियों की चिंता है : डॉ. नवीन मार्कण्डेय

विश्व केसरी■

रायपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रेसवार्ता ली। उन्होंने कहा कि नकटी ग्राम में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर कांग्रेस अब निम्न स्तरीय राजनीति कर रही है। कांग्रेस नकटी ग्राम के भोले-भाले लोगों को गुमराह करके बरगला रही है और उन्हें गलत दिशा में ले जाकर आंदोलन कर रही है। डॉ. मार्कण्डेय ने कहा कि यह सारा कृत्य कांग्रेस का किया-धरा है, लेकिन अब कांग्रेस अपनी उस करतूत को भूल नया पाखंड रचने में लगी है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. मार्कण्डेय ने आरोप लगाया कि आज नकटी का जो प्रकरण चल रहा है, उसकी स्क्रिप्ट बहुत पहले सन् 2020 में पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के शासनकाल में लिखी गई थी। उस समय हाउसिंग बोर्ड के जरिए वहां आवासीय कॉलोनी तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हुई। हाउसिंग बोर्ड द्वारा जमीन मांगे जाने पर। पटवारी, आरआई व तहसीलदार ने चिह्नांकित कर सारी विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी कर शासन को सौंपी गई। इसी दरम्यान 2022 में वहां आवासीय कॉलोनी बनने की जानकारी मिलते ही 2022–23 में वहां कब्जाधारियों की बाढ़ आ गई। पहले वहां लगभग 3 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा था, फिर धीरे-धीरे वहां कच्चे मकान चिन्हांकित हुए।

साहित्य केसरी

विश्व केसरी

कहानी

मौन स्वीकृति

राजेन्द्र कुमार सिंह

आज एक अरसे के बाद रामनरायण पासवान की आठ वर्षीय बिटिया रागिनी अपनी पसंद का ढंग का स्वादिष्ट खाना खाकर आराम फरमा रही थी।वह काफी खुश लग रही थी,क्योंकि आज उसे ऐसा खाना तकरीबन दो साल बाद नसीब हुआ था।

कारण यह था कि रामनारायण की पत्नी एक साधारण बीमारी में डॉक्टरों की लापरवाही के कारण इस दुनिया से असमय कूच कर गई थी।यदि बीमारी भयानक होती तो सब्र किया जा सकता था,लेकिन तीन-चार दिन के बुखार में ही उसका चले जाना.... यह बात जिसने भी सुनी,उसने इस घोर अव्यवस्था की भर्त्सना ही की।हालांकि सबने कहकर याअपना भड़ास निकालकर किनारा कर लिया,लेकिन इस लापरवाही की भूल ने रामनरायण की जिंदगी में ऐसा अंधेरा घेरा कि उसके परिवार को हाशिये पर ला खड़ा किया।

परिवार में रागिनी और रामनरायण के सिवा कोई नहीं था। उसका अपना भाई रामपुकार का परिवार तो था,लेकिन रामनरायण के लिए वह बेकार ही सिद्ध होता रहा।हमेशा से रागिनी को भी चाचा-चाची औरअपने हमउम्र,मात्र छह महीने छोटी प्रियंका से कोई लगाव रखने से रोका गया था।उसे भी एक सीमित दायरे में बांधकर रखा जाता था।

गांव में जतन,रतन और महेन्द्र—यानी तीन भाइयों का संयुक्त परिवार था।जटल पासी भीअपने बाहर कमाने गए दोनों भाइयों के साथ मिल-जुलकर रहने वाला परिवार था।सबका काम बेगारी-मजदूरी ही था,लेकिन वे ईमानदारी से काम करके सब कुछ एक जगह इकट्ठा रखते थे।परिणाम यह हुआ कि इसी एकता के बल पर वे हर साल एक-दो बीघा जमीन खरीद लेते थे।

अलगू बारी के पांचों बेटे भी एक साथ रहते थे।ऐसे अनेकों उदाहरण थे,जिनसे संयुक्त परिवार के कारण गांव का वातावरण गुलजार रहता था और आपसी प्रेमभाव भी बहुत उम्दा स्तर का था। हालांकि बहुओं में से एक-दो ने नाज़-नखरा दिखाकर अलग रहने की कोशिश की,लेकिन समय रहते उसका उपचार हो गया और अलगाव की बीमारी ऐसे भागी कि फिर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया।

इसी संयुक्त भावना के कारण जतन के तीनों भाइयों के सहयोग से उस साल एकमुश्त तीन एकड़ जमीन की रजिस्ट्री हुई।फिर देखा-देखी किसी ने अलग होने की कोशिश नहीं की।क्योंकि इसके लिए कोई परिवार तैयार नहीं था।इसलिए जोऔरतें अलगाव की मंशा रखती थीं,वे भी भीतर ही भीतर उस भावना को दबाकर चुप हो गईं। इन्हीं कारणों से सभी जातियों से मिलकर बना यह समृद्ध गांव 'मंगरा' पूरे जिले में प्रथम स्थान से नवाजा गया।संयुक्त परिवार में रहकर गुजारा करने वाला ऐसा गांव पूरे जिले में दूसरा नहीं मिला।

उसी गांव में रामनरायण और रामपुकार-इन दो भाइयों के बीच अलगाव की नीति ने इस समृद्ध गांव के माथे पर कलंक का टीका लगा दिया।हालांकि इस तरह के धब्बे से गांव की प्रतिष्ठा पर विशेष असर नहीं पड़ा।आज भी यह गांव नंबर वन के ताज से सुशोभित है। वैसे हल्की-फुल्की घटनाएं अपवाद स्वरूप कहीं-कहीं मिल ही जाती हैं। जैसे चावल से कितना भी कंकड़ चुन लिया जाए,फिर भी कहीं न कहीं से इक्का-दुक्का दिखाई पड़ ही जाता है।

जब रामनरायण की शादी तय हुई थी,तब उसके ससुर कलेश्वर पासवान की नजर दामाद के छोटे भाई रामपुकार पर भी जा टिकी थी।क्योंकि दोनों भाइयों में मात्र डेढ़ साल का हीअंतर था और दोनों शादी योग्य हो चुके थे।इसलिए कलेश्वर पासवान ने अपने समधी नगीना जी से बात की।यह बात सबको जंच गई। फिर क्या था-एक ही लग्न में दोनों बेटों की शादी का बोझ एक ही खर्च में उतर गया। दोनों बहनों और भाइयों के इस मेल से आसपास के लोग बहुत खुश थे,किंतु यह खुशियां ज्यादा दिन टिक नहीं सकीं। नगीना पासवान अपनी जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर थे।जैसे ही बेटों की शादी का बोझ उतरा,वैसे ही उनका संबंध इस लोक से टूट गया।दोनों बेटों और बहुओं का विवाह का खुमार भी ठीक से नहीं उतरा था कि मात्र दो दिन के बुखार में ही वे परलोक सिधार गए। बाप के गुजरते ही दोनों भाइयों का आपसी लगाव और भी प्रगाढ़ हो गया।लेकिन दोनों बहनों के स्वभाव में तल्खी थी, जिसके कारण वे आपस में उलझ जाया करती थीं।

भाइयों को लगा था कि इधर दो भाई और उधर दो बहनों के आने से परिवार की एकता बनी रहेगी,लेकिन हुआ इसका उल्टा।जैसे ही बुजुर्गों की छत्रछाया हटी,दोनों बहनों के स्वभाव का असली रूप सामनेआने लगा।धीरे-धीरे बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने अपनी कूटनीति से अलगाव की नींव डाल दी पति-पत्नी के लगाव में एक-दूसरे के स्वभाव का खुलकर विरोध होने लगा।भाई-भाई के बीच लकीर खिंच गई और परिवार का जमीर खत्म हो गया। डेढ़ साल बाद दोनों घरों में नई पौध की किलकारियां भी गूंजीं, लेकिन आपसी रंजिश के कारण एक-दूसरे के आयोजनों से कोई लेना-देना नहीं रहा।

खैर,अलगाव के बावजूद दोनों भाइयों की जिंदगी अपने-अपने ढंग से आगे बढ़ रही थी।तभी बड़े भाई रामनरायण की जिंदगी में आए अकस्मात भूचाल ने उसके परिवार को तोड़कर रख दिया। रागिनी की मां के अचानक गुजर जाने से रामनरायण की जिंदगी ठहर-सी गई।भाई के परिवार से किसी सहयोग की उम्मीद भी नहीं थी।ऐसे में पड़ोस की जमुनी काकी ही थीं,जो पड़ोसी धर्म निभाते हुए समय-समय पर उसका हालचाल पूछने आ जाती थीं। वही उसके जीवन में सुकून की एक किरण बनकर आती थीं।

रामनारायण का नियमित काम पर जाना कम हो गया था।खेती के कामों से उसे फुर्सत कहां मिलती थी।बैठोर समय में वह प्लंबर का काम करता था।गांव में सरकारी अस्पताल बन रहा था,जिसमें वह भी काम करता था। लेकिन उसकी अनुपस्थिति के कारण महीने के अंत में उसकी मजदूरी दूसरों से बहुत कम हो जाती थी।उसे यह बहुतअखरता था,पर मजबूरी भी थी-घर और बेटी दोनों की जिम्मेदारी उसी पर थी। जमुनी काकी का रामनरायण के परिवार से बड़ा प्रगाढ़ स्नेह था। जब भी वह अपने सामने रामनरायण का उदास चेहरा देखतीं, तो भीतर से उनका मन अगाध ममता से भर उठता।मोहल्ले में इस समय सबसे अधिक दुखी अगर कोई था, तो वह रामनरायण ही था। काम पर जाए या बेटी को संभाले—उसका समय जैसे किसी क्रूर प्रहरी के चंगुल में फँस गया था।वह चाहकर भी किसी एक काम को पूरी तरह नहीं निभा पाता था।ऐसे में जब कभी जमुनी काकी उसका कुशल-क्षेम पूछने आ जातीं,तो उसके मन को कुछ राहत मिलती।

हालांकि यह सहारा स्थायी तो नहीं था।अपने नाती-पोतों की देखभाल से जब उन्हें थोड़ी फुर्सत मिलती,तभी वह समय निकालकर रामनरायण के घर आ पातीं और अपना स्नेहभरा हाजिरी दर्ज करा जातीं। इसी तरह नीरसता में बीतते दिनों के बीच एक दिन काकी ने अपने दूर के रिश्ते की एकअसमय विधवा हुई स्त्री सुंदरी के बारे में रामनरायण को बताया।उनका विचार था कि शायद उसके जीवन की इस बेजान और सूनी राह में फिर से कुछ हरियाली लौट आए। लेकिन रामनरायण शुरू में इस तरह की बातों में कोई रुचि नहीं दिखाता था।उसे लगता था कि अब उसके जीवन में ऐसी किसी नई शुरुआत की कोईआवश्यकता नहीं है।मगर काकी के लगातार समझाने और पास-पड़ोस के लोगों व मित्रों के मशविरों से आजिज आकर अंततः वह इस प्रस्ताव के लिए तैयार हो गया।उसने अपना मौन स्वीकृति दे दिया था।

यह खबर जब रागिनी को मिली,तो शुरुआत में उसने मौन रूप से अपनी अनिच्छा प्रकट की।अभी तक वह अपने पापा के साथ जैसे-तैसे जीवन बिता रही थी।पापा काम पर जाने से पहले खाना बनाकर टिफिन ले जाते थे और उसमें से थोड़ा सा उसके लिए भी बचाकर रख देते थे,ताकि स्कूल से लौटकर वह कुछ खा सके और फिर ट्यूशन के लिए जा सके।

रागिनी के मन में यह भी विचार आया कि अगर नई मां घर में आएंगी,तो शायद पापा को कुछ राहत मिल जाएगी और वे नियमित रूप से काम पर जा सकेंगे। सुंदरी के घर में आते ही उसने धीरे-धीरे घर का सारा काम संभाल लिया।जब वह पहली बार इस घर में आई,तो गांव की परंपरा के अनुसार समूचे गांव को भोज देना पड़ा। रामनारायण ने अपने छोटे भाई रामपुकार को भी पूरे आदर और स्नेह के साथ निमंत्रण दिया,लेकिन वह नहीं आया।मनुहार का भी उस पर कोई असर नहीं पड़ा। रामनारायण नेअपने ससुर को भी बुलाया था,लेकिन बेटियों के व्यवहार ने उन्हें आने लायक कहाँ छोड़ा था।

शुरुआत में रागिनी के मन में नई मां को लेकर बेचैनी,घबराहट और अजनबीपन था।वह भीतर ही भीतरआहत भी थी।लेकिन धीरे-धीरे उसे लगने लगा कि जैसे मां के रूप में उसे फिर से एक दूसरा सहारा मिल गया है। कुछ ही दिनों में रागिनी नई मां से घुल-मिल भी गई। अक्सर उसे अपनी सगी मां के साथ बिताए हुए क्षण याद आते थे।खासकर रात को सोते समय मां उसे लोरी सुनाती थीं,तब जाकर उसे नींद आती थी।नई मां केआने के बाद उसने फिर से वही प्रक्रिया दोहराने की कोशिश की।

एक दिन खाना खाने के बाद वह नई मां से लोरी सुनाने की जिद करने लगी।लेकिन उसकी इस मासूम जिद पर अचानक सुंदरी का चेहरा गुस्से से तमतमा उठा। उसने हाथ उठाया और एक जोरदार थप्पड़ रागिनी के गाल पर जड़ दिया, 'तड़ाक! रागिनी अपने गाल को सहलाती हुई आश्चर्य से उसे देखती रह गई। रामनारायण यह दृश्य सामने खड़ा देख रहा था,लेकिन उसके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला।शायद वह समझ नहीं पा रहा था कि इस स्थिति में क्या कहे और क्या करे। उस क्षण उसे महसूस हुआ कि उसने अपने मन की आवाज़ को दबाकर एक बहुत बड़ी भूल कर दी है। लेकिन अब क्या हो सकता था?

चिड़िया तो खेत चुग ही चुकी थी।

लिलीआर्केड,फ्लैट नं-101
मेट्रो जोन बस स्टैंड,महाजन हास्पिटल समोर
नाशिक-422009,(महाराष्ट्र) मो-8329680650
rajendrakumarsinghy@gmail.com

पुस्तक समीक्षा

उत्सुकता से परिपूर्ण उपन्यास

रुद्र मिश्रा

युवा लेखक डॉ आशुतोष चतुर्वेदी का पहला उपन्यास यक्षिणी(मैकल की अनुगूँज) कल्पनाशीलता और पुरातन लोककथाओं का ऐसा मिश्रण है,जिसमें श्रुति, स्मृति और पुराणों में वर्णित अंश भी सहज और प्रचलित शब्द शैली में पिरोए गए हैं। यह उपन्यास चार खण्डों में विभाजित है। पहले खंड में सत्रह अध्याय रखे गए हैं जिनमें मैकल पर्वत श्रेणियों में स्थित अमरकंटक के वनों में निवास करने वाले विचित्रवर्मा और दमयंती के पुत्र यजुष और एक वनपुत्र अथर्व के आरंभिक जीवन और उनकी नियति द्वारा निर्धारित घटनाओं को लेकर यह उपन्यास का आरंभ विस्तार लेता है। शिक्षण हेतु गुरुकुल, उसकी शिक्षण पद्धति बेहद सुंदर शब्द संयोजन का उदाहरण बन पड़ी है। कथा में मैकल पर्वत श्रृंखलाओं को जीवंत करती नदियों जैसे नर्मदा, सोन, जुहिला और अन्य स्थलों का प्राचीन ग्रंथों के अनुसार प्रस्तुतीकरण बेहद शानदार है। दूसरे खंड में दोनों बालकों के अध्ययन काल पश्चात अरपा नदी तट से लगी हुई कलचुरियों की राजधानी रही रतनपुर की राज व्यवस्था से जुड़ने, उनके योग्यता परीक्षण और जिम्मेदारी निभाने का क्रम नियोजित किया है।

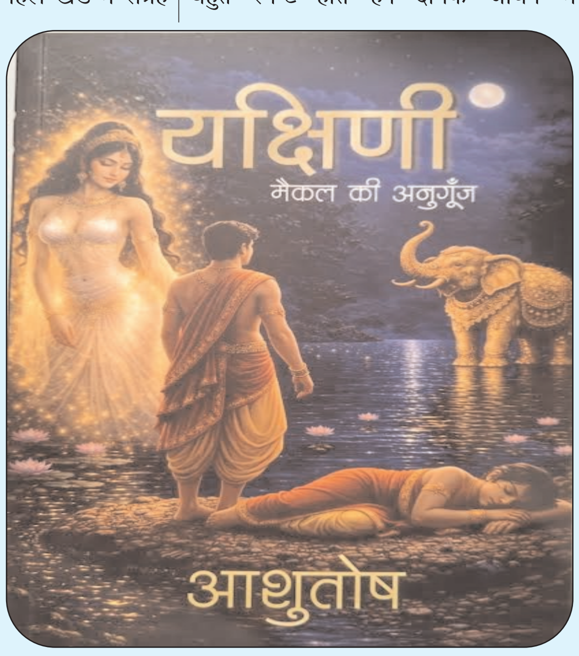

लेखक ने कल्चुरी शासन काल में उपस्थित रही परिस्थितियों को परिकल्पना के संसार में बेहद करीब से प्रदर्शित किया है। इसे चित्रित करते हुए सटीक शब्दों में संजोने का काम बेहद संजीदगी से किया गया है। तीसरे खंड में ग्यारह अध्याय लिखे गए हैं उसमें आप तत्कालीन राज्य व्यवस्था से जुड़ चुके एक साहसी और निडर राज पुरुष के दायित्वों के साथ पूरे मैकल पर्वत में बिखरे वन साम्राज्य को जीने का आनंद ले पाते हैं। यंहा लेखक ने जिस तरह से घटनाओं को वर्णित किया है वह सफ़लता पूर्वक आपको पूर्वजों से सुनी गई लोक कथाओं का सजीव प्रतिरूप प्रदान करता है। चौथे खंड में कुल अठारह अध्याय लिखे गए हैं उसमें मुख्य किरदार यजुष और उसके जीवन में नियति द्वारा निर्धारित घटनाओं को लेकर रोचक वर्णन देखने को मिलता है। पूरे कथानक के प्रत्येक पटल में चाहे वह नगर का वर्णन हो या फिर प्रभावी उपस्थिति देते वन स्थलों का, वन्य जीवन और वनपुत्र अथर्व के चित्रण में शब्द संयोजन, वाक्य विन्यास, अध्याय में रोमांच का आरोहण और स्थिरता ही इसके लयबद्ध होने को सजीव करते हैं। इस उपन्यास में एक वर्णन है कुछ संवाद, शब्दों में न होकर भी बहुत स्पष्ट होते हैं। दैनिक जीवन में समझाइश के लिए अक्सर कहे जाने वाले प्रत्येक वाक्य का अन्यान्य विस्तार इसे एक अलग और प्रभावी लेखन शैली से जोड़ता है। मुख्य पात्र के राजपुरूष के तौर पर एक नगर में आगमन का चित्रण करते समय एक पटल का पुनश्चरण, परिमार्जन की दृष्टि से अवलोकनीय है। उपन्यास में लिखित, हर पथ की एक ध्वनि होती है, स्मृतियाँ प्रतीक्षा करती हैं, रास्ते यात्रियों को ही नहीं कथाओं को भी जोड़ते हैं, ऐसे वाक्य बहुतायत में इस पूरे उपन्यास में लेखन कौशल का व्यवस्थित संयोग बनकर उभरते हैं।

यक्षिणी का संवाद और कथा की समाप्ति जिस तरह से हुई है वह एक अलग आकर्षण, रोमांच और उत्सुकता के बीज छोड़ती है, जिसे लेखक के शब्दों में कहें तो अंत कभी अंत नहीं होता है। उत्सुकता से परिपूर्ण, परिकल्पना से भरे व्यवस्थित कथानक को लेकर लिखी गई इस कृति के लिए लेखक बधाई के पात्र हैं।

उपन्यास - यक्षिणी(मैकल की अनुगूंज)
लेखक - डॉ आशुतोष चतुर्वेदी
प्रकाशक - सरस्वती बुक्स,भिलाई
क़ीमत : 349 रुपये

व्यंग्य

गूगल का खजाना

सन्तोष खन्ना

उस दिन रामचंद ने सनातन शब्द का इस्तेमाल क्या कर दिया, उसके उपर अनाप-शनाप आरोपों की बौछार शुरू हो गई. कुछ लोग शब्दों की लाठियां भांजने को भी तैयार हो गये. मानो सनातन शब्द कोई गाली हो। जैसे कोई पानी में मथानी डाल कर बैठ जाये, अब उससे मक्खन तो निकलने से रहा। ऐसे में जैसा कि होता है, कोई सनातन शब्द का राजनीति से प्रेरित अर्थ उछाल बैठे , कुछ उसे किसी दल विशेष का पक्षपाती या अंधभक्त बताने लगे. कुछ उसे फलाने दल का विरोधी करार देने लगे। कुछ उस पर साम्प्रदायिक होने का ठप्पा जड़ने लगे और उसके विरुद्ध पुलिस में जा कर उसपर एफआईआर दर्ज कराने के लिए धमकाने-चमकाने लगे।

पता नहीं क्यों रामचंद को 'सनातन' जैसे साधारण और निर्दोष शब्द के लिए उसे कुछ लोगों की आँख की किरकिरी बना दिया। रामचंद्र को सनातन शब्द का भाषीय व्याकरणिक, सामाजिक, धार्मिक, अध्यात्मिक, वैचारिक और काल गणना को अंकित करने वाले अर्थ अच्छी तरह ज्ञात थे, फिर भी इस शब्द को लेकर मची चिल्लपौं ने उसके स्वयं में आत्मविश्वास की जड़ें हिला कर रख दीं और उसने अपने ज्ञान, समझ और प्रज्ञा पर अविश्वास करते हुए गूगल मामा की शरण में जाना ही उचित समझा।

रामचंद ने गूगल मामा के द्वार को खटखटाया। द्वार खुलने पर उसने बड़े अदब से गूगल मामा के पैर छुए और उसके मन की उस संवेदनशील साइट को संबोधित करते हुए पूछा, 'गूगल मामा, गूगल मामा, जरा सनातन शब्द का अर्थ तो बताना।'

गुगल मामा ने परेशान-सा पहले अपनी पैशानी पर आया पसीना पोंछा और थोड़ा तल्ख आवाज में बोला,

'बिटिवा, शब्दकोश के स्थान पर मेरा दरवाजा क्यों खटखटा रहे हो? आज जब अहसानफरामोश हर इंसान मुझसे ही हर बात पूछने चला आता है पर यह कहता हुआ भी कदापि नहीं चूकता कि गूगल पर भरोसा मत करना, गूगल भरोसेमंद नहीं है, उसकी सूचनाएं वर्गलाती हैं, गलत जानकारी परोसती हैं।'

रामचंद समझ गया कि लगता है कि उसने गूगल मामा की किसी दुखती रग पर हाथ रख दिया है। रामचंद ने सनातन शब्द के अर्थ का ताला खोलने की गर्ज से गूगल मामा की चिरौरी करते हुए कहा, 'मामा, उन लोगों की बात छोड़ो, जो तुम्हारे लिखे को अपना कह हथिया लेते हैं और ऊपर से तुर्रा यह कि चोरी और सीनाजोरी। वह चोरी भी इतनी होशियारी से करते हैं कि उठाये गये माल पर ख़ुद यूं काबिज़ हो जाते हैं मानों वह उन्हीं का आविष्कार हो या फिर उसके कापीराइट पर उन्हीं का अधिकार हो।'

गूगल मामा अपनी महत्ता से परिचित हो कर फूल कर कुप्पा हो गए. रामचंद को प्यार से अपने पास बिठाया और उसे उस संवेदनशील साइट का यूँ दर्शन कराया, जैसे भगवान कृष्ण ने अपने प्रिय सखा को अपना विराट रूप दिखाया था। गूगल का विराट रूप देख अर्जुन की तरह ही रामचंद यूँ ही चमत्कृत और अचंभित हुए जैसे अर्जुन भगवान कृष्ण का विराट रूप देख हुआ था। उसने जेब में रखे अपने लेखन हथियार निकाला और गूगल पर दी सूचना पर टूट पड़ा। उसने नोट करना शुरु किया-'सनातन शब्द का अर्थ है 'शाश्वत', सदा रहने वाला, जिसका न आदि है न अंत अर्थात् अनादि। सनातन शब्द की उत्पत्ति भारत की प्राचीनतम शास्त्रीय भाषा संस्कृत से हुई है। सनातन शब्द दो अवयवों से मिल कर बना है सना (हमेशा) तन का अर्थ है निरंतरता। भारतीय दर्शन में सनातन शब्द को चिरंतन और अनादि के रूप में परिभाषित किया गया है।

रामचंद की चेतना का अद्भुत विस्तार होता गया। उसे भी अर्जुन की भांति भगवान कृष्ण के विराट स्वरूप-सा उसमें ब्रह्माण्ड नजर आया, उसमें चमकते चांद, सूरज और सितारे, आकाशगंगाएँ, ब्लैक होल पता नहीं क्या-क्या ग्रह-उपग्रह नज़र आये। उसी में उसने देखा, सत्य एक चमचमाते सूर्य के समान देदीप्यमान हो रहा था। इसी चेतना का विस्तार करने की जरूरत है। मैं कोई अमरीका नहीं जो होर्मुज की नाकेबंदी कर उसे सबकी पहुंच से दूर कर दूं।

रामचंद्र ने गूगल मामा का शुक्रिया किया और वहां से उठने का उपक्रम करने लगा। गूगल मामा ने भी रुखसत का फरमान जारी कर दिया।

अब रामचंद की चेतना की बांछें ऐसी खिलीं,जैसे किसी बच्चे को उसका मनपसंद खिलौना मिल गया हो, और उसके शब्द बच्चे की तरह तुतला उठे:-

सनातन सनातन सदा,
मिटा सका ना कोय।
जिसने भी सोचा बुरा,
बड़ी बुरी गत होय।।

सम्पादक, विधि भारती, नई दिल्ली
santoshkhannawz@gmail.com

दोहे

लघुकथा

संवेदना

विजया ठाकुर 'प्रभा'

अविवाहित बसंती अपने आप में मस्त थी। तुनकमिजाज ऐसी कि किसी ने कुछ कहा तो तुरंत काम छोड़ कर बैठ जाती, और नया घर काम के लिए खोज लेती। ज्यादातर लोग उसे पगली ही कहते। उस दिन रेखा की कामवाली शांति के बीमार होने के कारण बसंती आकर बोली- 'आंटी, शांति काकी के ठीक होने तक मैं आपके घर का काम कर दूंगी।'

'क्यों ?' रेखा ने पूछा ।

'उसकी तबियत ज्यादा खराब है। काम छूट जायेगा तो वह कैसे करेगी। सुख-दुख तो सबके साथ लगा है न।'

आज जब रेखा ने बसंती को उसके काम के पैसे दिए तो उसने लेने से इंकार कर दिया और कहा कि 'शांति को पूरा पैसा दे देना. अभी उसकी दवाई-पानी में खर्चा बहुत हो रहा है।'

बसंती का नया अवतार रेखा के सामने था। उसने कुछ रुपये जबरदस्ती उसके हाथ में रख दिए, यह बोलकर कि शांति को दवाई लाकर दे देना।

पड़ोसन विभा ने जब उसे जाते हुए देखा तो रेखा से कहा- 'यह पगली क्यों आई थी? यह तो पूरी पागल है।'

'तुम गलत नहीं हो विभा, आज के पाषाण युग में हम डिग्रीधारी लोगों के बीच संवेदनशील होना सच में पागलपन की निशानी हैं।'

रायपुर

हाइकु

कश्मीरी लाल चावला

1) शहर बीच
पक्षी तिनके
ढूँढे
घोंसलों लिए

2)धरत पर
सातरंगों का
जाल
सूर्य बिसाता

3)नभ के
बीच
किसान को
डराते
बाढ़ जो लाते

4)आकाश
बीच
बादल सैर करें
वर्षा करते

5)कड़वे बोल
गहरे घाव देते
सीते ना जाते

6)चेहरे रंगे
फिर होली के बीच
लगे अपने

7)पवन चली
सर्दी से ठिठुरती
दौड़ती जाती

8)काँटे बीजे हैं
बस काँटे उगेंगे
यह ना भूल

9)झोंपड़ी जली
नेता दर्द जताते
बस झूठ का

10)ऊँची चोटियां
धूप फैलती जाती
रंगों के साथ.

संपादक अदबी माला, मुकतसर
152026
9814814791

लघुकथा

संतान सप्तमी

चन्द्रकला त्रिपाठी

सुखवंती सुबह से ही नीम के पेड़ के नीचे बैठी पूजा कर रही थी. चाय के लिए भी नहीं आई. लछमी,सुरसती, मंटोरा सब सोच रही थीं कि आज क्या हो गया इसको. भोजन का समय हो गया, तो जानकी बाई ने सबको आवाज लगाई, 'आओ, सब लोग भोजन कर लो!' सभी थाली-लोटा लेकर यथास्थान बैठ गए, पर सुखवंती नहीं आई. भोजन-मंत्र शुरू हुआ, तो सुरसती से रहा न गया. वह सुखवंती को बुलाने चली गई 'आज तुझे क्या हो गया बहन? सुबह चाय के लिए भी नहीं आई, अब भोजन के लिए भी नहीं आ रही. यह वृद्धाश्रम है, कोई घर नहीं, जो तेरा खाना रख दे और मना कर खिला दे. चल, उठ! खाना खा ले.'

अब सुखवंती बोली, 'आज संतान सप्तमी है न. मेरा उपवास है. आप खा लो बहन. एक दिन नहीं खाऊँगी, तो मर नहीं जाऊँगी.'

रायपुर (छत्तीसगढ़)

सरकारी स्कूल में अश्लील हरकत करने वाले शिक्षक-शिक्षिका निलंबित

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा। जिले के एक शासकीय स्कूल में शिक्षक और शिक्षिका से जुड़े कथित आपत्तिजनक कृत्य का वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। मामले के तूल पकड़ने पर कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) द्वारा जांच कराई गई। जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर दोनों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। विभागीय कार्रवाई के साथ ही पूरे मामले की आगे जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों इंटरनेट मीडिया पर नवागढ़ ब्लाक के ग्राम बोड़सरा के स्कूल का एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें स्कूल परिसर के भीतर शिक्षक और शिक्षिका आपत्तिजनक स्थिति में दिखाई दे रहे थे। मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल जांच के निर्देश दिए। जांच के दौरान संबंधित शिक्षकों की पहचान विद्यालय के स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई।विभागीय जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियमों के उल्लंघन का मामला मानते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई।

निलंबन अवधि के दौरान संबंधित शिक्षक का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, नवागढ़ तथा शिक्षिका का मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, अकलतरा निर्धारित किया गया है। नियमानुसार दोनों को जीवन-निर्वाह भत्ते की पात्रता रहेगी। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरकारी शिक्षकों से उच्च नैतिकता, अनुशासन और आदर्श आचरण की अपेक्षा की जाती है। विद्यालय जैसे पवित्र स्थान पर इस प्रकार की घटना न केवल शिक्षा व्यवस्था की गरिमा को ठेस पहुंचाती है। बल्कि विद्यार्थियों और समाज के बीच गलत संदेश भी देती है। विभाग ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चर्च कमेटी के पादरी समेत 7 पर प्राथमिकी दर्ज ईसाई परिवार का किया था 'हुक्का-पानी बंद'

विश्व केसरी■

बिलासपुर। CNI चर्च की कमेटी द्वारा एक ईसाई परिवार का सामाजिक बहिष्कार करने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने पादरी समेत 7 लोगों के खिलाफ ख़ड़क दर्ज की है। कोटा थाना क्षेत्र में हरीश लाल और उनके परिवार को 'नॉट इन गुड स्टैंडिंग' घोषित कर समाज से अलग कर दिया गया था। अब आरोपियों पर नफरत फैलाने और धमकी देने की धाराओं में केस चलेगा।

'समाज से बहिष्कार, बातचीत पर भी रोक'

शिकायत के अनुसार इम्हू चर्च कमेटी ने हरीश लाल और उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। आरोप है कि आरोपियों ने लोगों से अपील की कि वे पीड़ित परिवार से बातचीत न करें और उनके सुख-दुख में शामिल न हों। इतना ही नहीं चर्च कमेटी ने सोशल मीडिया पर भी परिवार से संबंध रखने पर रोक का आदेश जारी किया था।

पहले पुलिस ने नहीं सुनी, फिर कोर्ट पहुंचा परिवार

पीड़ित परिवार ने पहले कोटा पुलिस से शिकायत की, लेकिन राहत नहीं मिली। इसके बाद परिवार ने न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी दीप्ति बरवा की अदालत में याचिका लगाई। मामले को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने कोटा पुलिस को ख़ड़क दर्ज करने के निर्देश दिए।

पादरी समेत 7 पर केस, जांच शुरू

कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने सौरभ पीटर्स, राजा सालोमान दास, अनिल मसीह, थियोडोर पीटर्स, सुनीलेश पीटर्स, सुलेमान दास और पास्टर मनीष आर. मसीह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। उन पर BNS की नफरत फैलाने, धमकी देने और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

पीड़ित का आरोप- '2 साल से हो रहा उत्पीड़न'

पीड़ित हरीश लाल ने बताया कि नई कमेटी बनने के बाद पिछले 2 साल से उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। 17 जनवरी को चर्च की बैठक में उन पर क्रिसमस और ईस्टर जैसे पर्वों का अपमान करने का झूठा आरोप लगाकर पूरे परिवार को समाज से बाहर कर दिया गया।

आज से अरपा बैराज का दो गेट खुलेगें, जलस्तर 50% बढ़ा

नदी किनारे बसे लोगों को अलर्ट करने मुनादी

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा) आज से अरपा भैसाझार बैराज के दो गेट 5 जुलाई को खोलने जा रहे हैं ऊपर की ओर लगातार बारिश से बैराज का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है जिसके चलते गेट खोलने जा रहा है और अरपा नदी में जलमग्न हो जाएगा यह क्रम 6 जुलाई से दिखने लगेगा उक्तशय की जानकारी श्री डी जायसवाल ई ई जलसंसाधन कोटा ने दी है। उन्होंने आगे बताया कि अभी ऊपरी बारिश के कारण बैराज का जल भराव 50%हो गया है। सुरक्षा के मद्देनजर 5 जुलाई से बैराज का दो गेट खोला जा रहा है। उन्होंने नदी किनारे रहने वाले जनता को सचेत को सचेत किया है कि वे इस दौरान ऊंचे स्थान पर चले जाए। वैसे 12गांव में मुनादी भी कराई गई है , मवेशियों को भी ग्रामीण घरों में बांध कर रखे। पानी छोड़ने से नदी जलमग्न हो जाएगा जिससे आसपास का जलस्तर भी तेजी से बढ़ेगा।

नशे में विवाद के बाद ट्रांसपोर्टर ने साथी को कैंपर से कुचल डाला

कोरबा। कोरबा के मीरा रिसोर्ट में बर्थडे पार्टी खूनी खेल में बदल गई। देर रात तक जश्न मनाने पहुंचे ट्रांसपोर्ट कारोबारियों के बीच शराब के नशे में ऐसा विवाद हुआ कि एक युवक की जान चली गई। आरोप है कि गुस्से में एक ट्रांसपोर्टर ने अपने ही साथी पर कैंपर वाहन चढ़ा दिया और मौके से फरार हो गया।

मृतक की पहचान दीपका के गरुणनगर निवासी उज्जवल सिंह (35) के रूप में हुई है। उज्जवल शादीशुदा था और उसके बच्चे भी हैं। वहीं, आरोपी तुषार ढांढा (24) की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। मामला उरगा थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात ट्रांसपोर्टर विकास कुमार हुडा के जन्मदिन की पार्टी के लिए 20 से 25 लोग मीरा रिसोर्ट पहुंचे थे। रात करीब 11:30 बजे किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हुई और माहौल बिगड़ गया।

नगर पंचायत कार्यालय में घेराव, तोड़फोड़, 7 कांग्रेस नेता गिरफ्तार

विश्व केसरी■

राजिम। कोपरा नगर पंचायत कार्यालय में हुए घेराव और तोड़फोड़ मामले का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गरमा गया है। घटना के बाद प्रशासन और पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, कल कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा नगर पंचायत कोपरा कार्यालय का घेराव किया गया था, इस दौरान कार्यालय नेम प्लेट, कंप्यूटर और परिसर में तोड़फोड़ की दरवाजों को नुकसान घटना हुई। प्रदर्शन के पहुंचाया गया। दौरान कार्यालय में लगे घटना को लेकर नगर पंचायत कोपरा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) द्वारा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इसी एफआईआर के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और पार्षदों सहित कुल 7 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार सभी आरोपियों को एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

गुप्त चैंबर वाली कार से 36 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी■

महासमुंद। पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के खिलाफ करते हुए 62 किलो से ज्यादा गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजा, कार और मोबाइल सहित 36 लाख 13 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है।

कोमाखान पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स को सूचना मिली थी कि ओडिशा के भवानीपटना से मध्यप्रदेश के इंदौर गांजा की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर ग्राम गोपनाबाहरा के पास चेकिंग के दौरान एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोका गया। तलाशी में कार में बनाए गए दो गुप्त चैंबरों से 62 किलो 160 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मध्यप्रदेश निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस पूरे तस्करी नेटवर्क और इससे जुड़े अन्य लोगों की जांच में जुटी हुई है।

जानवरों को रोकने खेत में लगा रहे थे तार, करंट की चपेट में आया पूरा परिवार, दो बेटों और मां की मौत

विश्व केसरी■

बिलासपुर। जिले के कोटा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम भाड़म में एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। खेत की घेराबंदी के दौरान करंट की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जिससे गांव में शोक की लहर फैल गई है।

जानकारी के अनुसार 3 जुलाई की सुबह दसन बाई अपने खेत में जानवरों के प्रवेश को रोकने के लिए जीआई तार और नायलॉन रस्सी से मेड़ की घेराबंदी करने अपने पुत्र सत्यव्रत सिंगरौल (14 वर्ष) और विवेक सिंगरौल (23 वर्ष) के साथ गई थीं। इसी दौरान तीनों किसी अज्ञात कारण से करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतका के पति सीताराम सिंगरौल, जो पेशे से चालक हैं, देर शाम घर लौटे तो पत्नी और दोनों बेटे घर पर नहीं मिले। काफी खोजबीन के बाद जब वे खेत पहुंचे तो वहां पत्नी और दोनों पुत्रों के शव पड़े मिले, जिसके बाद उन्होंने तत्काल कोटा थाना पुलिस को सूचना दी। देर शाम होने के कारण शवों का पोस्टमार्टम नहीं हो सका और शनिवार 4 जुलाई को पुलिस ने मर्ग कायम कर तीनों शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक जांच में घटना करंट लगने से होना सामने आया है, हालांकि करंट कैसे प्रवाहित हुआ और हादसे की वास्तविक वजह क्या रही, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की असामयिक मौत से ग्राम भाड़म में गहरा शोक व्याप्त है और ग्रामीण इसे क्षेत्र की सबसे हृदयविदारक घटनाओं में से एक बताते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त कर रहे हैं।

पेड़ों की अवैध कटाई, वन विभाग के नकली सील का उपयोग

कारवाई में सुरक्षा बल ने ट्रक और क्रेन जब्त किया

विश्व केसरी■

कवर्धा। रेंगाखार तहसील के ग्राम भीमभौरी में आम के पेड़ की अवैध कटाई और लकड़ी का बड़ा मामला सामने आया है। राजस्व, वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में 12 आम के पेड़ कटे मिले। लकड़ी को औद्योगिक उद्यम की तैयारी थी। इस दौरान अवैध परिवहन में प्रयुक्त ट्रक और क्रेन को जब्त कर लिया गया है। टीचर्स ने वन विभाग की नकली सील का भी इस्तेमाल किया था।

नकली सील लगाए गए थे वैध कागज

नायब अख्तर प्रेमनारायण साहू को सूचना मिली थी कि भीमभौरी के खसरा नंबर 108 में पेड़ काटे जा रहे हैं। मशीनरी पर स्थापना जांच की गई तो 12 बजे के पेड़ कट मिले और लकड़ी को ट्रक में लोड करने की तैयारी चल रही थी। कटे हुए लट्ठों पर वन विभाग की मुहर लगी थी। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र कुमार ने जांच में पता लगाया कि प्रतिभूति फर्जी है। फ़ार्थ ने लकड़ी को वैध दर्शन के लिए नकली सील का प्रयोग किया था।

घरेलू सामान जा रही थी लकड़ी, प्रशासन ने खरीदा

प्रारंभिक जांच में पता चला कि कटे हुए आम के लट्ठों को मध्य प्रदेश के इंदौर ले जाया गया था। समय रहते कार्रवाई कर अवैध परिवहन पर रोक लगा दी गई। मौस पर वन, राजस्व, पुलिस और अवशेषों के हिस्से में पंचनामा में ट्रक, क्रेन और लकड़ी की जब्ती कर पुलिस की व्यवस्था की गई।

अविश्वास मामले की विस्तृत जांच जारी है। अवैध वृक्ष कटाई, फर्जी सील के उपयोग और लकड़ी की फाइलों में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने कहा है कि प्राकृतिक संपदा की रक्षा और संरक्षण के लिए ऐसी कार्रवाई लगातार जारी ।

कवर्धा में चीतल के अवैध शिकार पर बड़ी कार्रवाई, रंगे हाथ पकड़े गए 7 आरोपी

विश्व केसरी■

कवर्धा । जंगलों में बेजुबान जानवरों के शिकार पर सरकार भले ही सख्ती दिखा रही हो, लेकिन कवर्धा के बोड़ला इलाके से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। भलपहरी बीट के घने जंगल में 7 शिकारी नर चीतल का शिकार कर उसे पकाने की तैयारी में थे। वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर इन सभी को रंगे हाथों दबोच लिया है।

ऐसे बिछाया था जाल

सूत्रों के मुताबिक, करीब तीन साल के नर चीतल को शिकारियों ने नायलॉन की रस्सी और स्टील के तारों से बने फंदे में फंसाया था। जानवर की मौत के बाद ये लोग जंगल में ही उसका मांस पकाने लगे। मुखबिर से मिली गुप्त सूचना के बाद वन विभाग और वन विकास निगम की टीम मौके पर पहुंची। जब तक आरोपी संभल पाते, टीम ने चारों तरफ से घेरा डाल दिया।

क्या-क्या हुआ जब्त?

मौके पर तलाशी लेने पर जो सामान मिला, वह शिकार की पूरी कहानी बयां कर रहा है। विभाग ने 500 ग्राम पका हुआ मांस, तीन कुल्हाड़ियां, फंदे और खून से सने थैले जब्त किए हैं। सभी सातों आरोपियों के खिलाफ वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें सीधे जेल भेज दिया गया है।

वन मंत्री केदार कश्यप का कहना है कि सरकार अब गश्त बढ़ा रही है। हालांकि, कवर्धा जैसे संवेदनशील इलाकों में शिकारियों का नेटवर्क अभी भी एक चुनौती बना हुआ है। सूत्रों की मानें तो स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को और ज्यादा मजबूत करने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना न हो। सरकार

फिलहाल, इस कार्रवाई के बाद से पूरे इलाके के शिकारियों में हड़कंप मचा है। पुलिस और वन विभाग की टीम अब यह भी पता लगा रही है कि क्या ये आरोपी पहले भी इस तरह की वारदातों में शामिल रहे हैं।

सहमति से बने संबंध और 6 साल बाद दुष्कर्म केस: हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई पर लगाई अंतरिम रोक

विश्व केसरी■

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित करते हुए ट्रायल कोर्ट में चल रही न्यायिक कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता सुरेश कुमार साहू (30 वर्ष) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता, जो मूलतः पामगढ़ का निवासी है और वर्तमान में सरकंडा में रहकर बैंक में कार्यरत है, ने एफआईआर और उसके आधार पर चल रही ट्रायल कोर्ट की कार्रवाई को चुनौती दी है। याचिका के अनुसार, वर्ष 2020 में इंस्टाग्राम के माध्यम से उसकी पहचान सारंगढ़ की एक युवती से हुई थी, जिसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध विकसित हुए।

याचिकाकर्ता का दावा है कि दोनों बालिग थे और आपसी सहमति से लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहे, जिसके दौरान युवती अक्सर उससे मिलने बिलासपुर आती थी। अब हाईकोर्ट ने इस मामले में राज्य शासन और शिकायतकर्ता युवती को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है, साथ ही जब तक हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, तब तक बिलासपुर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में लंबित आपराधिक प्रकरण की सभी आगे की कार्यवाहियों पर अंतरिम रोक बरकरार रहेगी।

भारत-इजरायल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू, निवेशकों को मिलेगा अधिक संरक्षण; दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को मिलेगी नई मजबूती

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत और इजरायल के बीच 8 सितंबर 2025 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से आधिकारिक रूप से लागू हो गया। इस समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और निवेशकों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी तथा भरोसेमंद निवेश माहौल तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह समझौता निवेश और निवेशकों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है, वहीं दूसरी ओर सरकारों को सार्वजनिक हित से जुड़े नीतिगत फैसले लेने के लिए पर्याप्त अधिकार और लचीलापन भी देता है।

मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित हो रहे न्यायिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

सरकार का मानना है कि इस समझौते के लागू होने से भारत और इजरायल के बीच सीमा-पार निवेश गतिविधियों में तेजी आएगी और दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी पहले से अधिक मजबूत होगी।

गौरतलब है कि 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजलेल स्मोट्रिच की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, यह समझौता निवेशकों को अधिक सुरक्षा और निश्चितता प्रदान करेगा। साथ ही, व्यापार और पारस्परिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम स्तर के निवेश संरक्षण और विवादों के समाधान के लिए स्वतंत्र मध्यस्थता की व्यवस्था भी उपलब्ध कराएगा।

समझौते में निवेश के अधिग्रहण से सुरक्षा, पारदर्शिता सुनिश्चित करने, निवेश से जुड़े धन के सुचारु हस्तांतरण और नुकसान की स्थिति में उचित मुआवजे जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल की गई हैं। इसके साथ ही, निवेशकों के हितों की रक्षा और सरकारों के नियामकीय अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि संप्रभु नीतिगत निर्णय प्रभावित न हों।

सरकार का कहना है कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है। वर्तमान में भारत और इजरायल के बीच कुल द्विपक्षीय निवेश लगभग 80 करोड़ डॉलर का है, जिसे आने वाले वर्षों में इस समझौते के जरिए और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों की कंपनियों और अर्थव्यवस्थाओं को लाभ मिलेगा।

समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि दोनों देशों के उद्योग जगत को निवेश के नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपसी कारोबारी संपर्क बढ़ाने चाहिए।

सरकार ने प्याज खरीद मूल्य में की 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी, किसानों से अब 2,125 रुपए प्रति क्विंटल पर होगी खरीद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्याज किसानों को राहत देते हुए सरकारी खरीद मूल्य में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। अब सरकार प्याज की खरीद 2,125 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करेगी, जबकि पहले यह कीमत 1,875 रुपए प्रति क्विंटल थी। नई दर शनिवार से लागू हो गई है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से प्याज किसानों को बेहतर दाम मिलेंगे और मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए खरीद को भी मजबूती मिलेगी।

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि सरकार के मूल्य स्थिरीकरण बफर के लिए एनएएफईडी और एनसीसीएफ के माध्यम से प्याज की खरीद जारी है। संशोधित खरीद मूल्य किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ बफर स्टॉक तैयार करने में भी मदद करेगा।

सरकार के अनुसार, 2025-26 के लिए प्याज का उत्पादन 307.37 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 2024-25 के 307.67 लाख मीट्रिक टन के लगभग बराबर है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दूसरे अग्रिम अनुमान के आधार पर सरकार का मानना है कि देश में प्याज की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। हालांकि, सामान्य मौसमी रुझान के अनुसार कीमतों में कुछ बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में प्याज का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और फिलहाल संग्रहीत प्याज की कोई कमी नहीं है।

देश भर की मंडियों में प्रतिदिन 50 हजार मीट्रिक टन से अधिक प्याज की आवक हो रही है, जबकि केवल महाराष्ट्र में यह आंकड़ा 30 हजार मीट्रिक टन से अधिक है, जिसमें औसत मॉडल भाव लगभग 18 रुपए प्रति किलोग्राम बना हुआ है।

सरकार का कहना है कि बेहतर गुणवत्ता वाला प्याज अभी भी भंडारण में मौजूद है और इसे मांग बढ़ने वाले समय में बाजार में उतारा जाएगा। फिलहाल देश भर में प्याज का औसत खुदरा मूल्य 31 रुपए प्रति किलोग्राम है।

सोना इस हफ्ते 6 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.3 लाख के पार

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली । डॉलर इंडेक्स पर दबाव और महंगाई कम होने की संभावना के चलते सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे सोना और चांदी क्रमश: 6 हजार रुपए और 17 हजार रुपए से अधिक महंगे हो गए हैं।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 6,471 रुपए बढ़कर 1,46,344 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,39,873 रुपए पर था।

22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,34,051 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,28,124 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,09,758 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,04,905 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 1,39,434 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

वहीं, उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 1,46,344 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है।

चांदी का दाम 17,317 रुपए बढ़कर 2,33,858 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,16,541 रुपए प्रति किलो था।

इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 3 जुलाई को शाम के सत्र में 2,33,858 रुपए प्रति किलो देखा गया।

वहीं, न्यूनतम दाम 1 जुलाई को सुबह के सत्र में 2,21,355 रुपए प्रति किलो देखा गया।

आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,170 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 62 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह कच्चे तेल में कमजोरी आने के कारण महंगाई की संभावना कम होना है। इससे साथ ही पिछले दो सत्रों डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से कीमती धातुओं में तेजी को सहारा मिला है।

एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में डिपॉजिट और लोन दोनों में दर्ज की दोहरे अंक की ग्रोथ

विश्व केसरी ■

मुंबई । देश के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में डिपॉजिट और एडवांस (लोन) दोनों में मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की है। 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए जारी बिजनेस अपडेट के अनुसार बैंक की जमा राशि और कर्ज वितरण में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई जानकारी के मुताबिक, जून 2026 के अंत तक बैंक का कुल डिपॉजिट 14.7 प्रतिशत बढ़कर 31.70 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जिसमें टर्म डिपॉजिट सालाना आधार पर 17 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 21.45 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि करंट अकाउंट और सेविंग अकाउंट (सीएएसए) डिपॉजिट साल-दर-साल लगभग 9 प्रतिशत बढ़कर 10.25 लाख करोड़ रुपए रहा। बैंक के कर्ज वितरण में भी अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली।

ग्रॉस एडवांस (कुल लोन) एक साल पहले की तुलना में 15.4 प्रतिशत बढ़कर 30.61 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

वहीं, बैंक का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) जून तिमाही के अंत तक 31.27 लाख करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 12.4 प्रतिशत अधिक है।

हालांकि, यह बिजनेस अपडेट ऐसे समय आया है जब बैंक कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े विवादों को लेकर भी चर्चा में रहा है।

इस वर्ष की शुरुआत में बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया था कि बैंक में कुछ ऐसी कार्यप्रणालियां अपनाई जा रही थीं जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिक सिद्धांतों के अनुरूप नहीं थीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में हुई बैंक की गवर्नेंस, नॉमिनेशन एंड रेम्यूनरेशन कमेटी (एनआरसी) की बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की दोबारा नियुक्ति पर भी विचार नहीं किया गया। जून में चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफे से जुड़ी कानूनी समीक्षा पर भी सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि समीक्षा में मुख्य रूप से अनुपालन संबंधी मुद्दों पर ध्यान दिया गया, जबकि उन्होंने जिन व्यापक व्यावसायिक प्रक्रियाओं पर चिंता जताई थी, उन्हें पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया।

मार्च में उनके इस्तीफे के बाद केकी मिस्त्री को अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन बनाया गया था ताकि स्थायी नियुक्ति होने तक बैंक का कामकाज सुचारु रूप से चलता रहे।

हाल ही में केंद्र सरकार के पूर्व वित्त सचिव राजीव कुमार को तीन वर्ष की अवधि के लिए एचडीएफसी बैंक का नया पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

शेयर बाजार में शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक का शेयर 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,001.50 रुपए पर बंद हुआ। पिछले छह महीनों में शेयर में करीब 4 प्रतिशत की गिरावट रही है।

कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट के चलते शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी, निफ्टी-सेंसेक्स ने दर्ज की 0.8 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त

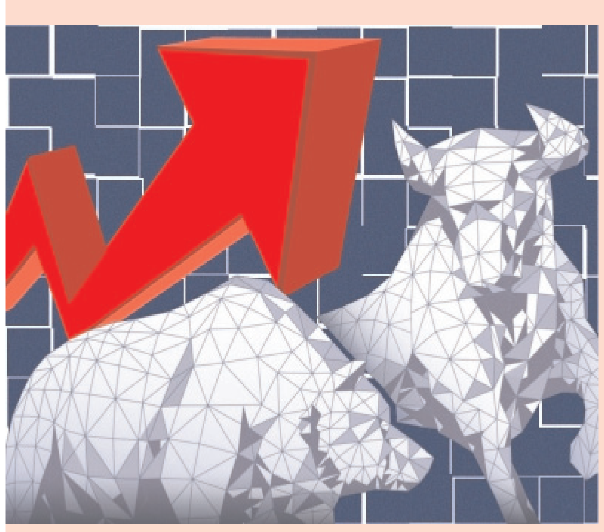

विश्व केसरी ■

मुंबई । कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में राहत मिलने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार में लगातार चौथे सप्ताह बढ़त दर्ज की गई।

सप्ताह के दौरान निफ्टी में 0.89 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यह 0.39 प्रतिशत चढ़कर 24,270 पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स शुक्रवार को 262 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,763 पर पहुंच गया। पूरे सप्ताह के दौरान सेंसेक्स में 0.86 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो रियल एस्टेट, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि पीएसयू बैंक और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर अपेक्षाकृत कमजोर रहे। वहीं, आईटी सेक्टर में भी अच्छी रिकवरी देखने को मिली। विश्लेषकों का कहना है कि शॉर्ट कवरिंग और एंटरप्राइज एआई अपनाने में भारतीय आईटी कंपनियों की बढ़ती भूमिका को लेकर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। बाजार की व्यापक तस्वीर भी सकारात्मक रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में सप्ताह के दौरान 0.64 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2.05 प्रतिशत चढ़ा, जिससे यह संकेत मिला कि निवेशकों की रुचि केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रही।

विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत इस सप्ताह सतर्कता के माहौल में हुई थी, लेकिन सप्ताह के अंत तक निवेशकों का रुख सकारात्मक हो गया। सप्ताह के शुरुआती दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बनी शांति व्यवस्था की स्थिरता को लेकर संदेह, आगामी तिमाही नतीजों से पहले मुनाफावसूली और मानसून की धीमी शुरुआत के कारण बाजार में दबाव देखने को मिला।

हालांकि, सप्ताह के अंत तक अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां बाजार के पक्ष में रहीं। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई। इसके साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन की नरम टिप्पणी और अमेरिका के कमजोर श्रम बाजार के आंकड़ों ने यह उम्मीद मजबूत की कि आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में नरमी देखने को मिल सकती है।

घरेलू स्तर पर भारत-जापान शिखर सम्मेलन को लेकर भी निवेशकों में उत्साह रहा। बाजार को उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहयोग और प्रस्तावित रुपया-येन भुगतान व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में प्रगति होगी, जिससे आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। विश्लेषकों के मुताबिक, आने वाले सप्ताह में निफ्टी के लिए 24,400 निकटतम रेजिस्टेंस रहेगा, जबकि 24,200 पहला महत्वपूर्ण सपोर्ट माना जा रहा है। इसके नीचे 24,000 मजबूत सपोर्ट का स्तर होगा। वहीं, बैंक निफ्टी के लिए 57,600 से 57,500 का दायरा प्रमुख सपोर्ट और 58,200 से 58,300 के बीच रेजिस्टेंस देखने को मिल सकता है।

टोयोटा ने वायरल वीडियो पर दी सफाई, कहा- इनोवा हाईक्रॉस में खराबी ई20 पेट्रोल से नहीं, दूषित ईंधन से हुई थी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे उस वीडियो पर शुक्रवार को सफाई दी, जिसमें दावा किया गया था कि टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से तकनीकी खराबी आ गई। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उसकी विस्तृत तकनीकी जांच में पाया गया कि वाहन में आई समस्या का कारण दूषित ईंधन था, न कि ई20 फ्यूल।

कंपनी ने बयान में कहा कि संबंधित टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस पूरी तरह ई20 ईंधन के अनुकूल वाहन है, जिसे 20 प्रतिशत इथेनॉल

मिश्रित पेट्रोल के उपयोग के लिए डिजाइन, परीक्षण और प्रमाणित किया गया है। टोयोटा के अनुसार, वाहन की विस्तृत तकनीकी जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि समस्या ईंधन में मौजूद अशुद्धियों के कारण हुई थी। निरीक्षण में वाहन के किसी भी पुर्जे या फ्यूल सिस्टम को कोई नुकसान नहीं पाया गया।

कंपनी ने बताया कि उसकी सर्विस टीम ने सबसे पहले वाहन के फ्यूल टैंक और फ्यूल लाइनों की पूरी तरह सफाई की, इसके बाद उसमें मानक ई20 पेट्रोल भरा गया। जांच के बाद वाहन पूरी तरह सामान्य स्थिति में काम करता पाया गया और उसे ग्राहक को वापस सौंप दिया गया।

कंपनी ने कहा कि यह पूरी तरह स्पष्ट है कि यह घटना ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से जुड़ी नहीं थी, बल्कि केवल गैर-मानक और दूषित ईंधन के कारण हुई थी।

टोयोटा ने ग्राहकों को सलाह दी कि वे हमेशा अधिकृत और विश्वसनीय पेट्रोल पंपों से ही ईंधन भरवाएं, ताकि ईंधन में मिलावट या अशुद्धियों से बचा जा सके। कंपनी ने यह भी कहा कि वाहन के प्रदर्शन या ईंधन की अनुकूलता से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए ग्राहक केवल आधिकारिक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्रोतों पर भरोसा करें तथा जरूरत पड़ने पर अधिकृत टोयोटा डीलरशिप या कंपनी के कस्टमर केयर से संपर्क करें।

रक्षा उत्पादन और निर्यात ने बनाया नया रिकॉर्ड, 'मेक इन इंडिया' पर दुनिया का बढ़ा भरोसा: राजनाथ सिंह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का वार्षिक रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में सर्वकालिक उच्च स्तर 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। वहीं, रक्षा निर्यात भी बढ़कर 38,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, जो वित्त वर्ष 2013-14 के 686 करोड़ रुपए के मुकाबले लगभग 57 गुना की वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया'

प्लेटफॉर्म पर दुनिया के बढ़ते भरोसे का प्रमाण है।

एक मीडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कमी से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से 'विकसित भारत' की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' की नीति के जरिए विकसित भारत की मजबूत नींव रख रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार के चौथे कार्यकाल तक दुनिया एक 'विकसित भारत' का उदय देखेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब 2014 में 'मेक इन इंडिया' अभियान शुरू किया गया था, तब कई लोगों ने इसे असफल बताया था। लेकिन समय के साथ इस पहल ने सफलता के नए मानक स्थापित किए हैं और आज भी लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा में बड़ा बदलाव आया है। पहले दुनिया भारत की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देती थी, लेकिन आज अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत की राय को गंभीरता से सुना जाता है।

राजनाथ सिंह ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2021 में इसकी शुरुआत के समय भी कई लोगों ने संदेह जताया था।

हृदयम से चोटीवाला तक...ये ऋषिकेश के बिना प्याज-लहसुन वाले रेस्टोरेंट, इनके स्वाद का जवाब नहीं

ऋषिकेश सिर्फ योग और अध्यात्म के लिए ही नहीं, बल्कि अपने सात्विक भोजन के लिए भी दुनियाभर में मशहूर है. यहां कई ऐसे रेस्टोरेंट हैं जहां बिना प्याज-लहसुन का शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसा जाता है. इन जगहों पर स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य और परंपरा का भी खास ध्यान रखा जाता है. हृदयम रेस्टोरेंट शांत माहौल और हेल्दी सात्विक भोजन के लिए जाना जाता है. यहां एक व्यक्ति का औसत खर्च 200 से 400 रुपये के बीच रहता है. अगर आप राम झूला घूमने आए हैं और शुद्ध शाकाहारी भोजन की तलाश में हैं, तो चोटीवाला एक बेहतरीन विकल्प है.

परमार्थ निकेतन आश्रम परिसर में स्थित हृदयम रेस्टोरेंट शांत माहौल और हेल्दी सात्विक भोजन के लिए जाना जाता है. यहां बिना प्याज-लहसुन के तैयार किए गए व्यंजन परोसे जाते हैं, जिनमें दाल, खिचड़ी, मौसमी सब्जियां, रोटी, सलाद और कई पौष्टिक विकल्प शामिल हैं. गंगा किनारे का सुकून भरा वातावरण यहां के खाने के अनुभव को और खास बना देता है.

योग और आध्यात्मिक यात्रा पर आने वाले लोग इस रेस्टोरेंट को काफी पसंद करते हैं. यहां एक व्यक्ति का औसत खर्च लगभग 200 से 400 रुपये के बीच रहता है. साफ-सफाई, ताजे भोजन और सात्विक स्वाद की वजह से हृदयम उन लोगों के लिए शानदार जगह है जो हल्का, पौष्टिक और शुद्ध शाकाहारी भोजन करना चाहते हैं.

ऋषिकेश का चोटीवाला रेस्टोरेंट वर्षों से सात्विक भोजन के लिए मशहूर है. राम झूला के पास स्वर्ग आश्रम क्षेत्र में स्थित यह रेस्टोरेंट देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों की पहली पसंद माना जाता है. यहां बिना प्याज-लहसुन के बनी पारंपरिक उत्तर भारतीय थाली, दाल, कढ़ी, मौसमी सब्जियां और ताजी रोटियां परोसी जाती हैं. सादा लेकिन स्वादिष्ट भोजन इसकी सबसे बड़ी खासियत है। रेस्टोरेंट का माहौल पारिवारिक और धार्मिक वातावरण से जुड़ा हुआ है, इसलिए यहां का भोजन भी पूरी तरह सात्विक रखा जाता है. दो लोगों के खाने का औसत खर्च 400 से 700 रुपये के बीच आता है, जबकि एक थाली की कीमत करीब 200 से 350 रुपये रहती है. अगर आप राम झूला घूमने आए हैं और शुद्ध शाकाहारी भोजन की तलाश में हैं, तो चोटीवाला एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकता है।

ऋषिकेश के मुख्य बाजार में स्थित राजस्थानी भोजनालय अपने घर जैसे स्वाद और किफायती सात्विक भोजन के लिए जाना जाता है. यहां बिना प्याज-लहसुन वाली शुद्ध शाकाहारी थाली आसानी से मिल जाती है. दाल, मौसमी सब्जी, ताजी रोटियां, चावल और रायते के साथ परोसी जाने वाली थाली लोगों को घर के खाने का एहसास कराती है.

यह भोजनालय स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं के बीच भी काफी लोकप्रिय है. यहां एक थाली की कीमत 180 से 300 रुपये के बीच रहती है, जबकि दो लोगों का भोजन 350 से 700 रुपये में आराम से हो जाता है. अगर आप कम बजट में स्वादिष्ट और सात्विक भोजन करना चाहते हैं, तो यह जगह जरूर ट्राई कर सकते हैं.

जानकी पुल के पास स्थित जानकी रेस्टोरेंट शुद्ध शाकाहारी और बिना प्याज-लहसुन वाले भोजन के लिए जाना जाता है. यहां दाल, मौसमी सब्जियां, रोटी, चावल, पराठे और हल्के नाश्ते के कई विकल्प मिलते हैं. साफ-सुथरा माहौल और ताजे भोजन की वजह से परिवार और श्रद्धालु यहां आराम से भोजन करना पसंद करते हैं।

पानी की टंकी में जम गई है काई? इन आसान टिप्स से करें सफाई, पूरा सिंटेक्स हो जाएगा साफ

पानी की टंकी को हर 3-6 महीने में साफ करना जरूरी है. लंबे समय तक सफाई न होने पर इसके अंदर काई की मोटी परत जम सकती है. ऐसे में यदि आपकी पानी की टंकी में काई जम गयी है तो यहां इसे साफ करने का तरीका जा लें.

घर में पानी की लगातार सप्लाई बनाए रखने के लिए लगभग हर घर में बड़ी पानी की टंकी होती है.यही टंकी किचन, बाथरूम और अन्य घरेलू जरूरतों के लिए पानी उपलब्ध कराती है. लेकिन समय-समय पर इसकी सफाई करना भी जरूरी होता है.

यदि टंकी की सफाई लंबे समय तक नहीं हो पाती है तो इसके अंदर काई, गंदगी जमा होने लगती हैं. जिससे पानी की क्वालिटी खराब होने का खतरा रहता है. ऐसे में यदि आपकी पानी टंकी में काई जम गयी है तो हटाने के लिए यहां बताए गए उपाय आपके लिए कारगर साबित हो सकते हैं.

काई दिखाई दे तो सबसे पहले क्या करें?

- अगर टंकी के अंदर काई जमा हो गई है, तो सबसे पहले उसे ढीला करने की जरूरत होती है. इसके लिए टंकी के पानी में ब्लीच या क्लोरीन मिलाकर करीब 11 से 12 घंटे के लिए छोड़ दें. इससे काई और गंदगी कमजोर पड़ने लगती है और सफाई आसान हो जाती है. ध्यान रखें कि ब्लीच या क्लोरीन की मात्रा सही अनुपात में ही इस्तेमाल करें.

- समय पूरा होने के बाद टंकी का सारा पानी निकाल दें. अब बेकिंग पाउडर, विनेगर और थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें. इस पेस्ट को टंकी की अंदरूनी दीवारों और तली पर अच्छी तरह लगा दें. लगभग एक घंटे तक इसे लगा रहने दें. इसके बाद ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर सफाई करें. यह तरीका जिद्दी दाग और काई हटाने में मदद कर सकता है.

- यदि आप एक और आसान तरीका अपनाना चाहते हैं, तो डिशवॉश लिक्विड और नमक का पेस्ट भी उपयोग कर सकते हैं. इसे टंकी की सतह पर लगाकर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें. फिर ब्रश से अच्छी तरह घिसें और अंत में गुनगुने पानी से पूरी टंकी को साफ कर लें.

सफाई के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

टंकी साफ करते समय सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें. हाथों में हमेशा ग्लव्स पहनें. टंकी के अंदर चप्पल पहनकर न जाएं. पैरों को प्लास्टिक से कवर करके ही अंदर उतरें. यदि संभव हो, तो बिना अंदर गए लंबे बांस या डंडे में कपड़ा या ब्रश बांधकर सफाई करें. सफाई के दौरान टंकी का पानी किसी भी घरेलू काम में इस्तेमाल न करें. बच्चों को टंकी की सफाई के दौरान दूर रखें।

सेमीऑटोमैटिक और फुलीऑटोमैटिक वांशिंग मशीन में अंतर, जानिये या है आपकी जरूरत के अनुसार ज्यादा बेहतर?

वॉशिंग मशीन खरीदने से पहले सेमी-ऑटोमैटिक और फुली-ऑटोमैटिक के बीच में अंतर समझना बहुत जरूरी होता है. सेमी-ऑटोमैटिक सस्ती, कम बिजली-पानी वाली होती है, जबकि फुली-ऑटोमैटिक सुविधाजनक और आधुनिक फीचर्स वाली होती है.

आज के दौर में वॉशिंग मशीन घरेलू कामों को आसान बनाने वाले सबसे उपयोगी उपकरणों में से एक है. बाजार में मुख्य रूप से दो प्रकार की वॉशिंग मशीनें उपलब्ध हैं.सेमीऑटोमैटिक और फुलीऑटोमैटिक. दोनों मशीनें कपड़े धोने का काम करती हैं, लेकिन इनके काम करने का तरीका, सुविधाएं और कीमत एक-दूसरे से काफी अलग होती हैं. ऐसे में नई वॉशिंग मशीन खरीदने से पहले इन दोनों के बीच का अंतर समझना बेहद जरूरी है.

क्या है सेमीऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन?

सेमीऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन में आमतौर पर दो टब होते हैं. एक टब कपड़ों को धोने के लिए और दूसरा स्पिन करके पानी निकालने के लिए होता है. इसमें कपड़े धुलने के बाद आपको उन्हें स्वयं वॉश टब से स्पिन टब में डालना पड़ता है. यानी मशीन पूरी तरह ऑटोमैटिक नहीं होती और इसमें कुछ काम यूजर को करना पड़ता है.

सेमीऑटोमैटिक मशीन के फायदे

कीमत अपेक्षाकृत कम होती है.

बिजली और पानी की खपत कम होती है.

पानी की सप्लाई लगातार न होने पर भी इस्तेमाल की जा सकती है।

5 से 12 साल के बच्चों की डाइट में शामिल करें ये सुपरफूड्स, कंप्यूटर से भी तेज दौड़ेगा दिमाग और बीमारियां रहेंगी कोसों दूर!

अपने 5 से 12 साल के बच्चों को दें सुपरफूड्स की ताकत! सही डाइट से उनका दिमाग कंप्यूटर से भी तेज दौड़ेगा और बीमारियां उनसे कोसों दूर रहेंगी. इन खास फूड्स को उनकी डाइट में शामिल कर आप उन्हें स्वस्थ और बुद्धिमान बना सकते हैं. जानिए कौन से हैं वे सुपरफूड्स जो आपके बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी हैं...

5 से 12 साल की उम्र बच्चों के शरीर और दिमाग के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जाता है. इसी समय बच्चे तेजी से बढ़ते हैं, उनकी हड्डियां मजबूत होती हैं, मांसपेशियां विकसित होती हैं, और दिमाग सीखने की क्षमता को तेजी से बढ़ाता है. इस उम्र में दिया गया सही पोषण बच्चे के पूरे जीवन की सेहत और मानसिक क्षमता की नींव रखता है. लेकिन आज के समय में बच्चों की खाने की आदतों में जंक फूड शामिल हो गया है. इसलिए यह समझना बहुत जरूरी है कि इस उम्र में बच्चों की डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि उनका विकास सही दिशा में हो सके. आइए जानते हैं 5 से 12 साल के बच्चों की डाइट में क्या होनी चाहिए...

सबसे ज्यादा जरूरत प्रोटीन की

बच्चों के शरीर को बढ़ने के लिए सबसे ज्यादा जरूरत प्रोटीन की होती है. प्रोटीन शरीर की कोशिकाओं को बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है. अगर बच्चे की डाइट में दालें, दूध, दही, पनीर, अंडा, सोया, चना या चिकन जैसे स्रोत शामिल किए जाएं, तो उनका शारीरिक विकास बेहतर तरीके से होता है. रिसर्च बताती है कि जिन बच्चों को नियमित रूप से पर्याप्त प्रोटीन मिलता है, उनकी ग्रोथ और शारीरिक ताकत दूसरों की तुलना में ज्यादा बेहतर होती है.

हड्डियां तेजी से होती हैं मजबूत

5 से 12 बच्चों के लिए प्रोटीन के बाद कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों के विकास के लिए बहुत जरूरी माने जाते हैं. इस उम्र में हड्डियां तेजी से मजबूत होती हैं, इसलिए दूध, दही, पनीर और रागी जैसे खाद्य पदार्थ जरूरी हैं. धूप में कुछ समय बिताना भी शरीर में विटामिन डी बनाने में मदद करता है, जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं और भविष्य में कमजोरी या दर्द जैसी समस्याओं का खतरा कम होता है.

बच्चों का इम्यून सिस्टम होगा मजबूत

5 से 12 बच्चों के दिमाग और इम्यून सिस्टम के लिए फल और सब्जियां बेहद जरूरी हैं. इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल और फाइबर शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं. जो बच्चे रोज अलग-अलग फल और सब्जियां खाते हैं, उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है और वे कम बीमार पड़ते हैं. साथ ही उनका ध्यान और सीखने की क्षमता भी बेहतर रहती है.

ऊर्जा के लिए साबुत अनाज

ऊर्जा के लिए साबुत अनाज जैसे गेहूं, ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस और मल्टीग्रेन फूड्स बहुत उपयोगी होते हैं. ये धीरे-धीरे ऊर्जा छोड़ते हैं, जिससे बच्चे लंबे समय तक एक्टिव रहते हैं और उनकी एकाग्रता बनी रहती है. एक्सपर्ट्स बच्चों को रिफाइंड आटे की बजाय साबुत अनाज देने की सलाह देते हैं. दिमाग के विकास के लिए हेल्दी फैट भी जरूरी माना जाता है. बादाम, अखरोट, मूंगफली और बीजों में मौजूद पोषक तत्व बच्चों की याददाश्त और सीखने की क्षमता को बढ़ाते हैं।

फूड

या दिल के मरीजों को खानी चाहिए मछली? 5 मछलियां जो कोलेस्ट्रॉल करती हैं कम, जानें खाने का नियम

दिल के मरीजों के लिए मछली खाना फायदेमंद है? यह सवाल अक्सर उठता है. मछली में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायक है. हम आपको 5 ऐसी मछलियों के बारे में बताएंगे, जो कोलेस्ट्रॉल घटाने में मदद करती हैं. साथ ही, जानेंगे कि दिल के मरीज किस नियम से मछली का सेवन करें ताकि उन्हें अधिकतम लाभ मिल सके...

आजकल खान-पान की आदतों में बदलाव और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण, कई लोगों में खराब कोलेस्ट्रॉल (हानिकारक वसा) की समस्या तेजी से बढ़ रही है. ब्लड वेसल्स में इस हानिकारक वसा के जमाव से दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी बीमारियां हो सकती हैं. हालांकि, चिकित्सा एक्सपर्ट्स का कहना है कि ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर कुछ विशेष मछलियां हार्ट को हेल्दी रखने और ब्लड वेसल्स को साफ करने में बहुत मददगार साबित हो सकती हैं. आइए अब उन 5 शक्तिशाली मछलियों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें मांसाहारी लोगों को अपने आहार में जरूर शामिल करना चाहिए...

सैल्मन

सैल्मन मछली हार्ट स्वास्थ्य के लिए सबसे फायदेमंद मानी जाती है. यह ओमेगा-3 फैटी एसिड का भंडार है. ये शरीर में ट्राइग्लिसराइड के स्तर को तेजी से कम करती है. साथ ही इससे ब्लड वेसल्स में सूजन कम करने और ब्लड सर्कुलेशन को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शाही ठाठ का लेना है अनुभव? भारत के इन 5 महलों में अब मिलता है लग्जरी स्टे, जानें हैं कहां

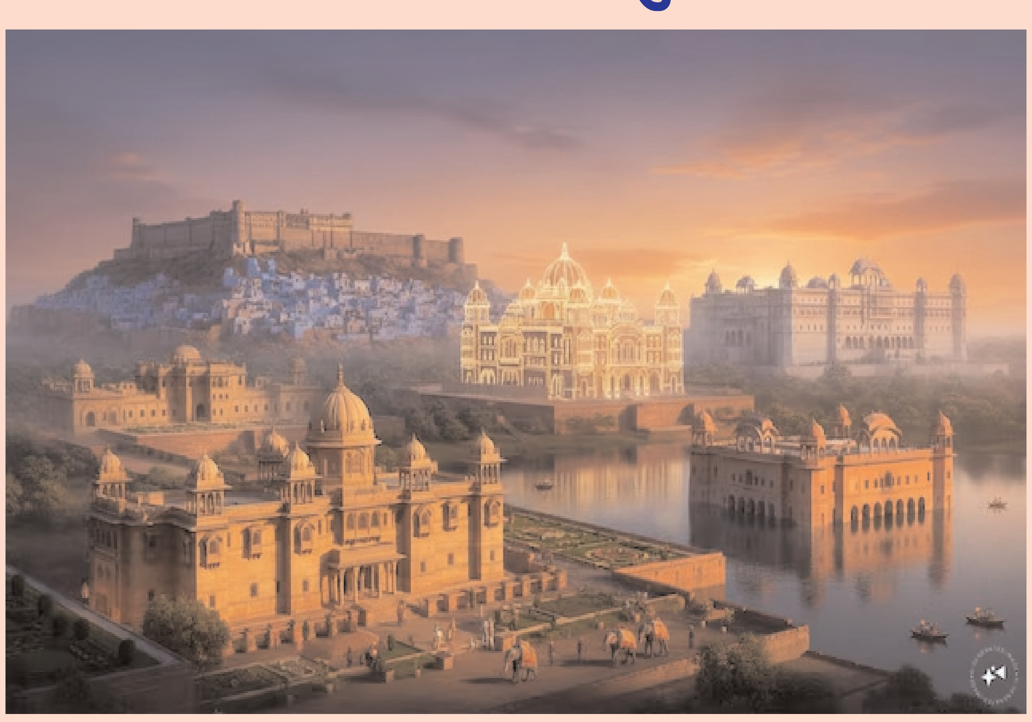

अगर आप भी शाही ठाठ-बाट का अनुभव करना चाहते हैं, तो भारत के कुछ ऐतिहासिक महल एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं. कभी राजा-महाराजाओं के निवास स्थान रहे ये आलीशान महल अब लग्ज़री होटलों में बदल दिए गए हैं

अगर आप अपनी छुट्टियों का अनुभव यादगार और शाही अंदाज़ में करना चाहते हैं, तो भारत के ऐतिहासिक महल बेहतरीन विकल्प हैं. कभी राजा-महाराजाओं के घर रहे ये शानदार महल अब लग्ज़री होटलों में बदल दिए गए हैं, जहां आम यात्री भी शाही ठाठ-बाट का अनुभव कर सकते हैं. शानदार आर्किटेक्चर, शाही मेहमाननवाज़ी, पारंपरिक खाने और आधुनिक सुविधाओं वाले ये महल-होटल इतिहास और लग्ज़री का अनोखा संगम हैं. आइए, भारत के ऐसे ही 5 महलों के बारे में जानते हैं, जहां एक बार ठहरना भी किसी शाही सपने के सच होने जैसा लगता है...

ताज लेक पैलेस, उदयपुर

राजस्थान के उदयपुर में पिछोला झील के बीचों-बीच बना ताज लेक पैलेस भारत के सबसे खूबसूरत महलों में गिना जाता है. सफ़ेद संगमरमर से बना यह महल कभी मेवाड़ राजवंश का शाही निवास हुआ करता था. आज, यहां ठहरने वाले मेहमान झील के शानदार नज़ारों के साथ-साथ शाही मेहमाननवाज़ी का आनंद लेते हैं.

उम्मेद भवन पैलेस, जोधपुर

दुनिया के सबसे बड़े निजी घरों में शामिल, उम्मेद भवन पैलेस अपनी भव्यता के लिए मशहूर है. जहां महल का एक हिस्सा शाही परिवार के पास है, वहीं दूसरा हिस्सा एक लग्ज़री होटल के तौर पर चलता है. यहां मेहमान शानदार कमरों, शाही खाने और बेहतरीन सर्विस का अनुभव करते हैं.

रामबाग पैलेस, जयपुर

'जयपुर का गहना' (Jewel of Jaipur) कहे जाने वाले रामबाग पैलेस में कभी जयपुर के महाराजा रहा करते थे. आज, यह भारत के सबसे प्रतिष्ठित लग्ज़री होटलों में से एक है. इसके खूबसूरत बगीचे, शाही सुइट और पारंपरिक राजस्थानी मेहमाननवाज़ी पर्यटकों को एक अनोखा अनुभव देती है.

फलकनुमा पैलेस, हैदराबाद

हैदराबाद में एक पहाड़ी पर स्थित फलकनुमा पैलेस अपनी शानदार बनावट और शाही इंटीरियर के लिए मशहूर है. कभी निज़ाम का शाही महल रहा यह स्थान अब एक अल्ट्रा-लग्ज़री होटल है. इसकी भव्य लाइब्रेरी, बड़े हॉल और शानदार सजावट पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है.

नीमराना फोर्ट पैलेस, राजस्थान

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित, 15वीं सदी का नीमराना फोर्ट पैलेस इतिहास के शौकीनों और लग्ज़री ट्रैवलर्स के बीच बहुत लोकप्रिय है. पहाड़ी पर बना यह किला अब एक हेरिटेज होटल के तौर पर काम करता है, जहां पारंपरिक माहौल और आधुनिक सुविधाओं का मेल देखने को मिलता है. इसका शांत माहौल और ऐतिहासिक आकर्षण इसे सचमुच खास बनाते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में आतिशबाजी के जश्न की तस्वीरें शेयर कीं

मुंबई। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट के माध्यम से फैंस को अमेरिका में 'फोर्थ ऑफ जुलाई' (4 जुलाई) से पहले के सेलिब्रेशन की झलक दिखाई।

एक्ट्रेस ने रात का नजारा शेयर किया, जिसमें बड़ी कांच की खिड़कियों से आसमान में आतिशबाजी दिखाई दे रही थी। इस क्लिप के साथ उन्होंने लिखा, '4 जुलाई की बधाई,' जो अमेरिका के आजादी के दिन (4 जुलाई) के जश्न से जुड़ा है।

प्रियंका और अमेरिका के बीच लंबे समय से जुड़ाव रहा है। बचपन में अभिनेत्री कुछ साल अमेरिका में अपने रिश्तेदारों के साथ रहीं और भारत लौटने से पहले मैसाचुसेट्स, आयोवा और न्यूयॉर्क के स्कूलों में पढ़ाई की। बॉलीवुड के बड़े स्टार्स में अपनी जगह बनाने के बाद उन्होंने हॉलीवुड में कदम रखा।

अभिनेत्री ने अक्सर कहा कि उन्हें घर पर मिली बड़ी कामयाबी के बावजूद हॉलीवुड में अपनी यात्रा नए सिरे से शुरू करने में कोई हिचकिचाहट नहीं थी। कई इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी नए कलाकार की तरह कास्टिंग प्रोफेशनल्स के सामने खुद को पेश करना पड़ा, ऑडिशन देने पड़े और काम के लिए खुद को प्रमोट करना पड़ा।

प्रियंका ने यह भी बताया कि वह अपना पोर्टफोलियो साथ रखती थीं और बॉलीवुड में अपनी शोहरत की वजह से किसी खास ट्रीटमेंट की उम्मीद किए बिना इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई।

बता दें कि हॉलीवुड में उनकी यात्रा उनके म्यूजिक करियर से शुरू हुई थी, जिसके बाद उन्हें 2015 में अमेरिकी टीवी सीरीज 'क्वांटिको' में लीड रोल मिला। इस शो के साथ, वह अमेरिकी नेटवर्क ड्रामा में लीड रोल निभाने वाली पहली साउथ एशियन एक्ट्रेस बनीं।

इसके बाद प्रियंका ने 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स', 'सिटाडेल', 'लव अगेन' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम किया। पर्सनल जिंदगी की बात करें तो प्रियंका ने अमेरिकी सिंगर-एक्टर निक जोनस से शादी की है और दोनों की एक बेटी है।

कुशल टंडन ने वंशज सिंह के 'अलायंस' शो से बाहर होने को 'कर्म' बताया

विश्व केसरी

मुंबई। रियलिटी शो 'अलायंस' से वंशज सिंह के बाहर होने पर एक्टर कुशल टंडन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दोनों कंटेस्टेंट्स के बीच हफ्तों तक चली तीखी बहस के बाद उन्होंने इसे 'कर्म' का फल बताया।

वंशज के मुख्यालय से बाहर निकलने के बाद कुशल ने अपने फैसले का बचाव किया और कहा कि युवा प्रतियोगी को अपने वरिष्ठों का सम्मान करना सीखना होगा।

उन्होंने कहा, 'हम भी उस उम्र में... 22 साल के उम्र में लोगों का अनादर नहीं करते थे। पहले शो में भी इसने बहुत कुछ किया है। इस शो में जब आया तब कर्म कहते हैं ना कर्म आता है... सीधे उम्र पर आता है और बत्तमीजी करता है। लोगों को उसको सबक सिखाना चाहिए। आज सीखेगा तो कल किसी और शो में अपने सीनियर्स से बदतमीजी नहीं करेगा।''

कुशल ने आगे कहा कि वंशज का निष्कासन उसके अपने कार्यों का परिणाम था। निष्कासन के बाद अभिनेता ने अपनी जैकेट हवा में उछालकर जश्न मनाया।

वंशज ने कुशल पर आखिरी ताना मारे बिना विदा नहीं ली। मुख्यालय से निकलते समय, वह अभिनेता की ओर मुड़ा और बोला, 'तुमसे बात कर रहा हूं... पीठ पीछे खेलना छोड़ दो, सामने बोलने की आदत डाल लो।

वंशज के जाने के बाद भी इस टकराव पर प्रतिक्रियाएं आती रहीं। प्रतियोगी डॉली जावेद ने खुलकर उसका समर्थन किया और कुशल से असहमति जताई।

रियलिटी शो 'एलायंस' को अभिनेता कुणाल खेमू होस्ट करते हैं और यह रणनीति पर आधारित रियलिटी शो है।

हालिया फेरबदल के बाद नीति टेलर, रूही दोसानी, पायल गेमिंग और अरमान खेरा किंग्स बन गए हैं।

डॉली जावेद, सैबी सूरी, रिव्वा किशन और वृद्धि पटवा हंटर्स में शामिल हुए हैं, जबकि कुशल टंडन, सोहेल खान, डेलबार आर्य और डेजी शाह वॉरियर्स में शामिल हैं। ज़ैद दरबार, मिनी माथुर, निखिल चिनप्पा और अगु स्टेनली चिएडोजी लेजेंड्स में हैं।

जन्मदिन स्पेशल : कमजोर आईसाइट से टूटा एयर होस्टेस बनने का सपना, फिर बनीं कोरियोग्राफी क्वीन

विश्व केसरी

मुंबई। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर कोरियोग्राफर और टीवी की जानी-मानी हस्ती गीता कपूर को प्यार से 'गीता मां' भी कहा जाता है। उन्होंने कई लोकप्रिय गानों की कोरियोग्राफी की है। गीता कपूर टीवी की भी एक जाना-माना चेहरा हैं और कई डांस रियलिटी शो में जज भी रह चुकी हैं।

गीता कपूर का जन्म 5 जुलाई 1973 को मुंबई में एक साधारण मीडिल क्लास परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम महेंद्रनाथ कपूर और मां का नाम रानी कपूर है। बचपन में गीता का सपना एयर होस्टेस बनने का था, लेकिन कमजोर आईसाइट के कारण उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका। हालांकि, नृत्य में रुचि होने के कारण उन्होंने डांस क्लास जॉइन कर ली और नृत्य की दुनिया में कदम रखा।

गीता ने अपने कोरियोग्राफी करियर की शुरुआत महज 15 वर्ष की उम्र में बॉलीवुड की मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान के साथ बतौर असिस्टेंट की। इस दौरान उन्होंने फराह खान के साथ बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों में कोरियोग्राफी की, जिसमें 'कुछ कुछ होता है', 'दिल तो पागल है', 'कभी खुशी कभी गम', 'मैं हूं ना', 'मोहब्बतें' और 'ओम शांति ओम' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। इसके बाद गीता ने एक स्वतंत्र कोरियोग्राफर के रूप में 'फिजा', 'अशोका', 'साथिया', 'हे बेबी' और 'अलादीन' में काम किया। वहीं, फिल्म 'तीस मार खान' मूवी का गाना 'शीला की जवानी' की कोरियोग्राफी के लिए उनकी काफी सराहना हुई।

दिलचस्प किस्सा : कैटरीना कैफ को देखकर घबरा जाती थीं परिणीति चोपड़ा

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने जब मशहूर फिल्म निर्माता और प्रोड्यूसर करण जौहर के लोकप्रिय और चर्चित शो 'कॉफी विद करण' में एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ शिरकत की, तब उन्होंने मजेदार अंदाज में बताया कि वह साथी एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के सामने बहुत ज्यादा नर्वस हो जाती हैं।

उस दौरान एक सच्चे फैन की तरह परिणीति ने कैटरीना को अपना आइडल बताया और कहा कि वह कैटरीना की शांत और संयमित पर्सनैलिटी की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं।

इसी के साथ परिणीति ने एक किस्सा शेयर करते हुए कहा, 'एक दिन जब मैं जिम में थी, तब कैटरीना भी जिम आईं और मैंने उन्हें देखकर जल्दी से अपनी ट्रेडमिल की स्पीड बढ़ा दी।' फिर मुझे देखकर कैटरीना मेरे पास आईं और पूछा, 'तुम क्या कर रही हो? कितने मिनट हो गए?'

मैंने जवाब दिया, '20 मिनट,' तो कैटरीना ने सख्त आवाज में कहा, '5 मिनट और।' यह सुनकर मैंने कहा, 'ठीक है, ठीक है, जैसा आप कहें।' परिणीति ने बताया कि कैटरीना मेरी लिए आइडल जैसी हैं।

इसके बाद जब होस्ट और फिल्ममेकर करण जौहर ने आदित्य से पूछा कि क्या वह भी कैटरीना से डरते हैं, तो उन्होंने कहा, 'हां, कभी-कभी। जब करण ने पूछा, 'लेकिन क्यों? वह तो बहुत प्यारी हैं,' तो परिणीति और आदित्य दोनों ने कहा कि कैटरीना का चेहरा ऐसा है कि उनके आस-पास कोई भी नर्वस हो सकता है।

बता दें कि जहां परिणीति ने अभी तक कैटरीना के साथ स्क्रीन शेयर नहीं की है, वहीं आदित्य 2016 की फिल्म 'फितूर' में उनके साथ रोमांस करते दिखे थे।

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें तो, परिणीति ने हाल ही में एक डिवोशनल गाना 'नमामि शमीशम' रिलीज किया है। अपने हालिया सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए, 'केसरी' एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने यह गाना तब गाया था, जब वह प्रेग्नेंट थीं।

'नमामि शमीशम' रिकॉर्ड करने की प्रेरणा के बारे में बताते हुए परिणीति ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'कुछ प्रार्थनाएं हमेशा के लिए यादें बन जाती हैं।

कृति सेनन कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ डिनर डेट पर आईं नजर

विश्व केसरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन को शुक्रवार शाम मुंबई में अपने कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ डिनर के लिए बाहर जाते हुए देखा गया। हालांकि दोनों एक ही जगह पहुंचे, लेकिन वे अलग-अलग रेस्टरेंट में गए।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कबीर सबसे पहले पहुंचे। उन्होंने एक बड़ी सफेद टी-शर्ट, हल्के नीले रंग की डेनिम और स्नीकर्स पहने थे। कुछ देर बाद कृति स्टाइलिश ऑल-ब्लैक लुक में पहुंचीं। अंदर जाने से पहले, एक्ट्रेस ने मुस्कुराते हुए पैपराजी की ओर हाथ हिलाया और विक्ट्री साइन दिखाया।

कृति और कबीर पिछले एक साल से अपने कथित रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी एक-दूसरे को डेट करने की बात सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं की है, लेकिन उन्हें अक्सर छुट्टियों, पारिवारिक समारोहों और पार्टियों में एक साथ देखा गया है।

हाल ही में, इस दोनों को कृति की बहन नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन के साथ छुट्टियां मनाते हुए देखा गया था।

बता दें कि कबीर बहिया यूके के एक एंटरप्रेन्योर और बिजनेसमैन हैं, जो ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम करते हैं। कृति के साथ अपने कथित रिश्ते की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहने के बावजूद, वे एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से काफी हद तक दूर ही रहे हैं।

काम की बात करें तो कृति हाल ही में 'कॉकटेल 2' में

नजर आई थीं, जिसमें 'एली' के तौर पर उनकी परफॉर्मेंस को दर्शकों और क्रिटिक्स, दोनों ने ही काफी पसंद किया।

इस एक्ट्रेस ने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। पिछले 12 सालों में कृति ने 'बरेली की बर्फी', 'लुका छुपी', 'मिमी', 'भेड़िया', 'क्रू', 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' और 'दो पत्ती' जैसी फिल्मों के जरिए हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस में अपनी जगह बनाई है। हाल ही में उन्होंने अपने बैनर 'ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स' के तहत 'दो पत्ती' फिल्म से प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम शुरू किया है।

स्कॉटलैंड की वादियों में खोईं निकिता दत्ता, शेयर की खूबसूरत तस्वीरें और अनुभव

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री निकिता दत्ता ने 'पोस्टकार्ड्स फ्रॉम स्कॉटलैंड' के अपने खूबसूरत अनुभवों की झलकियां साझा की हैं।

निकिता ने इंस्टाग्राम पर स्कॉटलैंड की खूबसूरती और प्राकृतिक नज़ारों को दिखाने वाली शानदार तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कई तस्वीरें पोस्ट कीं और उन्हें कैप्शन दिया 'स्कॉटलैंड से

पोस्टकार्ड्स'। इन तस्वीरों में निकिता दत्ता खूबसूरत नजारों के बीच अलग-अलग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक दिन पहले शुक्रवार को उन्होंने स्कॉटलैंड के खूबसूरत ग्रामीण इलाके का एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि कैसे स्कॉटलैंड की यात्रा के दौरान छिपी हुई खूबसूरत जगहों की तलाश में थोड़ा आगे जाने पर वह भेड़ों के झुंड के बीच पहुंच गईं। क्लिप में उन्हें हरे-भरे पहाड़ों और खुले मैदानों में हाइकिंग करते हुए देखा गया। अपनी यात्रा के दौरान उन्हें पहाड़ियों पर शांति से चरती हुई भेड़ों का एक पूरा झुंड दिखाई दिया।

कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'स्कॉटलैंड में कुछ अनछुए छिपे हुए खूबसूरत नज़ारों की तलाश में मैं थोड़ी ज़्यादा ही मेहनत कर बैठी और भेड़ों से भरे इस मैदान पर पहुंच गई। 'बनेट स्टेन' नाम की चट्टान भले ही सिर्फ एक फोटो लेने की जगह थी, लेकिन यहां तक कि छोटी सी चढ़ाई सबसे मजेदार थी।

अमेरिका के 250वें स्थापना दिवस पर एस जयशंकर ने कहा- हम रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक

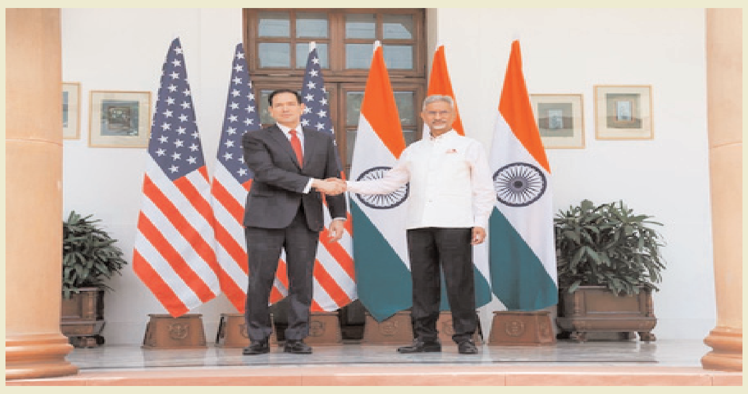

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका अपनी स्थापना की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो, अमेरिकी सरकार और वहां की जनता को शुभकामनाएं दीं।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'मार्को रुबियो, अमेरिका की सरकार और वहां के लोगों को उनकी आजादी की 250वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं। हम अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।' भारत में अमेरिकी दूतावास ने भी एक्स पर लिखा, '250 साल। अनगिनत कहानियां। अटूट जज्बा। हमारे साथ जुड़िए, जब कई मशहूर हस्तियां बताएंगी कि अमेरिका की सबसे खास बात उनके लिए क्या मायने रखती है। उनके विचार उन मूल्यों, उपलब्धियों और उम्मीदों को दर्शाते हैं, जिन्होंने अमेरिकी कहानी को आकार दिया है और आगे भी देते रहेंगे। अमेरिका को 250वें जन्मदिन की शुभकामनाएं!'

भारत में अमेरिकी दूतावास ने जिस वीडियो को पोस्ट किया है, उसमें राष्ट्रपति ट्रंप पीएम मोदी के साथ अपनी मुलाकात के दौरान कहते हैं, 'मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि हम बहुत लंबे समय से दोस्त हैं, हमेशा से हमारे संबंध काफी अच्छे रहे हैं। आपके साथ होना बहुत अच्छा है।'

वहीं अमेरिकी विदेश सचिव कहते हैं, अमेरिका अपना 250वीं सालगिरह मना रहा है, ऐसे में हम भारत में अपने साझेदारों के साथ काम करने की तरफ देख रहे हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और अमेरिका दुनिया का सबसे पुराना लोकतांत्रिक देश है। इसलिए हम साथ में इस समारोह का जश्न मनाएंगे। वहीं, भारत के मशहूर यूट्यूबर राज शमानी, बिजनेस वुमन ईशा अंबानी, फिल्म अभिनेता आर माधवन, पूर्व भारतीय क्रिकेटर मिथाली राज, कंटेंट क्रिएटर कामिया जानी, सुनिता विलियम्स जैसे अलग-अलग क्षेत्रों से दिग्गज हस्तियों ने अमेरिका को बधाई दी।

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने अपने बधाई संदेश में लिखा, 'अमेरिका की स्थापना की 250वीं वर्षगांठ और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा अमेरिका के सभी लोगों को हार्दिक बधाई देती हूं। इस विशेष वर्ष के उपलक्ष्य में जापान ने 250 चेरी के पेड़ उपहारस्वरूप दिए हैं। इसके अलावा, पूरे अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों में जापानी आतिशबाजी विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। जापान और अमेरिका भविष्य में भी अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।' वहीं, सर्जियो गोर अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे हैं। गोर ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'राष्ट्रपति ट्रंप के साथ माउंट रशमोर के रास्ते पर।

स्पेन में लगी भीषण आग से 2,300 हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर राख

विश्व केसरी

मैड्रिड । स्पेन के उत्तरपूर्वी क्षेत्र कैटालोनिया में भीषण आग लग गई, जिससे 2,300 हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर राख हो गया।

गिरोना प्रांत की कई नगरपालिकाओं में लगी भीषण आग के कारण लगभग 10,000 निवासियों को निकाला गया है या उन्हें सुरक्षित स्थानों पर रहने का आदेश दिया गया है, और कई सड़कें अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं। समाचार एजेंसी सिंन्हुआ के अनुसार, सभी निवासी सुरक्षित हैं।

तेज हवाओं की वजह आग तेजी से फैल गई और पास के एक प्राकृतिक अभयारण्य तक पहुंच गई। स्थानीय अग्निशमन सेवाओं ने 400 से अधिक दमकलकर्मियों के साथ-साथ कई हेलीकॉप्टर और अग्निशमन विमान तैनात किए हैं। स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट ने बचाव कार्य के लिए 200 सैनिक और 60 वाहन भेजे हैं।

फ्रांस और स्पेन के कुछ हिस्सों में कई जगहों पर जंगल की आग अभी भी जल रही है, क्योंकि लंबे समय तक रिकॉर्ड तोड़ तापमान के कारण वनस्पति सूख गई है और दक्षिणी यूरोप में सूखे की स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

फ्रांस में भूमध्य सागर तट पर तेज हवाओं के कारण लगी आग को बुझाने के लिए गुरुवार को लगभग 2,000 दमकलकर्मियों को तैनात किया गया। वहीं, स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट (यूएमई) ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर आरागॉन क्षेत्र में आग बुझाने के अभियान में सहायता के लिए 100 से अधिक कर्मियों और लगभग 40 वाहनों को जुटाया है।

गिरोना क्षेत्र में अग्निशमन अभियान के प्रमुख फेरान गार्सिया ने कहा कि आग बुझाने की क्षमता दमकलकर्मियों की क्षमता से परे हो सकती है, और उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता आग को यथासंभव नियंत्रित करना और नुकसान को कम करना है। स्थानीय पुलिस के हवाले से स्पेनिश मीडिया ने बताया कि आगजनी के संदेह में एक मजदूर को हिरासत में लिया गया है।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला के 1,500 से अधिक मामले सामने आए

विश्व केसरी

किंशासा । डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,502 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 473 मौतें शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यह प्रकोप अभी भी गंभीर बना हुआ है।

डीआरसी के पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की ओर से शुक्रवार (स्थानीय समय) को जारी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अभी 628 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में हैं और देश में 229 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल 213 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं, जिनमें 63 मौतें शामिल हैं। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के रीजनल डायरेक्टर मोहम्मद याकूब जनाबी ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूर्वी प्रांत इतुरी और नॉर्थ किवु में संक्रमण फैल रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनाबी ने कहा कि यह मौजूदा प्रकोप अब तक का सबसे बड़ा बुंडीबुग्यो इबोला प्रकोप है। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ के एक्सपर्ट पियरे अकिलिमाली ने कहा कि यह प्रकोप ऐसे इलाकों में फैल रहा है, जो असुरक्षा और हथियारबंद समूहों की गतिविधियों से प्रभावित हैं, जिससे मामलों का पता लगाना और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना मुश्किल हो रहा है। इतुरी के कुछ प्रभावित इलाके माइनिंग जोन में हैं, जहां बाहर से लोगों के लगातार आने-जाने से वायरस के फैलने का खतरा बढ़ गया है। डब्ल्यूएचओ ने गुरुवार को कहा कि डीआरसी में बुन्डिबुग्यो वायरस से होने वाली इबोला बीमारी के संभावित इलाज की जांच के लिए एक क्लिनिकल ट्रायल शुरू हो गया है।

डीआर कांगो में उत्कृष्ट सेवा के लिए भारतीय सेना के 651 शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र पदक से सम्मानित

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के वैश्विक शांति अभियानों में योगदान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआर कांगो) में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत तैनात भारतीय सेना के 651 शांति सैनिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए संयुक्त राष्ट्र पदक (यूएन मेडल) से सम्मानित किया गया।

भारतीय सेना ने शनिवार को बताया कि यह सम्मान 3 जुलाई को डीआर कांगो के साके स्थित परमानेंट ऑपरेटिंग बेस में आयोजित एक भव्य पदक परेड समारोह के दौरान प्रदान किया गया।

समारोह में लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में संयुक्त राष्ट्र स्थिरीकरण मिशन (मोनुस्को) के वरिष्ठ अधिकारी, फोर्स मुख्यालय के प्रतिनिधि, सैन्य कमांडर और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

इस अवसर पर भारतीय शांति सैनिकों की पेशेवर दक्षता, परिचालन उत्कृष्टता और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के तहत उनकी समर्पित सेवाओं की सराहना की गई। भारतीय सेना के अनुसार, भारतीय शांति सैनिक संयुक्त राष्ट्र के सबसे चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील मिशन क्षेत्रों में से एक में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने लगातार साहस, धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूत करने, मानवीय सहायता पहुंचाने और संयुक्त राष्ट्र के जनादेश को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सब उन्होंने लगातार जारी सशस्त्र हिंसा और जटिल मानवीय चुनौतियों के बीच किया है।

सेना ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र पदक भारतीय सेना की उस वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है, जिसके तहत उसे दुनिया के सबसे विश्वसनीय और प्रभावी संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन योगदानकर्ताओं में गिना जाता है।

सेना ने कहा कि यह सम्मान अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता तथा संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में कमजोर और प्रभावित समुदायों की सुरक्षा के संकल्प को भी दर्शाता है।

वेनेजुएला भूकंप में मरने वालों की संख्या 2,645 तक पहुंची, रेस्क्यू ऑपरेशन अब भी जारी

विश्व केसरी

काराकास। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने कहा कि 24 जून को वेनेजुएला में आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,645 हो गई है और 12,666 लोग घायल हुए हैं।

कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज अस्थायी कैंप बनाने के कमांड सेंटर की भी प्रमुख हैं। उन्होंने शुक्रवार को टेलीग्राम पर पोस्ट किए गए एक अपडेट में कहा कि 6,462 लोगों को बचाया गया है और 86,117 परिवारों को मदद मिली है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने कहा कि भूकंप से 885 बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा और 189 इमारतें गिर गईं। इसके साथ ही अधिकारियों ने इस आपदा से प्रभावित लोगों के रहने के लिए 59 अस्थायी कैंप बनाए हैं।

रोड्रिगेज ने कहा कि शक्तिशाली भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 890 आफ्टरशॉक रिकॉर्ड किए गए हैं। आपातकाल से निपटने के लिए देश भर में 3,305 अंतरराष्ट्रीय बचावकर्मी और 29,567 इमरजेंसी रेस्पॉन्डर तैनात हैं।

बाहरी शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं होर्मुज, उकसाया तो दिया जाएगा जवाबः ईरान

विश्व केसरी

तेहरान। दिवंगत सुप्रीम लीडर को अंतिम विदाई का कार्यक्रम तेहरान में जारी है। इस बीच, होर्मुज को लेकर पश्चिमी देशों की मंशा पर सवाल उठाते हुए ईरान ने स्पष्ट कहा कि 'रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट किसी भी बाहरी क्षेत्रीय शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं है', और चेतावनी दी कि किसी भी तरह के उकसावे का बराबर जवाब दिया जाएगा।

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि इस समुद्री मार्ग की सुरक्षा क्षेत्रीय देशों की जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की सैन्य गतिविधि को गंभीरता से लिया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट बाहरी क्षेत्रीय शक्तियों के सैन्य प्रदर्शन का मंच नहीं है। ईरान, स्ट्रेट की सुरक्षा का जिम्मेदार देश होने के नाते, इस जलमार्ग में किसी भी सैन्य गतिविधि के प्रति चेतावनी देता है। इसकी सुरक्षा क्षेत्रीय देशों के हाथों में है और उकसाने वाली गतिविधियों के परिणामों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा। यह प्रतिक्रिया ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के उस संयुक्त बयान के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि ओमान ने ब्रिटेन और फ्रांस के साथ मिलकर हॉर्मुज स्ट्रेट में नौवहन सुरक्षा सुनिश्चित करने पर सहमति जताई है।

संयुक्त बयान में कहा गया था कि यह जलमार्ग वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और सभी देशों के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही वैश्विक चिंता का विषय है। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि ब्रिटेन और फ्रांस 'बहुराष्ट्रीय सैन्य मिशन' के तहत नौवहन स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।

ईरान ने इससे पहले भी इस पहल की आलोचना करते हुए कहा था कि पश्चिमी देश फारस की खाड़ी और होर्मुज क्षेत्र में सुरक्षा ढांचे पर खुद को थोपने की कोशिश कर रहे हैं।

फरवरी 2022 से अब तक यूक्रेनी हमलों में लगभग 8,500 रूसी नागरिक मारे गएः मॉस्को

विश्व केसरी

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्रालय के एम्बेसडर-एट-लार्ज रोडियन मिरोशनिक ने एक ब्रीफिंग में कहा कि फरवरी 2022 से यूक्रेन के सैन्य हमलों में रूस में लगभग 8,500 आम लोगों की जान गई है।

मिरोशनिक ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को जानकारी देते हुए बताया कि फरवरी 2022 से लेकर 30 जून 2026 तक हताहतों की कुल संख्या 30,913 तक पहुंच गई है, जिनमें लगभग 8,434 लोगों की मौत शामिल है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मिरोशनिक ने कहा कि पिछले तीन महीनों में यूक्रेन के हमलों ने रूस के 42 इलाकों में सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचाया है। मिरोशनिक ने कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने स्टारोबेल्स्क में एक कॉलेज पर हमला, ब्रांस्क इलाके में बेलारूसी बच्चों को ले जा रही बस पर हमला और येनाकीयेवो में एक आम पैसेंजर बस पर हमले के बारे में बात की।

मिरोशनिक ने यह भी बताया कि 2014 से अब तक कुल 373 बच्चे मारे गए हैं और 1,845 घायल हुए हैं।

रूस ने यूक्रेन के आम लोगों के ठिकानों पर हमलों की निंदा की है और यूनाइटेड नेशंस हाई कमिश्नर फॉर ह्यूमन राइट्स के ऑफिस को एक ऑफिशियल डिप्लोमैटिक नोट भेजा है, जिसमें इन घटनाओं की इंटरनेशनल जांच की मांग की गई है। एक अन्य मामले में मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि रूसी वायु सेना ने शुक्रवार की शुरुआत से मॉस्को को निशाना बनाने वाले 28 ड्रोन मार गिराए हैं।

उरुमची नरसंहार की उइगरों ने दिलाई याद, चीन के खिलाफ वैश्विक कार्रवाई का आह्वान

विश्व केसरी

वाशिंगटन। कई उइगर समर्थक संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह बीजिंग पर दबाव बनाए ताकि वह वर्ष 2009 के 'उरुमची नरसंहार' के दौरान मारे गए, लापता हुए या जेल में डाले गए लोगों की वर्तमान स्थिति का खुलासा करे। यह घटना चीन के शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र में हुई थी और इसकी 17वीं वर्षगांठ 5 जुलाई को है।

वर्षगांठ के अवसर पर वर्ल्ड उइगर कांग्रेस (डब्ल्यूयूसी) ने उन पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें उसने चीनी सरकार की 'शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई' का शिकार बताया।

डब्ल्यूयूसी के अनुसार, यह घटना 5 जुलाई 2009 को शुरू हुई थी, जब हजारों उइगर युवाओं ने शिनजियांग की राजधानी उरुमची में स्थित पीपुल्स स्क्वायर, उरुमची की ओर मार्च किया था। वे शाओगुआन क्षेत्र की उस घटना के खिलाफ विरोध कर रहे थे, जिसमें दो उइगरों की मौत कथित तौर पर चीनी फैक्ट्री श्रमिकों की भीड़ ने की थी। इसे 'नस्लीय हमले' बताया गया था। डब्ल्यूयूसी के अनुसार, इसके बाद 5 से 7 जुलाई 2009 के बीच शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों उइगरों को मारा गया, लापता किया गया या घायल किया गया। वे समान अधिकारों और न्याय की मांग कर रहे थे। डब्ल्यूयूसी के अध्यक्ष तुर्गुनजान अलाउदुन ने कहा, 'हर 5 जुलाई को हम उइगर इतिहास के सबसे काले दिनों में से एक को याद करते हैं। चीनी सरकार की हिंसक कार्रवाई ने दमन को और बढ़ाया और इससे ही आगे चलकर आज दिख रहे कथित उत्पीड़न की नींव पड़ी।' संगठन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वह पीड़ितों के बारे में पारदर्शिता की मांग जारी रखे, और आरोप लगाया कि वैश्विक जांच की कमी के कारण चीन की नीतियां बिना रोकटोक जारी हैं। इसी तरह उइगर ह्यूमन राइट्स प्रोजेक्ट (यूएचआरपी) ने भी चीनी सरकार से 2009 की कार्रवाई के बाद मारे गए, लापता हुए और कैद किए गए लोगों की स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की।

फ्रांस में जून 2026 अब तक का सबसे गर्म महीना, बढ़ते तापमान ने ली कई लोगों की जान

विश्व केसरी

पेरिस। फ्रांस की मौसम एजेंसी मेटेओ-फ्रांस ने शुक्रवार को जारी अपनी मासिक जलवायु रिपोर्ट में कहा कि जून 2026, वर्ष 1947 में रिकॉर्ड रखना शुरू होने के बाद से फ्रांस का सबसे गर्म जून रहा। इस दौरान औसत तापमान 22.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 के औसत से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक है। गर्मी की वजह से हुई मौत का आंकड़ा चौंकाने वाला है।

पब्लिक वेदर सर्विस के अनुसार, जून 2026 जून 2003 के पिछले रिकॉर्ड को पार कर जाएगा, जब तापमान 1991-2020 के औसत से 3.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 17 जून को शुरू हुई हीटवेव ने 22 से 26 जून तक पूरे देश में तापमान को बहुत ज्यादा बढ़ा दिया।

मेटियो-फ्रांस ने कहा कि 24 और 25 जून फ्रांस में अब तक के सबसे गर्म दिन थे। 1947 के बाद पहली बार देश का 24 घंटे का औसत तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। गर्मी की लहर, जो जल्दी, लंबे समय तक चलने वाली और बहुत तेज थी, 30 जून तक जारी रही।

मेटियो-फ्रांस के अनुसार, फ्रांस में कुल 72 विभाग को रेड हीटवेव अलर्ट पर रखा गया था, जो 2004 में अलर्ट सिस्टम बनने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा स्तर है।

जर्मनी में दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी की राष्ट्रीय बैठक के खिलाफ प्रदर्शन

विश्व केसरी

बर्लिन। जर्मनी की दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) की राष्ट्रीय बैठक के दौरान हजारों प्रदर्शनकारियों ने कार्यक्रम को बाधित करने की कोशिश की। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई, जिसमें दंगा-रोधी बलों को तैनात किया गया।

रॉयटर्स के अनुसार, यह बैठक पूर्वी जर्मनी के शहर एरफुर्ट में आयोजित की जा रही है, जहां पार्टी अपने नेतृत्व के चुनाव के लिए एकत्र हुई है।

सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों और हाईवे को अवरुद्ध कर दिया, जिससे सम्मेलन स्थल तक पहुंच बाधित हो गई। पूर्वी जर्मनी के शहर एरफुर्ट में आयोजित इस बैठक के खिलाफ लगभग 15,000 प्रदर्शनकारियों के जुटने का अनुमान पुलिस ने लगाया है। दंगा-रोधी गियर में तैनात पुलिस लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

प्रदर्शनकारियों ने सम्मेलन केंद्र तक जाने वाले मार्गों को ब्लॉक कर दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में आवाजाही प्रभावित हुई।

इस दौरान वाइडरजेटजेन के प्रवक्ता जॉर्ग बेकर ने कहा, 'हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे, और हम मानते हैं कि जर्मनी में फासीवाद फिर से बढ़ रहा है।'

जर्मनी में राजनीतिक दल हर दो साल में नेतृत्व चुनाव करते हैं। एएफडी का उद्देश्य मौजूदा सह-अध्यक्ष ऐलिस वाइडेल और टीनो क्रुपाला के कार्यकाल को आगे बढ़ाते हुए पार्टी में एकता का प्रदर्शन करना है।

इस सम्मेलन को और विवादास्पद इसलिए भी माना जा रहा है क्योंकि यह उस ऐतिहासिक स्थल के पास हो रहा है, जहां लगभग 100 वर्ष पहले नाजी पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी, जिसने एडोल्फ हिटलर के सत्ता सुदृढ़ीकरण में भूमिका निभाई थी। इतिहासकारों और राजनीतिक विरोधियों का कहना है ।

भोपालः आरजीपीवी में परीक्षा सुरक्षा पर सवाल, 9 सीलबंद प्रश्नपत्र चोरी होने से एग्जाम रद्द

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) से बीटेक परीक्षा का पर्चा चोरी होने पर परीक्षा को टालना करना पड़ा और परीक्षा नियंत्रक को नोटिस जारी कर दिया गया है। इसके बाद मामला सवालों में आ गया है।

दरअसल, आरजीपीवी की परीक्षा चल रही है, चौथे सेमेस्टर के 9 सील बंद लिफाफे चोरी हो गए। इस बात की जानकारी मिलने पर परीक्षा को कुलगुरु डॉ आलोक शर्मा ने निरस्त कर दिया और परीक्षा नियंत्रक अर्चना तिवारी को नोटिस जारी किया है। स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी की डायरेक्टर एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ अर्चना तिवारी को जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि विश्वविद्यालय पीजी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र चोरी अथवा अनाधिकृत रूप से लुप्त हो गए हैं। यह अत्यंत गंभीर और संवेदनशील मामला है।

कुलगुरु द्वारा जारी नोटिस में आगे लिखा गया है कि इस घटना से विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर प्रतिकूल असर पड़ता है, विश्वविद्यालयीन परीक्षाओं की गोपनीयता व सुरक्षा व्यवस्था के लिए परीक्षा नियंत्रक द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है।तीन दिन में नोटिस का जवाब देने को कहा गया है।

इस घटना को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने सवाल उठाए और कहा है कि मध्य प्रदेश में अब राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की पोस्ट ग्रेजुएट परीक्षाओं के प्रश्न पत्र चोरी नहीं, बल्कि लीक हो गए हैं।

जब परीक्षा की गोपनीयता ही सुरक्षित नहीं तो युवाओं का भविष्य कैसे सुरक्षित होगा, बार-बार होने वाली ऐसी घटनाएं बताती हैं कि यह महज लापरवाही नहीं बल्कि व्यवस्था की गंभीर विफलता है। प्रदेश के लाखों युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

2035 तक उत्तराखंड को 'विकसित राज्य' बनाकर रहेंगे : सीएम पुष्कर धामी

विश्व केसरी

ऋषिकेश (उत्तराखंड)। ऋषिकेश में सेवा, सुशासन और समर्पण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम का नाम 'हर घर में, हर व्यक्ति के लिए जन सरकार' रखा गया था।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित एक वीडियो प्रस्तुति दिखाई गई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विभिन्न मुद्दों पर सरकार की उपलब्धियां और भविष्य की योजनाएं साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। इसी कारण कई ऐसे कार्य संभव हो सके हैं, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। उन्होंने प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से राज्य लगातार विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने बताया कि 219 करोड़ रुपये की लागत वाली 241 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। उनका कहना था कि ये सभी परियोजनाएं आने वाले समय में उत्तराखंड के विकास को और गति देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने पिछले पांच वर्षों में बिना रुके लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि इस दौरान कभी दिन और महीने नहीं गिने। उन्होंने कहा कि मैं कई बार किसी अधिकारी को फोन कर यह पूछता था कि वह कार्यालय में है या नहीं, लेकिन काम में व्यस्त रहने के कारण रविवार और अवकाश का भी ध्यान नहीं रहता था। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालते समय उनके मन में केवल एक ही लक्ष्य था कि प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक कैसे पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद उनके लिए सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है। सरकार का उद्देश्य केवल अपना कार्यकाल पूरा करना नहीं, बल्कि उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाना है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2035 तक उत्तराखंड को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार काम कर रही है। साथ ही, सभी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। किसानों को दुग्ध उत्पादन, पुष्प उत्पादन और मधुमक्खी पालन जैसे क्षेत्रों से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबर

महाराष्ट्र में भारी बारिशः जलभराव और ट्रैफिक जाम से जनजीवन अस्त-व्यस्त

मुंबई। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश जारी रही, जिससे मुंबई, नवी मुंबई, पालघर, ठाणे, कोल्हापुर, रायगढ़ और लोनावला समेत कई जिलों में बड़े पैमाने पर जल-जमाव, ट्रैफिक में रुकावट और बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया, घरों और दुकानों में पानी घुस गया, जबकि अधिकारियों ने कई संवेदनशील इलाकों में अलर्ट जारी किया।

मुंबई में भारी बारिश की वजह से माहिम समेत कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे ट्रैफिक जाम हो गया और गाड़ियों की आवाजाही में रुकावट आई। शहर के दूसरे हिस्सों में भी ऐसे ही हालात रहे और सड़कें पानी से भरी रहीं।

नवी मुंबई में भी लगातार बारिश के कारण तुर्भे रेलवे स्टेशन के नीचे बहुत ज्यादा पानी भर गया, जिससे पैदल चलने वालों को मुश्किल हुई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ठाणे-बेलापुर रोड का पास का हिस्सा भी पूरी तरह पानी में डूबा हुआ था, जिससे ट्रैफिक पर असर पड़ा। लोनावला में लगातार बारिश के बाद मशहूर भुशी डैम ओवरफ्लो हो गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे। हालांकि, पानी के तेज बहाव और फिसलन भरे हालात को देखते हुए अधिकारियों ने पर्यटकों से सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की।

पालघर में भारी बारिश के कारण अंबेडकर नगर इलाका जलमग्न हो गया। बाढ़ का पानी कई घरों में घुस गया, जिससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ा।

समावेशी विकास से ही साकार होगा विकसित भारत का सपना : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प तभी सार्थक होगा, जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, पोषण, अवसर और गरिमापूर्ण जीवन की समान पहुंच सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि समावेशी विकास ही वास्तविक विकास है और स्वामी विवेकानंद का सच्चा सम्मान उनके विचारों को आचरण और जीवन में उतारने से होगा।

राज्यपाल ने शनिवार को जन भवन में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जन भवन में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर जन भवन के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्प अर्पित कर राष्ट्र और समाज की सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में जन भवन के शिक्षा विभाग की ओर से स्वामी विवेकानंद के जीवन, व्यक्तित्व और विचारों पर आधारित सांस्कृतिक एवं शैक्षिक प्रस्तुतियां दी गईं। 'स्वामी विवेकानंद की बातें अमल में लाओ' गीत पर समूह गायन तथा वर्ष 1893 की विश्व धर्म संसद में दिए गए उनके ऐतिहासिक शिकागो भाषण की नाट्य प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को उनके सार्वभौमिक बंधुत्व, सहिष्णुता और भारतीय संस्कृति के संदेश से परिचित कराया।

पटना के सिस्टर निवेदिता बालिका विद्यालय में श्रेई ने किया इंफ्रास्ट्रक्चर आधुनिकीकरण

विश्व केसरी

पटना। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और समग्र शिक्षा योजना के तहत स्कूली शिक्षा में डिजिटल बदलाव को बढ़ावा देने की दिशा में श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत पटना जिले के मनेर स्थित सिस्टर निवेदिता गर्ल्स स्कूल के डिजिटल, पावर और व्यावसायिक (वोकेशनल) इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण की घोषणा की है।

यह परियोजना गैर-सरकारी संस्था 'नई धरती' के सहयोग से लागू की गई है, जिसका उद्देश्य दलित, वंचित और सामाजिक रूप से पिछड़े समुदायों की बालिकाओं को आधुनिक शिक्षा और

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रेई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरदयाल प्रसाद ने इस परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया। इस पहल के तहत विद्यालय में 58 केवीए क्षमता का डीजल जनरेटर, 75 इंच के एलजी इंटरएक्टिव स्मार्ट बोर्ड, स्वचालित फूड प्रोसेसिंग मशीनें तथा औद्योगिक स्तर का कमर्शियल वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम स्थापित किया गया है।

कंपनी का कहना है कि इन सुविधाओं से छात्राओं को आधुनिक डिजिटल शिक्षा के साथ-साथ कौशल आधारित प्रशिक्षण भी मिलेगा।

इस अवसर पर हरदयाल प्रसाद ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 डिजिटल शिक्षा को नई दिशा देने का रोडमैप प्रस्तुत करती है और श्रेई इस अभियान को जमीनी स्तर पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचा केवल सड़क, पुल और बिजली तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव संसाधन का विकास भी राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में आधुनिक तकनीक और विश्वसनीय आधारभूत सुविधाओं से लैस यह विद्यालय छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेशः नियमित पढ़ाई से बोर्ड परीक्षा आवेदन प्रक्रिया तक, जुलाई में व्यस्त रहेंगे माध्यमिक विद्यालय

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षा को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखकर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का माध्यम बना रही है। इसी सोच के अनुरूप जुलाई माह में प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में नियमित पठन-पाठन के साथ बोर्ड परीक्षा आवेदन प्रक्रिया, सतत मूल्यांकन, डिजिटल शिक्षा, छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सांस्कृतिक गतिविधियों और करियर मार्गदर्शन का व्यापक अभियान चलेगा।

शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, पूरे माह संचालित होने वाली गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता, जीवन कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करना है। नियमित शिक्षण के साथ सीखने की गुणवत्ता, तकनीकी दक्षता, अनुशासन और व्यवहारिक कौशल को भी समान रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

जुलाई माह में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस, विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान, वन महोत्सव, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा करियर काउंसिलिंग (साइकोमेट्रिक टेस्ट) जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, सड़क सुरक्षा, सामाजिक दायित्व और भविष्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जाएगा।

जुलाई में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार नियमित शिक्षण कार्य जारी रहेगा। कक्षा 9 से 12 तक प्रवेश संबंधी कार्य पूरे किए जाएंगे। कक्षा-10 एवं 12 के विद्यार्थियों के विवरण का मिलान कर बोर्ड परीक्षा आवेदन प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जबकि कक्षा 11 के विद्यार्थियों का पंचम पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाएगा।

बंगाल पुलिस ने ड्रोन की मदद से नाकाम की तस्करी की कोशिश, 17 नाबालिग लड़कियों को बचाया, 4 गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पुलिस ने ऑपरेशन में ड्रोन का इस्तेमाल कर मानव तस्करी की कोशिश को नाकाम किया है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑपरेशन में उत्तर दिनाजपुर जिले से 17 नाबालिग लड़कियों को बचाया गया और चार संदिग्ध मानव तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, पश्चिम बंगाल पुलिस ने उत्तर दिनाजपुर जिले में स्थित इस्लामपुर पुलिस जिला क्षेत्र में अपनी तरह के पहले ऑपरेशन में ड्रोन का इस्तेमाल किया और मानव तस्करी की एक कथित कोशिश को नाकाम कर दिया। यह पहली बार है जब इस्लामपुर पुलिस ने मानव तस्करी करने वाले गिरोहों के खिलाफ ड्रोन से निगरानी करके एक अनोखी कामयाबी हासिल की है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात सूचना मिली थी कि बिहार, असम और गुजरात की कई नाबालिग लड़कियों की तस्करी की जा रही है और उन्हें इस्लामपुर के चंपाबाग इलाके में एक जगह पर छिपाकर रखा गया है। जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने एक विशेष अभियान शुरू किया। अभियान में पूरे इलाके की निगरानी के लिए पहली बार ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

पुलिस का दावा है कि ड्रोन को देखते ही कुछ आरोपी भागने की कोशिश करने लगे। हालांकि, इलाके में पहले से ही गुप्त रूप से तैनात पुलिसकर्मियों ने उनमें से चार को पकड़ लिया। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। ऑपरेशन में कुल 17 नाबालिग लड़कियों को बचाया गया।

एसपी राकेश सिंह ने मीडियाकर्मियों को बताया, 'यह पुलिस के लिए एक बड़ी कामयाबी है। शुरुआती जांच में इस मामले के एक बड़े मानव तस्करी गिरोह से जुड़े होने का पता चला है। बचाई गई लड़कियां बिहार, असम और गुजरात की हैं। मुख्य तस्करी गिरोह के सरगना का पता लगाने के लिए पुलिस कस्टडी में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जाएगी। बचाई गई नाबालिगों के लिए काउंसलिंग और जरूरी कानूनी मदद का इंतजाम किया गया है।'

पुलिस बचाई गई लड़कियों से भी पूछताछ कर रही है, ताकि तस्करों और उनके गिरोह के बारे में और जानकारी मिल सके। मानव तस्करी गिरोह में शामिल बाकी सदस्यों की तलाश जारी है।

नोएडाः घरों में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार; चोरी का सामान, नकदी और बाइक बरामद

विश्व केसरी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-20 पुलिस ने घरों में चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई स्टील की टोटियां, विभिन्न मामलों से संबंधित 20,570 रुपये नकद, चोरी में प्रयुक्त औजार, एक चोरी की मोटरसाइकिल तथा दो अवैध चाकू बरामद किए हैं। दोनों आरोपी नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में लंबे समय से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट, सेक्टर-29 के पास से फिरोज उर्फ बब्लू और आशीष को गिरफ्तार किया। पूछताछ और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से सेक्टर-19 स्थित

एक मकान से चोरी की गई स्टील की टोटियां बरामद हुईं। इसके अलावा थाना सेक्टर-24 और थाना सेक्टर-39 में दर्ज चोरी के मामलों से संबंधित कुल 20,570 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की, जो दिल्ली के सीमापुरी थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। इसके साथ ही चोरी की वारदातों में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण, जिनमें प्लास नुमा कटर, टोटी तोड़ने वाला लोहे का रिंच, लोहे का कटर, सब्बल, छैनी तथा दो अवैध चाकू शामिल हैं, भी बरामद किए गए।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में मोबाइल फोन और लैपटॉप चोरी की घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उन्होंने पुलिस को बताया कि चोरी किए गए मोबाइल और लैपटॉप बेचकर मिले रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इन घटनाओं के संबंध में थाना सेक्टर-39 में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं, जिनकी जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपी फिरोज उर्फ बब्लू मूल रूप से बुलंदशहर के खुर्जा क्षेत्र का रहने वाला है और वर्तमान में सेक्टर-93, नोएडा में रहकर ओला-उबर टैक्सी चलाता है। उसकी शिक्षा कक्षा तीन तक है। दूसरा आरोपी आशीष मूल रूप से बरेली का निवासी है और वर्तमान में नोएडा के छलेरा गांव में रहकर टैक्सी चालक का कार्य करता है। वह स्नातक शिक्षित है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से भी चोरी, अवैध हथियार

ऐसे लोगों की बातों को सीरियस नहीं लेना चाहिए, दिग्विजय सिंह के आरोपों पर बोला संत समाज

विश्व केसरी

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर को लेकर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हाल ही में आरोप लगाया था कि मंदिर की बहुमूल्य भूमि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े एक ट्रस्ट को कौड़ियों के भाव आवंटित की गई और दान राशि का अनियमितताओं के जरिए दुरुपयोग किया जा रहा है। उनके इस बयान पर संत समाज ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आरोपों को निराधार बताया है।

निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर प्रेमानंद गिरि महाराज ने दिग्विजय सिंह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'आजकल लोग

सिर्फ मंदिरों पर ही आरोप लगाते हैं, क्योंकि ऐसा करना सबसे आसान है। कुछ पॉलिटिशियन हो या कोई अन्य समाज का व्यक्ति हो, मंदिरों पर आरोप लगा देता है और वो हिंदुओं को कमजोर समझता है। समाज को ऐसे लोगों की बातों को सीरियस नहीं लेना चाहिए। ऐसे व्यक्ति, जो कभी भी किसी के बारे में कुछ भी बोल देते हैं, उन्हें गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।'

प्रेमानंद गिरि महाराज ने यह भी दावा किया कि महाकाल मंदिर की आय और व्यय पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संचालित होते हैं। उनके अनुसार, मंदिर प्रशासन कलेक्टर स्तर की निगरानी में काम करता है और सभी वित्तीय प्रक्रियाओं का ऑडिट होता है। उन्होंने कहा कि मंदिर से प्राप्त धन का उपयोग केवल धार्मिक कार्यों, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, गौशालाओं, वेद विद्यालयों और अन्नक्षेत्र जैसी सेवाओं में किया जाता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि महाकाल मंदिर से जुड़ी व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की अनियमितता की बात तथ्यहीन है।

मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा, राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों को बुलाने की

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद के दोनों सदनों के मानसून सत्र 2026 को आहूत करने की मंजूरी दे दी है। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की।

किरेन रिजिजू ने अपने पोस्ट में बताया कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई 2026 से शुरू होगा और 13 अगस्त 2026 तक चलेगा। उन्होंने कहा कि यह सत्र राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। सरकार की ओर से उम्मीद जताई गई है कि दोनों सदनों में जनहित और राष्ट्रीय हित

से जुड़े विषयों पर व्यापक और रचनात्मक चर्चा होगी।

मानसून सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक और नीतिगत प्रस्ताव संसद में पेश कर सकती है। वहीं, विपक्ष भी महंगाई, बेरोजगारी, कृषि, आंतरिक सुरक्षा, विदेश नीति और अन्य समसामयिक मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। ऐसे में यह सत्र राजनीतिक और विधायी दोनों दृष्टि से अहम माना जा रहा है।

बता दें कि संसद के इस सत्र के दौरान विभिन्न मंत्रालयों से जुड़े विधायी कार्यों के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। सरकार और विपक्ष के बीच विभिन्न विषयों पर तीखी बहस देखने को मिल सकती है। ऐसे में राजनीतिक दलों, नीति विशेषज्ञों और आम जनता की निगाहें भी इस सत्र पर टिकी रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 16 अप्रैल से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का विशेष सत्र आयोजित किया गया था। उस दौरान महिला आरक्षण विधेयक पेश किया गया था, लेकिन लोकसभा में आवश्यक समर्थन नहीं मिलने के कारण वह पारित नहीं हो सका था। अब मानसून सत्र में सरकार की विधायी प्राथमिकताओं के साथ-साथ विपक्ष के रुख पर भी सभी की नजर रहेगी।

विश्व केसरी

याददाश्त कमजोर होने से पहले मस्तिष्क देता है यह संकेत, अल्जाइमर पर नई रिसर्च में खुलासा

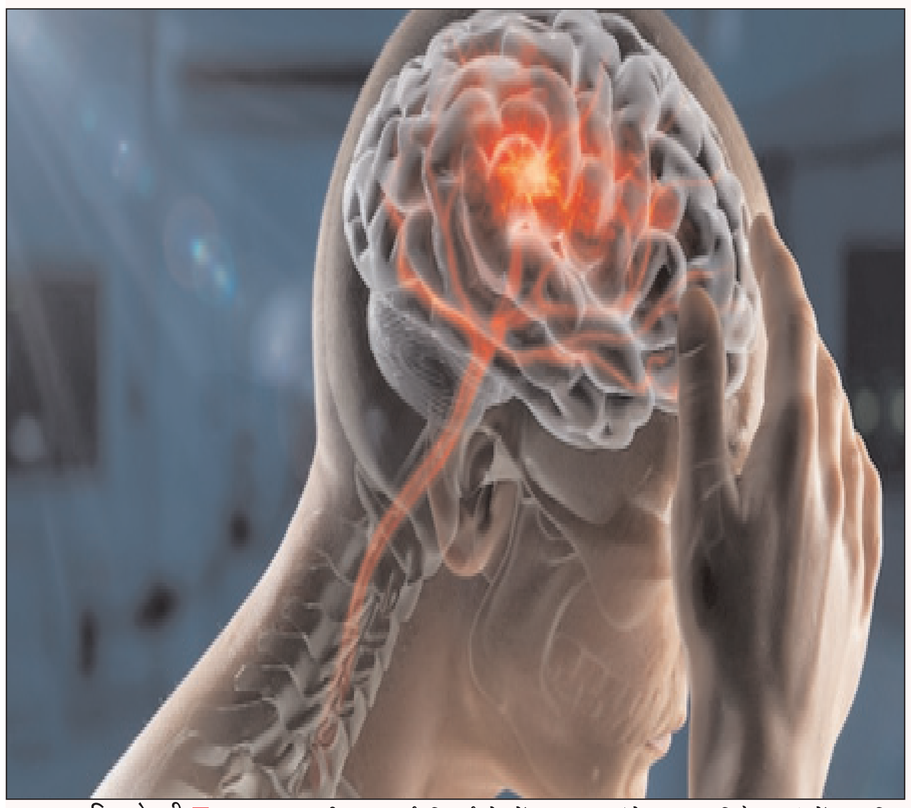

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अल्जाइमर बीमारी को आमतौर पर लोग भूलने की समस्या के तौर पर जानते हैं। जब किसी को नाम याद न रहे, चीजें रखकर भूल जाए या जगहों को पहचानने में दिक्कत हो, तब अक्सर कहा जाता है कि यह अल्जाइमर का असर हो सकता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों की एक नई रिसर्च ने में खुलासा हुआ है कि दिमाग में बदलाव सिर्फ याददाश्त कमजोर होने के बाद ही नहीं, बल्कि उससे कई साल पहले भी शुरू हो सकते हैं।

यह अध्ययन अमेरिका की टेक्सास ए एंड एम हेल्थ यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने किया है और इसके नतीजे एक मशहूर वैज्ञानिक जर्नल 'नेचर कम्युनिकेशन्स' में प्रकाशित हुए हैं। रिसर्च में बताया गया है कि अल्जाइमर की शुरुआत में ही दिमाग की नई परिस्थितियों में ढलने की क्षमता, यानी कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी, प्रभावित हो सकती है।

कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी का मतलब होता है, जब कोई स्थिति बदल जाए तो उसके हिसाब से अपनी सोच और व्यवहार को बदल लेना। जैसे अगर आप किसी काम को एक तरीके से कर रहे हैं और अचानक नियम बदल जाए तो तुरंत नए नियम के हिसाब से खुद को ढाल लेना। यही क्षमता दिमाग की एक बहुत जरूरी ताकत मानी जाती है।

रिसर्च में वैज्ञानिकों ने चूहों पर अध्ययन किया, जिन्हें अल्जाइमर जैसी स्थिति के लिए विकसित किया गया था। इन चूहों का एक खास टेस्ट दिया गया, जिसे रिवर्सल लर्निंग कहा जाता है। इसमें पहले चूहों को एक तरीका सिखाया गया जिससे उन्हें इनाम मिलता था, लेकिन बाद में नियम बदल दिए गए और इनाम पाने का तरीका भी बदल गया। दिलचस्प बात यह रही कि सामान्य चूहों ने जल्दी समझ लिया कि नियम बदल गए हैं और उन्होंने अपना तरीका भी बदल लिया, लेकिन अल्जाइमर वाले चूहों ने पुरानी आदत नहीं छोड़ी। वे बार-बार वही गलत तरीका अपनाते रहे, भले ही उससे कोई फायदा नहीं हो रहा था।

सबसे हैरानी की बात यह थी कि इन चूहों के याददाश्त टेस्ट में कोई बड़ी कमी नहीं दिखी। यानी वे जगहें और चीजें याद रखने में ठीक थे, लेकिन नई स्थिति के हिसाब से खुद को बदल नहीं पा रहे थे। इससे वैज्ञानिकों को लगा कि अल्जाइमर सिर्फ भूलने की बीमारी नहीं है, बल्कि इससे पहले सोचने और समझने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

दिमाग के अंदर जब जांच की गई तो एक खास हिस्सा, जिसे मीडियल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स कहा जाता है, उसमें ज्यादा गतिविधि देखी गई। यह हिस्सा दिमाग का वह भाग है जो प्लानिंग, निर्णय लेने और बदलते हालात में सोचने में मदद करता है। इसके अलावा स्ट्रिएटम नाम के दूसरे हिस्से से भी इसका संबंध देखा गया, जो व्यवहार को नियंत्रित करता है।

वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि कुछ खास तंत्रिका कोशिकाएं, जिन्हें कोलिनेर्जिक इंटरन्यूरॉन्स कहा जाता है, उनकी गतिविधि कम हो गई थी। ये कोशिकाएं दिमाग को सीखने और नई चीजें अपनाने में मदद करती हैं। जब ये ठीक से काम नहीं करतीं तो दिमाग के लिए नई परिस्थितियों में ढलना मुश्किल हो जाता है। इस रिसर्च में एक और दिलचस्प प्रयोग किया गया। वैज्ञानिकों ने दिमाग के उस हिस्से की ज्यादा गतिविधि को थोड़ी देर के लिए कम किया। इसके बाद चूहों में सुधार देखा गया। उन्होंने नई चीजें जल्दी सीखनी शुरू कर दीं और उनका व्यवहार पहले से बेहतर हो गया।

ई-जागृति प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाता है: पीएम मोदी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि ई-जागृति प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायतों की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर कई बड़ी चुनौतियों का समाधान कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म उपभोक्ता शिकायत दर्ज होने से लेकर उसके निपटारे तक की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन और पेपरलेस बनाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी द्वारा लिखे गए ई-जागृति प्लेटफॉर्म पर आधारित एक लेख को शेयर किया और कहा कि व्यापक स्तर पर विभिन्न हितधारकों से चर्चा और सुझाव लेने के बाद ई-जागृति को और बेहतर बनाया गया है, जिससे उपभोक्ता न्याय व्यवस्था को भी डिजिटल सुधारों के दायरे में लाया गया है।

अपने लेख में प्रल्हाद जोशी ने लिखा कि आज उपभोक्ता बड़ी संख्या में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान प्रणालियों और ऑनलाइन मार्केटप्लेस के माध्यम से लेनदेन कर रहे हैं। ऐसे में पारंपरिक उपभोक्ता न्याय प्रणाली, जिसमें कागजी फाइलिंग, मैनुअल जांच, अलग-अलग सॉफ्टवेयर और व्यक्तिगत रूप से सुनवाई की व्यवस्था थी, तेजी से बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं रह गई थी।

उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा केवल कानूनों में बदलाव से संभव नहीं थी, बल्कि न्याय वितरण की पूरी व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक-आधारित बनाना भी जरूरी था।

1 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति प्लेटफॉर्म ने चार पुराने सिस्टम ओसीएमएस, ई-दाखिल, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) सीएमएस और कन्फोनेट को एकीकृत कर एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित, पेपरलेस डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदल दिया है।

सरकार के अनुसार, लॉन्च होने के बाद से इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से 2.29 लाख से अधिक उपभोक्ता मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि 2.07 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया है। इस तरह प्लेटफॉर्म ने 90.75 प्रतिशत का कुल निपटान दर हासिल की है। इससे देश और विदेश में रहने वाले उपभोक्ताओं को कहीं से भी ऑनलाइन न्याय प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है।

सरकार ने बताया कि इस प्लेटफॉर्म की मदद से अब प्रवासी भारतीय (एनआरआई) भी भारत लौटे बिना अपनी उपभोक्ता शिकायतों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश भर के उपभोक्ता आयोगों के प्रदर्शन में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया।

शिमला मिर्च खाने से बढ़ सकता है पोटैशियम? डायलिसिस मरीज बरतें जरूरी सावधानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। किडनी की बीमारी और डायलिसिस की स्थिति में खानपान का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। जब किडनी ठीक से काम नहीं करती, तो शरीर से कई ऐसे मिनरल्स बाहर नहीं निकल पाते जो सामान्य रूप से यूरिन के जरिए निकल जाते हैं। इन्हीं में सबसे महत्वपूर्ण तत्व पोटैशियम भी है। यही वजह है कि डायलिसिस पर रहने वाले मरीजों को हर खाने-पीने की चीज सोच-समझकर लेने की सलाह दी जाती है।

डायलिसिस एक जीवनरक्षक प्रक्रिया है, जिसमें मशीन की मदद से खून से अपशिष्ट पदार्थ और अतिरिक्त मिनरल्स निकाले जाते हैं। सामान्य स्थिति में किडनी शरीर में पोटैशियम का संतुलन बनाए रखती है, लेकिन जब किडनी फेल हो जाती है या गंभीर रूप से कमजोर हो जाती है, तो यह संतुलन बिगड़ जाता है।

शरीर में पोटैशियम बढ़ने की स्थिति को मेडिकल भाषा में हाइपरकलेमिया कहा जाता है, जो दिल की धड़कन पर गंभीर असर डाल सकती है। कई मामलों में यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है। इसी कारण डॉक्टर मरीजों को पोटैशियम नियंत्रित आहार लेने की सलाह देते हैं।

शिमला मिर्च को आमतौर पर एक हल्की और सुरक्षित सब्जी माना जाता है। मेडिकल न्यूट्रिशन के आंकड़ों के अनुसार, 100 ग्राम कच्ची हरी शिमला मिर्च में लगभग 170 से 180 मिलीग्राम पोटैशियम पाया जाता है। लाल शिमला मिर्च में यह मात्रा थोड़ी ज्यादा, यानी करीब 190 से 210 मिलीग्राम तक हो सकती है, जबकि पीली शिमला मिर्च में भी यह स्तर लगभग इसी तरह रहता है। तुलना के तौर पर, यह मात्रा कई अन्य सब्जियों और फलों से कम मानी जाती है, इसलिए इसे लो-पोटैशियम फूड की श्रेणी में रखा जाता है।

इसके साथ ही शिमला मिर्च में विटामिन सी, विटामिन ए और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने और सूजन कम करने में मदद कर सकते हैं।

अगर बात डायलिसिस मरीजों की करें, तो विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करने की सलाह दी जाती है। इसे एक सहायक सब्जी के रूप में थोड़ी मात्रा में खाया जा सकता है, लेकिन इसे मुख्य भोजन का बड़ा हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हर मरीज की स्थिति अलग होती है, इसलिए किसी भी आहार को अपनाने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह जरूरी मानी जाती है।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में इबोला के 1,500 से अधिक मामले सामने आए

विश्व केसरी ■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला के 1,502 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 473 मौतें शामिल हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा कि यह प्रकोप अभी भी गंभीर बना हुआ है।

डीआरसी के पब्लिक हेल्थ अधिकारियों की ओर से शुक्रवार (स्थानीय समय) को जारी ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अभी 628 मरीज आइसोलेशन या अस्पताल में हैं और देश में 229 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल 213 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं, जिनमें 63 मौतें शामिल हैं। एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में अफ्रीका के लिए डब्ल्यूएचओ के रीजनल डायरेक्टर मोहम्मद याकूब जनाबी ने कहा कि स्थिति गंभीर बनी हुई है और पूर्वी प्रांत इतुरी और नॉर्थ किवु में संक्रमण फैल रहा है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, जनाबी ने कहा कि यह मौजूदा प्रकोप अब तक का सबसे बड़ा बुंडीबुग्यो इबोला प्रकोप है। डीआरसी में डब्ल्यूएचओ के एक्सपर्ट पियरे अकिलिमाली ने कहा कि यह प्रकोप ऐसे इलाकों में फैल रहा है, जो असुरक्षा और हथियारबंद समूहों की गतिविधियों से प्रभावित हैं, जिससे मामलों का पता लगाना और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करना मुश्किल हो रहा है। इतुरी के कुछ प्रभावित इलाके माइनिंग जोन में हैं, जहां बाहर से लोगों के लगातार आने-जाने से वायरस के फैलने का खतरा बढ़ गया है।

डब्ल्यूएचओ ने गुरुवार को कहा कि डीआरसी में बुन्डिबुग्यो वायरस से होने वाली इबोला बीमारी के संभावित इलाज की जांच के लिए एक क्लिनिकल ट्रायल शुरू हो गया है। इस बीमारी के लिए अभी कोई वैक्सीन या खास इलाज मौजूद नहीं है। इस बीच, युगांडा में डब्ल्यूएचओ के एक्सपर्ट बेंजामिन सेंससी ने बताया कि गुरुवार तक देश में 20 कन्फर्म मामले सामने आए हैं, जिनमें 15 मामले बाहर से आए लोगों के हैं। बाकी पांच लोग स्थानीय स्तर पर संक्रमित पाए गए, जिनकी पहचान क्वारंटीन के दौरान हुई। इनमें कम्युनिटी ट्रांसमिशन (समुदाय में संक्रमण फैलने) का कोई मामला नहीं देखा गया है।

सेंससी ने कहा कि युगांडा और डीआरसी ने सीमा-पार मिलकर काम करने का एक जॉइंट सिस्टम बनाया है।

पायरेसी पर सरकार की बड़ी कार्रवाई, टेलीग्राम को भेजा नोटिस, 15 दिन में मांगी एक्शन रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। देश में फिल्मों और ओटीटी कंटेंट की बढ़ती पायरेसी पर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम को नोटिस जारी कर पायरेटेड फिल्मों और ओटीटी कंटेंट के प्रसार पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय ने टेलीग्राम से कहा है कि वह अपने प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध पायरेटेड कंटेंट को हटाने के लिए तत्काल कदम उठाए और 15 दिनों के भीतर इस संबंध में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपे।

सरकार का मानना है कि इस तरह की पायरेसी से भारत की तेजी से बढ़ती क्रिएटर इकोनॉमी, फिल्म उद्योग, ब्रॉडकास्टर्स, ओटीटी प्लेटफॉर्म, फिल्म निर्माता और डिस्ट्रीब्यूटर्स को भारी नुकसान होता है।

इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कॉपीराइट सामग्री की सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अवैध कंटेंट के प्रसार को रोकने के लिए यह कदम उठाया है।

सूत्रों का कहना है कि सरकार चाहती है कि टेलीग्राम अपने प्लेटफॉर्म पर कॉपीराइट नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करे और अवैध रूप से साझा किए जा रहे फिल्मों, वेब सीरीज और अन्य डिजिटल कंटेंट पर प्रभावी रोक लगाए।

टेलीग्राम इससे पहले भी कई मामलों को लेकर सरकारी और नियामकीय एजेंसियों के निशाने पर रह चुका है। पिछले कुछ महीनों में यह प्लेटफॉर्म धोखाधड़ी, फर्जी नामों के जरिए संवेदनशील जानकारी के प्रसार और भ्रामक सामग्री फैलाने जैसी चिंताओं के कारण जांच के दायरे में आया था।

इसी क्रम में सरकार ने 22 जून तक एक सप्ताह के लिए टेलीग्राम और उससे जुड़ी वेब सेवाओं पर प्रतिबंध भी लगाया था। यह फैसला नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा का कथित प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षा से जुड़ी भ्रामक सामग्री के प्रसार और अन्य कथित धोखाधड़ी वाली गतिविधियों को रोकने में प्लेटफॉर्म की विफलता को देखते हुए लिया गया था।

हालांकि, बाद में प्रतिबंध हटने के बाद टेलीग्राम की सेवाएं भारत में फिर से बहाल कर दी गई थीं।

बारिश के मौसम में सेहत का रखें खास ख्याल, ऋतुचर्या के अनुसार बदलें खान-पान और दिनचर्या की आदतें

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वर्षा ऋतु का मौसम अपने साथ ठंडक और ताजगी लेकर आता है, लेकिन इसी समय शरीर के अंदर कई बदलाव भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में पाचन शक्ति, यानी जठराग्नि, थोड़ी कमजोर हो जाती है, इसलिए जो भी हम खाते-पीते हैं उसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। इसी वजह से ऋतुचर्या का पालन करना बहुत जरूरी माना गया है, ताकि शरीर संतुलित और रोगों से सुरक्षित रह सके। आयुष मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस मौसम में हल्का, ताजा और आसानी से पचने वाला भोजन करना सबसे अच्छा होता है। भारी, तला-भुना और बासी खाना पाचन को और कमजोर कर सकता है। बरसात में नमी और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है, इसलिए बाहर का या खुला हुआ खाना खाने से बचना चाहिए। घर का बना सादा भोजन, जैसे मूंग दाल, उबली हुई सब्जियां और हल्के मसालों वाला खाना शरीर के लिए बेहतर माना जाता है। आयुर्वेद यह भी कहता है कि इस मौसम में खट्टा और नमकीन स्वाद सीमित मात्रा में लेना चाहिए। वहीं, दूध और दही जैसी चीजों का सेवन सोच-समझकर करना चाहिए, क्योंकि ये कफ को बढ़ा सकती हैं और जुकाम या भारीपन जैसी समस्याएं बढ़ा सकती हैं।

पानी पीने के तरीके में भी बदलाव जरूरी है। इस मौसम में उबला हुआ या हल्का गुनगुना पानी पीना ज्यादा सुरक्षित और फायदेमंद माना जाता है। सुबह की शुरुआत अगर गुनगुने पानी में थोड़ा शहद मिलाकर की जाए तो यह शरीर को डिटॉक्स करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। वर्षा ऋतु में योग और हल्का व्यायाम भी बहुत लाभदायक होता है। इससे शरीर सक्रिय रहता है और जठराग्नि संतुलित बनी रहती है। वज्रासन, त्रिकोणासन, सेतुबंधासन और पादहस्तासन जैसे आसान योगासन इस मौसम में विशेष रूप से उपयोगी माने जाते हैं।

एडवांस्ड सेल और जीन थेरेपी के नियमन के लिए सरकार ने ड्रग्स रूल्स में किया संशोधन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एडवांस्ड सेल और जीन थेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों के नियमन को और प्रभावी बनाने के लिए ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन किया है। इस संशोधन के तहत सेल या स्टेम सेल से बने उत्पादों, जीन थेरेपी उत्पादों और जेनोग्राफ्ट्स को सेंट्रल लाइसेंस अप्रूविंग अथॉरिटी (सीएलए) के दायरे में शामिल किया गया है।

सरकार का कहना है कि इस कदम से पूरे देश में इन आधुनिक चिकित्सा उत्पादों के लिए एक समान नियामक व्यवस्था लागू करने में मदद मिलेगी और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सरकार के अनुसार, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत कुछ महत्वपूर्ण दवाओं और जैविक उत्पादों की निगरानी पहले से ही केंद्र और राज्य सरकारों की लाइसेंसिंग एजेंसियां मिलकर करती हैं। इनमें वैक्सीन, 100 मिलीलीटर से अधिक मात्रा वाले इंट्रावीनस (आईवी) सॉल्यूशन और रिकॉम्बिनेंट डीएनए आधारित दवाएं शामिल हैं। अब इस व्यवस्था का दायरा बढ़ाकर नई चिकित्सा तकनीकों को भी इसमें शामिल किया गया है।

सरकार ने बताया कि सेल और स्टेम सेल आधारित उत्पादों का उपयोग रीजेनरेटिव थेरेपी और सीएआर-टी सेल थेरेपी जैसे आधुनिक उपचारों में तेजी से बढ़ रहा है। इनका इस्तेमाल ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे रक्त कैंसर के इलाज में किया जाता है।

फीफा वर्ल्ड कपः कोलंबिया ने शान से कटाया राउंड ऑफ 16 का टिकट, घाना को 1-0 से दी मात

विश्व केसरी ■

कैनसस सिटी। कोलंबिया ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने अजेय रिकॉर्ड को राउंड ऑफ 32 में भी बरकरार रखा है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कैनसस सिटी स्टेडियम में घाना को 1-0 से हराया।

इस जीत के साथ ही कोलंबिया ने अंतिम 16 का टिकट हासिल कर लिया है। मैच में शुरुआत से ही कोलंबिया ने आक्रामक खेल दिखाया और घाना के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। टीम को इसका फायदा भी जल्द ही मिला। मैच के 14वें मिनट में जॉन एरियास ने कोलंबिया की ओर से पहला गोल दागा। लुइस जेवियर सुआरेज के असिस्ट पर एरियास ने शानदार गोल दागा।

पहले हाफ में कोलंबिया ने बढ़त को दोगुना करने के कई मौके बनाए। लुइस डियाज ने बॉक्स के अंदर से एक अच्छा शॉट लगाया, लेकिन वह लक्ष्य से चूक गया। वहीं, जोहान मोजिका के हेडर को घाना के गोलकीपर लॉरेंस अती-जिगी ने शानदार तरीके से बचाया। घाना की तरफ से भी कुछ हमले किए गए, लेकिन टीम कोलंबिया के डिफेंस को पहले हाफ में भेदने में नाकाम रही।

दूसरे हाफ में भी कोलंबिया का दबदबा बना रहा। 56वें मिनट में लुइस डियाज ने एक और बार गेंद को नेट में पहुंचाया, लेकिन यह गोल ऑफसाइड होने के कारण अमान्य घोषित किया गया।

इसके बाद भी कोलंबिया ने लगातार हमले जारी रखे, लेकिन टीम को दूसरा गोल करने में सफलता हाथ नहीं लग सकी। घाना की टीम पूरे मैच में कोलंबिया की मजबूत डिफेंस को भेदने में सफल नहीं हो पाई। मैच के दौरान घाना का एक भी शॉट टारगेट पर नहीं लग सका।

अंतिम मिनटों में कोलंबिया ने अपनी बढ़त को सुरक्षित रखने पर ध्यान दिया और डिफेंस को मजबूत बनाए रखा। टीम ने संयम के साथ खेलते हुए घाना को कोई बड़ा मौका नहीं दिया और 1-0 की बढ़त को अंत तक बनाए रखा। राउंड ऑफ 16 में अब कोलंबिया का सामना स्विट्जरलैंड से 8 जुलाई को वैंकूवर में होगा। स्विट्जरलैंड ने अपने पिछले मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 का टिकट हासिल किया है।

विंबलडनः जोकोविच ने की फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी, रिंडरकनेच को हराकर बनाई चौथे दौर में जगह

विश्व केसरी ■

लंदन । सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने कड़े संघर्ष के बाद पुरुष एकल के चौथे दौर में जगह बना ली है। शुक्रवार को खेले गए तीसरे दौर के मुकाबले में उन्होंने फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को तीन घंटे और एक मिनट तक चले मैच में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6 (4) से हराया।

जीत के साथ सर्बिया के स्टार खिलाड़ी ने विंबलडन में अपने करियर की 105वीं एकल जीत दर्ज की। इसके साथ ही उन्होंने स्विट्जरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर के सबसे ज्यादा पुरुष एकल मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। विंबलडन के इतिहास में अब केवल मार्टिना नवरातिलोवा ही जोकोविच से आगे हैं, जिनके नाम 120 एकल जीत दर्ज हैं। मैच के बाद जोकोविच ने कहा कि विंबलडन में इतिहास का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास पल है।

उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। बचपन से मेरा सपना था कि मैं यहां अच्छा प्रदर्शन करूं। मैं रिकॉर्ड के बारे में ज्यादा नहीं सोचता। मेरी कोशिश हर मैच जीतने की होती है। यह मुकाबला आसान नहीं था। मुझे पता था कि सामने वाला खिलाड़ी चुनौती देगा। इस जीत से मैं बहुत खुश हूं।' जोकोविच ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा कि अगर संभव हो तो वह और रोजर फेडरर 106वीं जीत के लिए एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला खेल सकते हैं।

हालांकि, चौथे दौर में जगह बनाने के लिए जोकोविच को आर्थर के खिलाफ काफी मेहनत करनी पड़ी। फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने पहले दो सेट में 35 विनर लगाए, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर वह बढ़त का फायदा नहीं उठा सके। तीसरे सेट में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए जोकोविच को 6-1 से हराया और मैच को रोमांचक बना दिया।

चौथे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। लंबे-लंबे रैलियों और दमदार शॉट्स ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। आठवें गेम के बाद मुकाबला 4-4 की बराबरी पर पहुंच गया था। इस दौरान रिंडरकनेच ने कई शानदार अंक अपने नाम किए और दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं। एक बेहतरीन रैली के बाद जब जोकोविच का बैकहैंड बाहर चला गया तो पूरे सेंटर कोर्ट में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर फ्रांस के खिलाड़ी का उत्साह बढ़ाया। हालांकि, जोकोविच ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए दबाव में बेहतरीन सर्विस और रिटर्न खेलते हुए मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। टाई-ब्रेक में उन्होंने शांत दिमाग से खेलते हुए जीत अपने नाम कर ली और चौथे दौर का टिकट हासिल किया।

इससे पहले, दूसरे दौर में जोकोविच ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में हराकर शानदार फॉर्म का संकेत दिया था। हालांकि, तीसरे दौर में उन्हें कहीं ज्यादा कड़ी चुनौती मिली, लेकिन उन्होंने एक बार फिर साबित किया कि बड़े मुकाबलों में उनका अनुभव उन्हें अलग बनाता है।

विंबलडनः ओस्टापेंको को हराकर चौथे दौर में पहुंचीं सबालेंका, ओसाका से होगी भिड़ंत

विश्व केसरी ■

लंदन । दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विंबलडन 2026 के महिला एकल मुकाबले के चौथे दौर में जगह बना ली है। तीसरे दौर के मुकाबले में उन्होंने 2017 फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। यह मुकाबला एक घंटा 33 मिनट तक चला।

अपनी आक्रामक खेल शैली के लिए मशहूर सबालेंका और ओस्टापेंको ने मुकाबले में दमदार शॉट लगाए, लेकिन सबालेंका ने बेहतर संयम और समझदारी के साथ खेलते हुए जीत हासिल की। इस जीत के साथ उन्होंने पहली बार विंबलडन का खिताब जीतने की अपनी उम्मीद भी कायम रखी। इससे पहले, वह इस टूर्नामेंट में तीन बार सेमीफाइनल तक का सफर तय कर चुकी हैं। अब चौथे दौर में सबालेंका का मुकाबला जापान की पूर्व विश्व नंबर एक नाओमी ओसाका से होगा। यह मैच टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक माना जा रहा है।

14वीं वरीयता प्राप्त ओसाका ने भी तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया।

फीफा वर्ल्ड कपः मेसी के नाम जुड़ी एक और बड़ी उपलब्धि, डिएगो माराडोना का तोड़ा रिकॉर्ड

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में लियोनेल मेसी का शानदार प्रदर्शन जारी है। मेसी हर मुकाबले के साथ नया कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए राउंड ऑफ 32 मुकाबले में भी मेसी ने एक और बड़ी उपलब्धि को अपने नाम किया।

मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा असिस्ट (गोल करने में मदद) करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज खिलाड़ी डिएगो माराडोना का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मेसी वर्ल्ड कप में अब कुल 9 असिस्ट कर चुके हैं, जबकि माराडोना ने अपने करियर के दौरान विश्व कप में 8 असिस्ट किए। मेसी इसके साथ ही टूर्नामेंट के इतिहास में लगातार आठ मुकाबलों में गोल करने वाले भी पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने काबो वर्डे के खिलाफ खेले गए रोमांचक मुकाबले में एक गोल दागते हुए अर्जेंटीना को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

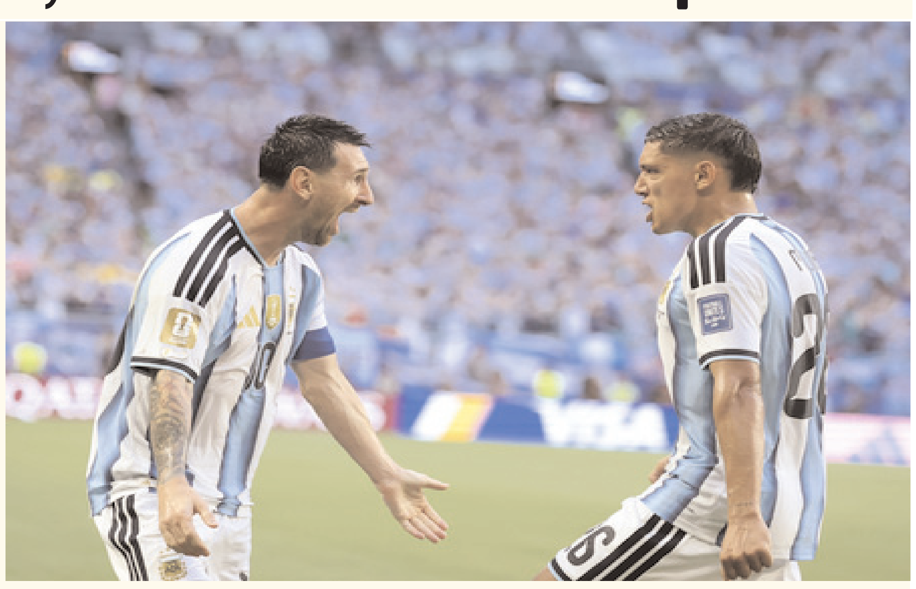

अर्जेंटीना के कप्तान ने काबो वर्डे के खिलाफ मैच का पहला गोल किया। उन्होंने 29वें मिनट में लिसेंड्रो मार्टिनेज से मिले बेहतरीन पास को गोल में तब्दील किया। यह मेसी का विश्व कप में 20वां गोल रहा। फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने का रिकॉर्ड पहले ही मेसी अपने नाम कर चुके हैं। मेसी दो विश्व कप में 7 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। मेसी फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर मौजूद हैं। मेसी को कड़ी टक्कर फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे से मिल रही है, जो 6 गोल कर चुके हैं।

मेसी की अगुवाई वाली अर्जेंटीना को काबो वर्डे के खिलाफ कड़े संघर्ष के बाद जीत नसीब हुई। 90 मिनट तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर था। हालांकि, अतिरिक्त समय में काबो वर्डे के खिलाड़ी डिने बोर्गस मेसी के एक शॉट को क्लियर करने के प्रयास में अपना ही गोल कर बैठे। यह गोल निर्णायक साबित हुआ, जिसके बूते अर्जेंटीना मुकाबले को 3-2 से अपने नाम करने में सफल रही।

पीवी सिंधु: माता-पिता से मिली प्रेरणा, 8 साल की उम्र में थामा रैकेट, दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतकर रचा इतिहास

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को बचपन से ही खेल की दुनिया में कदम जमाने के लिए एक शानदार माहौल मिला। सिंधु के माता-पिता खुद खिलाड़ी थे तो उन्होंने बेटी को हर मुकाम पर पूरा सपोर्ट किया। सिंधु भी उम्मीदों पर हर बार खरी उतरीं, और वह ओलंपिक में भारत के लिए दो व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं।

पीवी सिंधु का जन्म 5 जुलाई, 1995 को हैदराबाद में हुआ। सिंधु के माता-पिता वॉलीबॉल खिलाड़ी थे, तो बचपन से ही उन्हें खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। सिंधु साल 2001 में इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में पुलेला गोपीचंद को मिली ऐतिहासिक जीत से काफी प्रभावित हुई थीं, और इस पल से उन्होंने इस खेल को अपनाने का फैसला किया था। सिंधु ने 8 साल की उम्र में बैडमिंटन रैकेट थामा और अपनीकड़ी मेहनत के दम पर इस खेल में रमती चली गईं।

बैडमिंटन की बारीकियां सीखने के लिए उन्होंने गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में दाखिला लिया और जमकर प्रैक्टिस की। सिंधु बैडमिंटन के प्रति पूरी तरह से समर्पित थीं, और उन्होंने अपनी ट्रेनिंग के लिए लंबे समय तक मोबाइल फोन से भी दूरी बना ली थी। अपनी लगन और मेहनत के बूते सिंधु ने बैडमिंटन में एक के बाद एक उपलब्धियों को हासिल करती चली गईं।

नेशनल लेवल पर दमदार प्रदर्शन के बाद, उन्होंने इंटरनेशनल स्तर पर भी अपने करियर की शानदार शुरुआत की। उन्होंने साल 2011 में महज 16 साल की उम्र में मालदीव इंटरनेशनल चैलेंज के खिताब को अपने नाम किया। 2012 में सिंधु एशियन जूनियर चैंपियन में गोल्ड मेडल जीतने में सफल रहीं। वहीं, 2013 में उन्होंने मलेशिया ओपन ग्रैंड प्रिक्स का खिताब जीता। साल 2016 में पीवी सिंधु ने चाइना ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह साल सिंधु के लिए और भी यादगार साबित हुआ, और वह रियो ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल लाने में सफल रहीं। इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में भी उनका जलवा देखने को मिला।

बांग्लादेश से भिड़ने के लिए जिम्बाब्वे की वनडे टीम का ऐलान, रिचर्ड नगारवा बने कप्तान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। रिचर्ड नगारवा को पहली बार इस फॉर्मेट में टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खत्म हुए एकमात्र टेस्ट मैच में शतकीय पारी खेलने वाले इनोसेंट काइया की टीम में वापसी हुई है। वनडे सीरीज का आगाज 6 जुलाई से होना है, जबकि सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 जुलाई और अंतिम मैच 11 जुलाई को खेला जाना है। सीरीज के सभी मैचों की मेजबानी हरारे स्पोर्ट्स क्लब करेगा। काइया के साथ-साथ बेन कुरेन और ब्रायन बेनेट की भी वनडे टीम में वापसी हुई है।

नगरावा एक अनुभवी टीम की अगुवाई करेंगे, जिसमें क्रेस एर्विन और सिकंदर रजा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, गेंदबाजी में ब्लेसिंग मुजारबानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी और अर्नेस्ट मसुकु बल्लेबाजों की अग्निपरीक्षा लेते हुए नजर आएंगे।

स्पिन विभाग की जिम्मेदारी रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे और वेलिंगटन मसाकाद्जा मिलकर संभालते हुए नजर आएंगे। तदिवानाशे मारुमानी और क्लाइव मडांडे को विकेटकीपर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। जिम्बाब्वे ने एक पारी और 85 रनों से जीत दर्ज की थी। बल्लेबाजी में इनोसेंट काइया ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 140 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, क्रेग एर्विन (60 रन) और ब्रायन बेनेट (59 रन) ने अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं, वेस्ली मधेवीरे भी 77 रन बनाकर नाबाद रहे थे। गेंदबाजी में टीम की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले में कुल 6 विकेट अपने नाम किए थे। पिछले साल अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की सीरीज खेलने के बाद यह जिम्बाब्वे की पहली वनडे सीरीज होगी।

सूर्यवंशी पर दबाव न बनाएं, वह भारत के लिए कमाल करेगाः चमिंडा वास

विश्व केसरी ■

हैदराबाद । श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास ने कहा है कि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी में एक सफल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने के सभी गुण हैं। उन्होंने कहा कि वैभव पर फैंस और विशेषज्ञों द्वारा अनावश्यक दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। वास तेलंगाना टी20 लीग में हिस्सा लेने के लिए अभी भारत में हैं, वे पलामुरु स्ट्राइकर्स के मेंटर हैं।

चमिंडा वास ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'भारत ने पिछले कुछ सालों में लगातार विश्व-स्तरीय युवा क्रिकेटर दिए हैं। वैभव सूर्यवंशी अभी बहुत युवा हैं। एक खिलाड़ी के रूप में उसे विकसित होने का समय दिया जाए। मुझे यकीन है कि उसे इंडिया के लिए खेलने और अच्छा करने का मौका मिलेगा। वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना लेगा और कमाल करेगा। बस मैं लोगों से अपील करूंगा कि उस पर दबाव न डालें।'

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2025 में पदार्पण के बाद से ही क्रिकेट की दुनिया में छाए हुए हैं। आईपीएल 2025 में दमदार शतक लगाकर चर्चा में आने के बाद वैभव ने इंडिया ए और इंडिया अंडर-19 के लिए अलग-अलग फॉर्मेट में जोरदार प्रदर्शन किया है। आईपीएल 2026 में उनके दमदार प्रदर्शन की वजह से उन्हें भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई है। वैभव ने आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए 776 रन बनाए थे और ऑरेंज कैप विजेता रहे थे।

वास ने तेलंगाना टी20 लीग (टीजी20) की तारीफ करते हुए कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट युवा प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें निखारने के लिए बहुत जरूरी हैं। ऐसे टूर्नामेंट युवा क्रिकेटरों को आईपीएल और भारतीय टीम में जगह बनाने का मौका देते हैं।

उन्होंने कहा, 'हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन का पहला तेलंगाना टी20 आयोजित करना युवाओं के लिए अच्छा है। सभी टीमों में बहुत क्षमता है। अगर पलामुरु स्ट्राइकर्स की बात करें, तो काफी युवा क्रिकेटर आगे बढ़ रहे हैं। मैं उनके प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। एक टीम के तौर पर हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन कुछ लोग बहुत अच्छा स्ट्राइक कर रहे हैं।'

देश भर के दूसरे घरेलू टी20 प्रतियोगिता से टीजी20 की तुलना के सवाल पर, वास ने कहा कि भारत के क्रिकेटिंग इकोसिस्टम राज्य स्तर पर नियमित प्रतियोगिता के मौके सुनिश्चित करके युवा खिलाड़ियों को विकसित करने के लिए एक मानक स्थापित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट ने युवाओं के लिए बहुत अच्छा काम किया है। हैदराबाद में ही नहीं, मुझे लगता है कि हर राज्य में वे एक टी20 टूर्नामेंट आयोजित करते हैं। इतना एक्सपोजर, इतना मौका, साथ ही आईपीएल में जाने का अनुभव देते हैं। इसी तरह ज्यादातर क्रिकेटर आगे बढ़े हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415